RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 200
नई दिल्ली, सोमवार, 25 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अभ्यास शुरू करने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा: रोहित
स्पोर्ट्स-10

जो आंकड़ा सामने, उससे दस गुना ज्यादा हैं मरीज

● मृतक संख्या के भी वास्तविक से कई गुना अधिक होने की आशंका

नवीन उपाध्याय। नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से जुड़े हेल्थकेयर इन क्राइसिस सिचुएशन सेवा के पूर्व निदेशक डेनियल लोपेज-अकुना ने 27 मार्च को कहा था कि वर्तमान में स्पेन समेत दुनिया भर में कोरोनो वायरस से प्रभावित लोगों की संख्या आधिकारिक पॉजिटिव मामलों की तुलना में संभवत: दस गुना अधिक है।

लगभग दो महीने पहले जब कोरोनो वायरस अपने मध्य चरण में था, लोपेज-अकुना की चेतावनी का यूरोप और अन्य जगहों पर कोई असर नहीं दिखा और यह दुनिया में कोई हलचल पैदा करने में विफल रही। आखिरकार, एक स्पेनिश नागरिक मुख्य रूप से स्पेन में फैले कोरोना संक्रमण के संदर्भ में बात कर रहा था, लेकिन ठीक दो महीने बाद पूरी दुनिया इस बात से घबराई हुई है कि कोरोना वायरस के वास्तविक पॉजिटिव मामलों की संख्या दर्ज किए गए मामलों की तुलना में कई गुना अधिक हो सकती है। इसी तरह मौतें भी वास्तविक गिनती से कई गुना ज्यादा हो सकती हैं। दुनिया भर में किए गए विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि कम टेस्ट होने की वजह से संक्रमण और मौतों की बहुत कम संख्या सामने आ रही है। इसका मतलब यह है कि जिन लोगों को क्वॉरंटीन कर दिया गया है, उनकी संख्या सड़कों पर रहने या ऑफिस या अन्य जगह काम पर जाकर वायरस फैलाने वालों की तुलना में बहुत कम है। कोरोना के ये गुप्त वाहक इस महामारी के प्रसार को रोकने में सबसे बड़ी बाधा साबित हो सकते हैं। भारत जैसी जगहों पर तो ये गुप्त कोरोना कैरियर और भी खतरनाक हैं जहां अन्य समान रूप से प्रभावित देशों की तुलना में टेस्ट कम हो रहे हैं। ब्रिटेन का ही उदाहरण लें, जहां अब तक 257,154 मामले सामने आ चुके हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि वायरस से ब्रिटेन में कुल प्रभावित रोगियों में से 1.04 प्रतिशत की जान ले रहा है।

जिस दिन यह शोध प्रकाशित किया गया यानी 19 मई तक, ब्रिटेन में 48,417 लोगों की मौत कोरोना वायरस से हो चुकी थी। अनुमान है कि उस समय ब्रिटेन में कुल संक्रमित मामले 46 लाख 50 हजार थे, जो उस दिन आए 24,000 मामलों की संख्या से लगभग 19 गुना अधिक थे। इसी प्रकार, बॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा है कि जर्मनी में कोरोनो वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या वर्तमान (शेष पेज 9)

दुनिया में कोरोना संक्रमण का खौफनाक सच

म्यांमार से लौटे यात्रियों का चेन्नई हवाईअड्डे पर कोरोना जांच के लिए नमूना लेते चिकित्साकर्मी

मिटा संशय-आज से उड़ेंगे विमान

ना-नुकुर बाद 25 उड़ानों पर माने उद्धव, ममता भी तैयार

● दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, बेंगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, गोवा, गुवाहाटी, रायपुर समेत तमाम शहरों से टेकऑफ-लैंडिंग होगी शुरू

● कोलकाता में 28 मई से और विजयवाड़ा-विशाखापत्तनम में 26 मई से होगा विमानों का संचालन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन के बीच सोमवार से देश के विभिन्न शहरों के लिए घरेलू उड़ानें शुरू हो जाएंगी। घरेलू उड़ानों पर संशय तब समाप्त हो गया जब इसका तीखा विरोध कर रहीं महाराष्ट्र-पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ व असम सरकारों ने भी इसके लिए हामी भर दी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई से 25 मई से 25 फ्लाइट्स पर सहमति जताई जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल नेता ममता बनर्जी ने 30 मई के बाद की जिद छोड़कर 28 मई से घरेलू उड़ानों को मंजूरी दे दी है। यूपी, छत्तीसगढ़, हिमाचल व कर्नाटक समेत अन्य राज्यों ने हवाई यात्रियों के लिए 14 दिन क्वारंटीन में रहना अनिवार्य किया है। राज्य सरकारों के साथ उड़ानों, क्वारंटीन अवधि और यात्रियों के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर स्थिति स्पष्ट होने और उनकी हरी झंडी मिलने के बाद केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को 1050 उड़ानों का परिचालन होगा।

इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हवाई सफर करने वालों के लिए नई गाइडलाइन जारी की जिसका सख्ती से पालन अनिवार्य होगा। गाइडलाइन के मुताबिक, सभी यात्रियों को फेस मास्क लगाना जरूरी होगा और सभी प्रवेश व निकास द्वारों पर उनकी थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। लगभग दो महीने तक उड़ानें निलंबित रहने के बाद, सोमवार से उनकी शुरुआत का ब्योरा देते एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से 380 विमानों का संचालन होगा। 190 विमान हवाई अड्डे से रवाना होंगे और इतने ही विमान यहां उतरेंगे।

दिल्ली हवाईअड्डे के संचालक डायल ने तैयारियों का ब्योरा देते हुए कहा कि यात्रियों के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वचालित हैंड सैनिटाइजर, फ्लोर मार्कर, अल्ट्रा वॉयलट स्कैनर, ई बोर्डिंग पास मशीनें आदि लगाई गई हैं। कोरोना संक्रमण से बुरी तरह प्रभावित महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने काफी ना नुकुर के बाद अंतत: 25 उड़ानों को मंजूरी दे दी। सोमवार से प्रतिदिन मुंबई एयरपोर्ट से (शेष पेज 9)

अवकाश सूचना

ईद-उल-फितर के उपलक्ष्य में **पायनियर** प्रेस एवं कार्यालय सोमवार 25 मई 2020 को बंद रहेगा। अत: मंगलवार 26 मई 2020 का अंक प्रकाशित नहीं होगा।

बाजार

सेंसेक्स	30,672	
निफ्टी	9,038	
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

विदेश में फंसे भारतीयों के लिए मानक संचालन प्रोटोकॉल

नई दिल्ली। सरकार ने कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन के कारण विदेश में फंसे भारतीयों की वापसी के लिए रविवार को मानक संचालन प्रोटोकॉल (एसओपी) जारी किया और कहा कि इस सेवा के लिए उन्हें भुगतान करना होगा और गर्भवती महिलाओं के साथ ही उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो परेशानी में हो या जिनकी नौकरी छूट गई हो। ऐसा ही एसओपी सरकार ने उन लोगों के लिए भी जारी किया है जो भारत में फंसे है और विदेश यात्रा की इच्छा रखते है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम एसओपी के मुताबिक जो लोग विदेश से भारत आना चाहते है उन्हे विदेश मंत्रालय द्वारा बताए गए आवश्यक विवरण के साथ उस देश मे भारतीय मिशन में पंजीकरण कराना होगा।

बाघ अभयारण्य में आठ कैमरा ट्रैप गायब, जांच शुरू

ऋषिकेश। राजाजी बाघ अभयारण्य के चार रेंजो से आठ कैमरा ट्रैप चोरी हो गए है जिसकी जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, अभयारण्य मे इस चोरी के बाद से वन्यजीवो से संबंधित कोई अपराध नही हुआ है। अभयारण्य के वार्डन कोमल सिंह ने बताया कि आठ कैमरा ट्रैप गायब होने के मामले मे सरकारी संपत्ति की चोरी का मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच चल रही है। प्रथम दृष्टया इस मामले में वन गुर्जर और आसपास के कुछ पशुपालको सहित एक दिहाड़ी वनकर्मी की भूमिका संदिग्ध लग रही है। कैमरा ट्रैप के चोरी होने की ये घटनाएं मई के पहले हफ्ते की है। जिन रेंजो से ये कैमरा ट्रैप चोरी हुए हैं, उनमे बेरिवाड़ा, रामगढ़ रेंज की सुसवा बीट, मोतीचूर रेंज की गंगा मझाड़ा बीट और हरिद्वार रेंज शामिल हैं।

लखनऊ में कल से सशर्त खुलेंगे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिला प्रशासन ने राजधानी लखनऊ में 26 मई से शॉपिंग कॉम्प्लेक्स शर्तों के साथ खोलने की अनुमति दे दी है। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने शनिवार को एक बयान में बताया कि निरुद्ध क्षेत्र या रेड जोन में पड़ने वाले शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बंद रहेंगे। इन परिसरों में सेंट्रलाइज्ड एसी चलाने की अनुमति नहीं होगी। कॉम्प्लेक्स सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक खुले रहेंगे। शारीरिक दूरी का कड़ाई से पालन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि 65 साल से अधिक उम्र के लोगों, दस साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं को शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हर परिसर के प्रवेश द्वार पर थर्मल स्कैनर और सैनेटाइजरों की उपलब्धतता अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि हर दुकान के स्टाफ के लिए दस्ताने और (शेष पेज 9)

भारत कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित 10वां देश बना

● देश में कोविड 19 संक्रमित लोगों की संख्या 1,31,868 हुई

● 24 घंटे में 6,767 नए मामले सामने आए, अब तक 3,867 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में रविवार को लगातार तीसरे दिन कोविड-19 के मामलों में काफी बढ़ोतरी देखी गई जहां पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 6,767 नए मामले सामने आए और 147 लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक संक्रमण के कुल मामले 1,31,868 हो गए जबकि बीमारी के कारण मरने वालों की संख्या 3,867 पर पहुंच गई है। मंत्रालय के बुलेटिन के मुताबिक 73,560 लोगों का उपचार चल रहा है जबकि 54,440 लोग स्वस्थ हो गए हैं और एक मरीज विदेश चला गया है।

अब भारत कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में 10वें स्थान पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, करीब 41.28 प्रतिशत मरीज अब तक स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामलों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। शनिवार सुबह से जिन 147 लोगों की मौत हुई है उनमें से 60 महाराष्ट्र में, 27 गुजरात में, 23 दिल्ली में, नौ मध्य प्रदेश में, सात राजस्थान में, पांच तमिलनाडु में, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में चार-चार, तीन उत्तर प्रदेश में, एक-एक मरीज की मृत्यु आंध्र प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, उत्तराखंड और झारखंड में हुई। अब तक संक्रमण से देश में कुल 3,867 मरीजों की मौत हुई है जिनमें सर्वाधिक 1,577 मरीजों की मौत महाराष्ट्र में, 829 मरीजों की मौत गुजरात में हुई है। मध्य प्रदेश में यह संख्या 281 है, पश्चिम बंगाल में 269 और दिल्ली में संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या 231 है।

राजस्थान में संक्रमण के कारण 160 लोगों की मौत हुई, उत्तर प्रदेश में 155 की, तमिलनाडु में 103 की और आंध्र प्रदेश में 56 लोगों की मौत हुई। कोविड-19 के कारण तेलंगाना में मृतक संख्या 49, कर्नाटक में 42 और पंजाब में 39 पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर में 21 लोगों की, हरियाणा में 16 की, बिहार में 11 की, ओडिशा में सात की, (शेष पेज 9)

विदेश से आने वालों को 14 दिन रहना होगा क्वॉरंटीन में

● स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए दिशा निर्देश, विमान में सवार होने से पहले देना होगा शपथपत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में उड़ानों की बहाली पर केंद्र की राज्यों के साथ बातचीत के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। विदेशों से आने वाले यात्रियों को अपने खर्च पर सात दिनों के लिए संस्थागत क्वॉरंटीन में रहना होगा और अगले सात दिनों तक घर में सबसे अलग रहना पड़ेगा।

गाइडलाइन के अनुसार केवल अलक्षणी यानी असिम्प्टोमैटिक यात्रियों को अंतरराज्यीय यात्रा के लिए फ्लाइट, ट्रेन या बस में चढ़ने की अनुमति दी जाएगी। मंत्रालय के दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि विदेश से आने वाले सभी यात्रियों को यह शपथपत्र देना होगा कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए निर्धारित किए गए सभी नियमों का पालन करेंगे। हालांकि, 10 साल से कम उम्र के बच्चों के साथ परिवार, गर्भावस्था, परिवार में मृत्यु, गंभीर बीमारी और माता-पिता से संबंधित मामलों से जुड़े लोगों को इन नियमों से छूट दी जाएगी।

उन्हें 14 दिनों के लिए घर पर क्वॉरंटीन में रहना होगा। विदेश से आने वाले सभी यात्रियों को अपने मोबाइल पर आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने की भी सलाह दी जाएगी। उड़ान या जहाज पर चढ़ते समय, सभी असिम्प्टोमैटिक यात्रियों को थर्मल स्क्रीनिंग से गुजरना होगा।

श्रमिकों के रोजगार के लिए प्रवासी आयोग बनाने जा रही है उप्र सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार प्रवासी कामगारों के सेवायोजन के लिए प्रवासी आयोग बनाने जा रही है। अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रवासी आयोग गठित किया जाएगा, जिसके तहत श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराकर सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कामगारों को सेवायोजित करने के लिए प्रवासी आयोग गठित करने की रूपरेखा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से अब तक 23 लाख कामगारों को प्रदेश वापस लाया गया है। राज्य सरकार इन सभी की सुरक्षित व सम्मानजनक वापसी के लिए कटिबद्ध है।

महाराष्ट्र में एक और साधु की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। औरंगाबाद

महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में नागथना स्थित एक आश्रम में एक साधु और एक अन्य व्यक्ति की रविवार सुबह हत्या कर दी गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि हत्या लूटपाट के मकसद से की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को तेलंगाना की सीमा से लगे तनूर थाना क्षेत्र से कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान साईनाथ लिंगदे के रूप में की गई है। उसके खिलाफ हत्या का 10 साल पुराना एक मामला भी है। पुलिस अधीक्षक विजयकुमार मागर ने बताया कि उमरी थाना क्षेत्र के तहत नागथना में साधु शिवाचार्य निर्णय रूद्रप्रताप महाराज (33) और भगवान शिंदे नाम के 55 वर्षीय एक व्यक्ति की सुबह करीब चार बजे हत्या कर दी गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी 70,000 रुपए और एक लैपटॉप लेकर भाग गया था।

इस दोहरे हत्या के बारे में ट्वीट करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा, साधु और एक सेवकरी की नांदेड़ जिले में नृशंस हत्या स्तब्ध करने वाला और दुखद है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। उन्होंने ट्वीट में कहा, राज्य सरकार से मेरा यह अनुरोध है कि आरोपी को फौरन गिरफ्तार किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उसे कठोर सजा मिले।

सूर्य रोहिणी नक्षत्र में, आज से बरसेगी आग

● दिल्ली-एनसीआर के लिए मौसम विभाग ने जारी की भीषण गर्मी की चेतावनी

● देश के कई हिस्सों में 47 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ सकता है तापमान

राजेश कुमार। नई दिल्ली

नौतपा से ठीक एक दिन पहले, राजस्थान के चुरू और गंगानगर का अधिकतम तापमान रविवार को 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह देशभर में सबसे ज्यादा रहा। अगले नौ दिन इस सीजन के सबसे गर्म दिन रहने वाले हैं, क्योंकि 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है। इसका मतलब यह है कि सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर रहा है। इस कारण इन नौ दिनों में सूरज और पृथ्वी के बीच की दूरी बहुत ही कम हो जाएगी।

परिणामस्वरूप गर्मी के पूरे सीजन की अपेक्षा ये दिन सबसे गर्म रहेंगे। अगले दो-तीन दिन देश के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 47 और न्यूनतम 25 से 28 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत के कई हिस्सों में रविवार को तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। विभाग ने रविवार को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में अगले दो दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए भी लू चलने की

चेतावनी जारी की है।

यह इस गर्मी के सीजन में यह पहली बार है जब हीटवेव के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव के अनुसार अप्रैल और मध्य मई तक बारिश की गतिविधि होती रही, इस कारण इस सीजन में उत्तर-मध्य भारत में तापमान उस तरह नहीं बढ़ा जैसे आम तौर पर होता है। मौसम विभाग ने अपने दैनिक बुलेटिन में कहा कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ और तेलंगाना के कुछ इलाकों में अगले पांच दिनों के दौरान हीटवेव चलने की संभावना है। इसके अलावा अगले 3-4 दिनों के दौरान छत्तीसगढ़, ओडिशा, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में भी हीटवेव की स्थिति बन सकती है।

भीषण लू की स्थिति तब बनती है जब अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस और यह सामान्य तापमान से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक होता है। मैदानी इलाकों में हीटवेव तब घोषित की जाती है जब वास्तविक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस और गंभीर हीटवेव तब होता है जब यह 47 डिग्री (शेष पेज 9)

– मामला अफसरशाही द्वारा विधायकों की अनदेखी का –

स्पीकर ने सीएम के दरबार में पंहुचाई विधायकों की पीड़ा

सरकार जल्द देगी जिला अधिकारियों को दिशा-निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता द्वारा संसदीय समितियों की कार्यशैली को प्रभावशाली बनाने के लिए विधायकों से मशवरें के लिए की गई वीडियो कॉफ्रेंस में छलकी विधायकों की पीड़ा को लेकर सीएम मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। स्पीकर ने इस पूरे घटनाक्रम पर सीएम मनोहर लाल को अवगत करवाया। मुख्यमंत्री भी अफसरों के इस रवैये पर सख्त नजर आए और कहा कि जनप्रतिनिधियों का सम्मान बनाए रखना विधानपालिका के साथ कार्यपालिका की भी जिम्मेदारी है, इसलिए सरकार इस बारे में सभी यथोचित कदम उठाएगी।

विधायकों की इस पीड़ा पर विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता काफी चिंतित नजर आए और तुरंत मुख्यमंत्री मनोहर लाल के संज्ञान में मामला लाने के लिए उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने अपने प्रधान सचिव राजेश खुल्लर को कहा कि जिलों के सभी जिम्मेदार अधिकारियों को मुख्य सचिव की ओर से निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने शीघ्र ही मुख्य सचिव की ओर से हरियाणा के सभी मंडल आयुक्तों, जिला उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और नगर निकायों के कार्यकारी अधिकारियों को पत्र लिखने को कहा। मुख्यमंत्री से विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की इस मुलाकात के दौरान विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा भी उनके साथ रहे।

गौरतलब है कि विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता द्वारा संसदीय समितियों की कार्यशैली को प्रभावशाली बनाने के लिए विधायकों से सलाह के लिए 21 और 22 मई पहली बार वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये स्पीकर ने सभी विधायकों के साथ बैठक की। इस दौरान विपक्षी दलों ही नहीं, भाजपा के भी कई विधायकों ने ब्यूरोक्रेसी और पुलिस के खिलाफ जमकर अपनी भड़ास निकाली।

कई विधायकों ने तो ऐसा करने वाले अधिकारियों के नाम तक नोट करवाए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के रवैये पर काफी नाराजगी जताई। विधायकों का कहना था कि अधिकारी बताए हुए काम करना तो दूर उनके फोन तक नहीं उठाते। स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने विधायकों को जहां विशेषाधिकार हनन समिति को मजबूत करने का भरोसा दिया था। विधायकों की इस पीड़ा पर विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता काफी चिंतित नजर आए थे।

बैंडबाजे, सजावट वाले और कैटरर्स को भी रोजी रोटी कमाने की मिले अनुमति

कुरुक्षेत्र। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं समन्वयक पवन गर्ग ने कहा कि कोरोना वायरस की श्रृंखला को तोड़ने के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से आर्थिक संकट छा गया है। मजदूर वर्ग की तो कमर ही टूट गई है। सरकार ने व्यापारियों को राहत देते हुए दुकानें खोलने की अनुमति दे दी है, लेकिन इस सुविधा से कई मजदूर वंचित हैं। उन्होंने कहा कि मेहनतकश मजदूर वर्ग, बैंड बजाने वाले, सजावट करने वाले तथा कैटरर्स मजदूरों को भी रोजी रोटी कमाने की अनुमति मिलनी चाहिए। उन्होंने मजदूर, गरीब, मेहनतकश व असहाय लोगों की समस्या को उजागर करते हुए कहा कि इन व्यक्तियों की समस्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, हर वह आदमी जो दिहाड़ी कर अपने परिवार का पेट पालता था, वह आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इन मजदूरों में बैंड वाले, सजावट करने वाले व कैटरर्स शामिल है। उन्होंने कहा कि इन लोगों की विवाह-शादियों व अन्य खुशी के दो पलों में रोजी रोटी चलती थी, वह बिल्कुल बंद है। सरकार द्वारा शादी में 50 मेहमानों की अनुमति प्रदान की है। इन 50 आदमियों में बैंड वाले और कैटर्स मजदूरों को भी अनुमति प्रदान की जानी चाहिए।

कोरोना फ्रंट लाइन योद्धा किए जाएंगे बेरोजगार

सर्व कर्मचारी संघ ने जताई आशंका

चंडीगढ़। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना महामारी में फ्रंटलाइन यौद्धाओं के करीब दस हजार स्पोर्टिंग स्टाफ (ठेका कर्मचारियों) और सिक्योरिटी गार्ड को नौकरी से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके कारण जल्दी ही फ्रंटलाइन में खड़े होकर कोविड 19 के खिलाफ जंग लड़ रहे करीब 10 हजार कर्मचारियों को नौकरी गंवानी पड़ेगी। जिसको लेकर हेल्थ विभाग के स्पोर्टिंग स्टाफ ठेका कर्मचारियों एवं उनके परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया है।

यह आशंका हरियाणा में कर्मचारियों के एक वर्ग की अगुवाई कर रहे सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा व महासचिव सतीश सेठी ने जाहिर की है। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश पर महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा द्वारा ठेका कर्मचारियों को नौकरी से निकलने और नई भर्ती के लिए नए सिरे से टंडर प्रक्रिया शुरू करने की मुहिम की घोर निंदा की है और तुरंत इस मुहिम पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर सरकार ने अपनी इस मुहिम पर रोक नहीं लगाई तो इन ठेका कर्मचारियों को साथ लेकर सकसं आंदोलन करने पर मजबूर होगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी 31 मार्च को सभी सिक्योरिटी गार्ड को नौकरी से हटाकर होमगार्ड को तैनात करने का फैसला सरकार ने लिया था। इस फैसले से सरकार को ठेका कर्मचारियों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा था और इस विरोध और कोरोना के कारण फैसला टाल दिया था। मजदूर संगठन सीआईटीयू (सीटू) के महासचिव कामरेड जयभगवान ने भी सरकार के निर्णय की घोर निन्दा की है और मुहिम पर रोक लगाने की मांग की है और सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा इस निर्णय के खिलाफ हर प्रकार के आंदोलन में शामिल होने का ऐलान किया है।

लांबा व सेठी ने बताया कि महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा ने अपने पत्र के जरिए सभी सिविल सर्जन को पत्र लिखकर सिक्योरिटी गार्ड को छोड़कर बाकी सभी स्पोर्टिंग स्टाफ यानी ठेके पर लगे कर्मचारियों के स्थान पर नए सिरे से भर्ती करने के लिए 27 फरवरी को जारी की गई गाइडलाइंस के मुताबिक नई भर्ती के लिए टंडर की प्रक्रिया शुरू करने के आदेश जारी कर दिए हैं और इसके बाद सिविल सर्जन ने आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त-समाचार

कैथल में 19 वर्षीय युवक मिला कोरोना पॉजिटिव

कैथल। कैथल में दिल्ली से लौटा एक 19 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इस युवक को कैथल के कोरोना अस्पताल बनाये गए हिसार के अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भिजवाया गया है। कैथल के शक्ति नगर गली नम्बर 5 में रहने वाला मनीष कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। कैथल के कोरोना नोडल अधिकारी हरदीप दून के जाने के एक दिन बाद ही कैथल में कोरोना का फिर नया केस सामने आया है। कैथल के कोरोना महामारी विशेषज्ञ शमशेर सिंह ने बताया कि यह 19 वर्षीय युवक मनीष है जो सुल्तानपुर के हॉटस्पॉट एरिया से आया था। यह युवक 22 मई को आया था जिसने 23 मई को सैंपल दिया था। सैंपल देने के बाद से यह युवक होम आइसोलेट था। होम आइसोलेट के बाद इसे सिविल हॉस्पिटल आइसोलेशन के लिए लाया गया। इसके घर में पांच परिवार सदस्य हैं। जहां दिल्ली में रह रहा था वहां मामा, मामी और दो बच्चों को भी आइसोलेट करने के लिए सम्पर्क करेंगे। युवक दिल्ली में एक मॉल में सेल्समैन का काम करता था और बाइक पर दिल्ली से आया था। उन्होंने बताया कि कोरोना पॉजिटिव मनीष के सम्पर्क में आने वाले करीब 16 लोगों को आइसोलेशन किया गया है।

अग्रसेन भवन में जरूरतमंदों को खिलाया खाना

सोनीपत। सेफ इंडिया फाऊंडेशन व रोटरी क्लब आफ सोनीपत एक्सीलेंस, भारत विकास परिषद् गोविन्द शाखा व महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति सोनीपत द्वारा संचालित गोविंद रसोई द्वारा लॉकडाउन के दौरान गरीब व लाचार 2169 लोगों को खाना वितरित किया। सेफ इंडिया फाऊंडेशन के चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि गोविंद रसोई द्वारा जरुरतमंद लोगों को खाना वितरित किया गया। गोविंद रसोई द्वारा सरकारी अस्पताल सोनीपत, गन्नौर व जानकी दास अस्पताल में दाखिल मरीजों को तीनों समय का खाना खिलाया जा रहा है। महाराजा अग्रसैन भवन में भी गरीब, लाचार व जरुरतमंद लोगों को भोजन खिलाया जा रहा है। सेफ इंडिया फाऊंडेशन के चेयरमैन वाई के त्यागी व प्रधान संजय सिगंला ने बताया कि आज गोविंद रसोई द्वारा प्रवासी मजदूरों को पका हुआ भोजन व सत्तू, खील नमकीन व भुने हुए चने वितरित किए व नंगे पैर चलने वालो की चप्पलें दी। गोविंद रसोई के इस कार्य में गणमान्य लोगों का आर्थिक, सामाजिक व शारारिक योगदान व सहयोग मिल रहा है। इस कार्य में सेफ इंडिया फाऊंडेशन की गन्नौर ईकाई से संदीप सिंघल, सतीश चौधरी, हरीश मदान व सुरेन्द मदान, अरविंद मित्तल, मनीष बंसल, अशोक गुप्ता, दिनेश कुच्छल, टिकाराम मित्तल, शालू त्यागी, पवन अग्रवाल, सचिन गर्ग, राजेश गर्ग, मनीष कुच्छल, चन्द्रभान आदि ने सहयोग दिया।

भिवानी के गांव तिगड़ाना व रिवाड़ी खेड़ा में शुरू किया सर्वे

भिवानी। जिला भिवानी में शनिवार को गांव तिगड़ाना व रिवाड़ी खेड़ा में दो कोरोना पोजिटिव पाये जाने पर दोनों गांव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीमे गठित करके घरों का सर्वे शुरू करके व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। वहीं रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा रोहतक रोड स्थित सब्जी मंडी में भी सैम्पल लिए गए है। विभाग द्वारा रविवार को 88 सैम्पल रोहतक भिजवाए गए। सिविल सर्जन डाक्टर जितेन्द्र कादयान ने बताया कि गांव तिगड़ाना व रिवाड़ी खेड़ा में दो कोरोना पोजिटिव पाये जाने पर दोनों गांव में पांच-पांच टीमें गठित करके स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांवों में सर्वे शुरू कर दिया गया है जिसमें रिवाड़ी खेड़ा में 251 घरों के 1277 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई वहीं गांव तिगड़ाना में 274 घरों के 1368 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई। वहीं रविवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा रोहतक रोड़ स्थित सब्जी मंडी में 58 व्यक्तियों के सैम्पल लेकर रोहतक भिजवाए गए तथा 30 सैम्पल सामान्य हस्पताल में लिए गए। खबर लिखे जाने तक रविवार को कुल 88 सैम्पल रोहतक भिजवाए गए। रविवार तक भेजे गए 208 सैम्पल की रिपोर्ट आनी अभी बाकी है। वहीं आईसोलेशन वार्ड में 29 व्यक्तियों को रखा गया है। सिविल सर्जन ने यह भी बताया कि रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा विद्या नगर कंटेनमैंट जोन के सभी घरों का सर्वे किया गया। जिसमें 3141 घरों के 14650 व्यक्तियों की स्क्रीनिगं की गई है।

कोरोना के पांच नए केस 16 व्यक्ति हुए ठीक

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

सिविल सर्जन की रिपोर्ट के अनुसार जिले में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण से संदिग्ध कुल 5032 व्यक्तियों के सैम्पल लिए गए इनमें से 4978 की रिपोर्ट नेगिटिव आई है तथा 22 की रिपोर्ट आना शेष है जिला में गत दिवस तक 32 पॉजीटिव केसों में से 16 व्यक्ति ठीक होकर अपने घर चले गये और 1 व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी तथा 15 केस एक्टिव है।

उन्होंने बताया कि रविवार को 5 नए एक्टिव केस पाए गए है। इनमें चमन गार्डन के 4 केस, जो शनिवार को कोरोना संक्रमण से पॉजीटिव पाए गए व्यक्तियों के सम्पर्क से सम्बंधित हैं तथा 1 केस राजीव कॉलोनी का शामिल है। राजीव कॉलोनी निवासी की ट्रैवल हिस्ट्री भी दिल्ली की है, जोकि विगत 9 मई को काम के सिलसिले में कन्स्ट्रक्शन कम्पनी में गया था और 22 मई को वापिस करनाल आया था। उन्होंने लोगों से अपील की कि कोरोना वायरस अभी खत्म नहीं हुआ है, इससे बचाव के लिए कोविड-19 की गाईडलाईन की अनुपालना अवश्य करें।

सिविल सर्जन डॉ. अश्विनी आहुजा ने कोविड-19 की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया कि जिला में अब तक विदेश से आए यात्रियों की संख्या 1047 है, जिनमें से 1012 व्यक्ति 28 दिन या इससे अधिक दिनों का सर्विलांस समय पूरा कर चुके हैं, 14 दिनों वाले कांटैक्टस व यात्रियों की संख्या 221 है तथा 15 से 28 दिनों के कांटैक्टस वाले यात्रियों की संख्या 81 है और 330 यात्री 28 दिनों का सर्विलांस पूरा कर चुके हैं।

159 की पोजिटिव तथा 6141 व्यक्तियों की रिपोर्ट आई नेगेटिव

सोनीपत। उपायुक्त श्यामलाल पूनिया ने कहा कि रविवार की सांयकाल तक जांच के लिए 6632 लोगों के सैंपल लिए जा चुके हैं, जिनमें से 6300 व्यक्तियों की जांच रिपोर्ट आ चुकी है। अभी 332 व्यक्तियों की रिपोर्ट की जांच प्रक्रिया जारी है। प्राप्त हुई रिपोर्टों में से 159 व्यक्तियों की रिपोर्ट पोजिटिव आई है तथा शेष 6141 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उपायुक्त पूनिया ने इस दौरान बताया कि पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह राई में बनाये गये फेसिलिटी क्वारंटाईन में 445 लोगों को रखा गया, जिनमें से 386 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। यहां से 38 लोगों को आईसोलेशन वार्डों में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न अस्पतालों के आईसोलेशन वार्डों में 86 लोगों को रखा गया है। साथ ही बीपीएस मेडिकल कालेज खानपुर कलां के आईसीयू में भी एक मरीज को रखा गया है।

पार्कों की सुंदरता को भी लगा ग्रहण

लोगों में नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

रादौर बस स्टैंड के सामने स्थित पार्क में बिना देखरेख के उगी जंगली घास।

लॉकडाउन के चलते रादौर के दोनों पार्क दो महीनों से बंद पड़े हुए हैं। लॉकडाउन के दौरान पार्कों की सही देखरेख न होने के कारण पार्क खस्ता हालत में पहुंच गए हैं।

पेड़ पौधों की सही देखभाल न होने कारण पौधे पानी की कमी से सूख रहे हैं, लेकिन नगरपालिका के अधिकारी पार्कों की कोई सुध नहीं ले रहे हैं। जिससे स्थानीय लोगों में नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। रविवार को शहर के पार्षद भगवत दयाल कटारिया व समाजसेवी कर्मवीर खुर्दबन ने बस स्टैंड के पास बने नगरपालिका के पार्क का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि पार्क में आधे से ज्यादा पौधे पानी की कमी के कारण सूख गए हैं और पार्क में जगह-जगह जंगली घास खड़ी हुई है।

पार्क की सही देखरेख न होने कारण पार्क खस्ताहाल में पहुंच गये है। उन्होंने नगरपालिका के अधिकारियों से मांग की है कि नपा की ओर से पार्कों की सही देखभाल की जाए ताकि करोड़ों रुपये की लागत से सरकार द्वारा बनाये गए पार्क समय से पहले ही खस्ता हालात में न पहुंच जाये। इस बारे नपा सचिव अजय कुमार वालिया ने बताया की शहर के दोनों पार्कों की उचित व्यवस्था के लिए नगर पालिका की ओर से टेंडर लगाए गए हैं। जिसके बाद ठेकेदार के माध्यम से दोनों पार्कों की उचित व्यवस्था की जाएगी। तब तक नगरपालिका के कर्मचारी पार्कों की देखभाल करेंगे।

कुरुक्षेत्र में दो कोरोना केस आए सामने

कुरुक्षेत्र। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस अब धीरे-धीरे कुरुक्षेत्र में भी अपने पांव पसार रहा है।

कुरुक्षेत्र की लक्ष्मण कालोनी, आजाद नगर, सेक्टर-3, गांव अजराना खुर्द और लाडवा उपमंडल में अब तक कोरोना वायरस पॉजीटिव केस सामने आ चुके हैं, जिसके चलते प्रशासन द्वारा संबंधित एरिया को पूरी तरह सील करके आवश्यक कदम उठाए जा रहे है। जिले में अब तक 17 पॉजिटिव केस सामने आ चुके है, इनमें से 3 सैम्पलों की रिपोर्ट जो पाजीटिव थी और वह तीनों मरीज ठीक होकर घर जा चुके है। इस प्रकार कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस के 14 एक्टीव केस है। अब गांव अढोनी में एक महिला और जेल विभाग के एक पुलिस कर्मी का कोरोना पॉजीटिव केस सामने आया है। इन दोनों मरीजों की चेन में स्वास्थ्य विभाग ने कुरुक्षेत्र से 15 कोरोना वायरस सैम्पल लिए है।

प्रशासन ने प्रवासी श्रमिकों को रादौर से बिहार के लिए किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

रादौर से बस में रेलवे स्टेशन के लिए रवाना होते प्रवासी श्रमिक।

पंजाब व अन्य राज्यों से आए प्रवासी श्रमिकों को प्रशासन की ओर से सरकारी व गैर सरकारी बसों में बैठाकर रविवार को यमुनानगर रेलवे स्टेशन के लिए उन्हें बिहार राज्य के लिए रवाना किया गया।

प्रशासन द्वारा सभी प्रवासी श्रमिकों को जिलावार अनुसार गिनती कर बसों में बैठाया गया। सोशल डिस्टेंसिंग के तहत प्रत्येक बस में नियम के अनुसार 35 प्रवासी मजदूरों को बैठाकर भेजा गया। इस बारे जानकारी देते हुए रादौर तहसील के दफ्तर कानूनगो ने बताया कि आज उम्मीद थी कि यहां से सभी प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य में रवाना कर दिया जाएगा, वही उन्होंने कहा की अगर कुछ प्रवासी श्रमिक आज रह जाते हैं, तो यहां पर उनके खाने व रहने का प्रबंध प्रशासन द्वारा किया जाएगा। उल्लेखनीय कि रादौर में प्रशासन की ओर से 1069 से अधिक प्रवासी श्रमिकों को शहर के विभिन्न स्कूलों में ठहराया गया था। जिन्हें आज उनके घरों के लिए रवाना किया गया है। रादौर के सरकारी स्कूल में 661,कांबोज धर्मशाला में 218, सरकारी स्कूल छोटाबांस में 115 व सरकारी स्कूल रादौरी में 75 प्रवासी श्रमिक ठहराये गये थे। बतादें की शनिवार को इन श्रमिकों ने अपने घर भेजे जाने की मांग करते हुए रोष प्रकट किया था। इस दौरान श्रमिकों के विरोध को देखते हुए प्रशासन के पसीने छूट गये थे। प्रशासन ने रविवार को श्रमिकों को बिहार भेजने की योजना पर काम करते हुए रेलवे स्टेशन तक बसों का प्रबंध किया।

कोरोना छुपाकर महामारी फैलाने के अपराध में मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

चमन गार्डन करनाल में पिछले दो दिनों में एक ही परिवार के सात सदस्य कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। जिस कारण चमन गार्डन करनाल को सील कर दिया गया है।

आपको बताते चलें कि कुछ दिन पहले सुशील कुमार गर्ग पुत्र रामकुमार निवासी चमन गार्डन करनाल व दो अन्य व्यक्ति कुछ दिन पहले किसी काम के सिलसिले से दिल्ली गये थे। वह दिल्ली से पांच मई को करनाल लौटे। सुशील कुमार गर्ग की करनाल में कपड़े की दुकान है। दिल्ली से आने के बाद वह अपनी दुकान पर काम करने लगा। जैसे ही सुशील गर्ग के पड़ोसियों को उसकी ट्रैवल हिस्ट्री का पता लगा तो सुशील कुमार गर्ग पर कोरोना टेस्ट कराने का दवाब बनाया। सुशील गर्ग द्वारा कोरोना टेस्ट कराने के बाद सुशील गर्ग व उसके परिवार के 06 अन्य सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। पूछताछ में सुशील कुमार ने अपनी ट्रैवल हिस्ट्री की बात स्वीकार की। जैसा कि आप सभी को विदित है कि इस समय कोरोना महामारी अपने चरम पर है। जिसके कारण सरकार द्वारा धारा 144 लागू की हुई है। सुशील कुमार ने अपनी ट्रैवल हिस्ट्री छुपा कर महामारी सरकार के आदेषों की अवहेलना की है। व कोरोना फैलाने का काम किया है।

इस संबंध में उसके खिलाफ डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत थाना सिटी करनाल में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई गई। पुलिस अधीक्षक करनाल सुरेंद्र सिंह भौरिया ने करनाल वासीयों से अपील करते हुये कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने आप में कोरोना के लक्षण मिलने पर लक्षण छुपाये नहीं।

मुख्य हृदय रोगों का समय पर उपचार और उनके प्रबंधन का महत्व

दवा जारी रखने और समय पर चिकित्सा सहायता लेने के बारे में जागरुकता बढ़ाने की जरूरत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारत में हृदय रोग मृत्यु होने का एक प्रमुख कारण है। उनकी बढ़ती घटनाओं के सामान्य कारणों में अस्वस्थ जीवनशैली विकल्प, तनाव के स्तर में वृद्धि, एक गतिहीन जीवन शैली और अन्य कोमोरिडिटी की उपस्थिति शामिल है। चूंकि पूरी दुनिया कोविड -19 महामारी से लड़ रही है, हृदय रोगियों की अतिरिक्त देखभाल करनी चाहिए क्योंकि वे बीमारी से उत्पन्न होने वाली जटिलताओं के हाई रिस्क स्थिति में हैं और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम है।

डॉ. अमिताभ यदुवंशी, कार्डिएक कैथलैब के प्रमुख, होली फैमिली अस्पताल, नई दिल्ली, ने कहा कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच दिल के रोगियों को अतिरिक्त सतर्क रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अपनी दवा के शिड्यूल का पालन करें और अपने डॉक्टरों के साथ लगातार संपर्क में रहें(कुछ सामान्य दवाएं हाई ब्लड प्रैशर, हार्ट फेल आदि का इलाज करती थीं। ऐसे में ACE-i ¥õÚU ARB को रोकना नहीं चाहिए जब तक कि इलाज करने वाला डॉक्टर परामर्श न दे। हल्की फिजिकल एक्टिविटी में व्यस्त रहें और घर पर रहते समय पूरी सावधानी बरतें फ्लू जैसे लक्षणों वाले किसी व्यक्ति से सुरक्षित दूरी बनाएं और अपने चेहरे को मास्क से ढक लें।

डॉ. यदुवंशी ने कहा, दिल की बीमारियों के लिए समय पर उपचार की मांग की जानी चाहिए क्योंकि देरी जटिलता का कारण बन सकती है। सीने में दर्द, सांस फूलना, पसीना आना, चक्कर आना और बेहोशी जैसे लक्षणों से अवगत रहें। यदि आप दिल की बीमारी में हाई रिस्क स्थिति में हैं या किसी ऐसे ही व्यक्ति के साथ रह रहे हैं, तो उपचार का पालन सुनिश्चित करना, नियमित रूप से मॉनिटर करना, अपने चिकित्सक के साथ लगातार संपर्क में रहना, संतुलित और स्वस्थ आहार खाना और सक्रिय बने रहना महत्वपूर्ण है। चूंकि कोविड -19 एक श्वास संबंधी रोग है जो आपके दिल पर सभी अंगों को ऑक्सीजन युक्त रक्त पंप करने के लिए अतिरिक्त दबाव डाल सकता है इसलिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण करना और सावधानी बरतना महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सब्जी मंडी में 58 व्यापारियों के लिए सैंपल

भिवानी। भिवानी की रोहतक रोड स्थित सब्जी मंडी में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रविवार को 58 व्यापारियों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। व्यापार मंडल के अध्यक्ष भानुप्रकाश के अनुरोध पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंडी के व्यापारियों के सैंपल लेने का कार्य किया।

व्यापार मंडल के प्रधान भानुप्रकाश ने बताया कि हरियाणा सहित अन्य प्रदेशों की मंडियों में कोरोना वायरस से संक्रमित कई मामले सामने आने के बाद व्यापारियों की सुरक्षा के लिए यह कदम उठाया गया है। उपायुक्त एवम् उप सिविल सर्जन डॉक्टर संध्या गुप्ता से व्यापारियों की कोरोना जांच कराए जाने की मांग की थी। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने व्यापारियों के सैंपल लिए हैं। भानुप्रकाश ने बताया कि शहर के व्यापारियों के भी सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए जाएंगे।

रेडक्रॉस का नया अभियान बुजुर्गों का सम्मान

वॉलंटियर टीम कोराना को हराना है भारत को जिताना है अभियान चला रही है

पायनियर समाचार सेवा। नारनौल

डिविजनल कमांडर टेकचंद यादव के मार्गदर्शन वृद्धजनों की सूची तैयार करते कैडेट

जेआरसी सब कमेटी के चेयरमैन सुनील दत्त एवं वाइस चेयरमैन नसीब सिंह के दिशा निर्देशन में जेआरसी काउंसलर सैंट जॉन ब्रिगेड ऑफिसर प्रवक्ता प्राथमिक चिकित्सा एवं गृह परिचर्या की वॉलंटियर टीम ने कोराना को हराना है भारत को जिताना है अभियान चलाया हुआ है।

जब इन दिनों लॉकडॉउन के चलते दूसरे शहरों व देशों में बसे बच्चे अपने माता पिता के पास नहीं लौट पा रहे और बुजुर्गों को इस घड़ी में भारतीय रेडक्रॉस समिति की यह पहल बड़ा सहारा बनी हुई है। रेडक्रॉस वॉलंटियर्स अकेले रहने वाले बुजुर्गों की पहचान कर उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए निशुल्क सेवाएं दे रहे हैं। अभियान में रविवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली से यूथ कोआर्डिनेटर दिनेश चहल द्वारा भेजे गए यूथ रेडक्रॉस के कैडेट शुभम बेरी, यश सैनी, शिवम, अक्षय अभिषेक, निकिता, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड ऑफिसर्स सूबे सिंह, संजय योगी, त्रिभुवन वर्मा, डॉ. हंसराज गुर्जर और मुकेश वर्मा ने डिविजनल कमांडर टेकचंद यादव के मार्गदर्शन में नारनौल शहर के वार्ड नंबर 16, 20 व 22 में ऐसे लगभग 24 वृद्धजनों कि सूची तैयार कर महासचिव भारतीय रेड क्रॉस समिति चंडीगढ़ को भेजी है।

वृद्धजनों की कठिनाईयों को दूर करने एवं उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में लगी टीम को आज वार्ड नंबर 16 के पार्षद एवं पूर्व चेयरमैन नगर पालिका नारनौल राजेन्द्र प्रसाद यादव व वर्तमान वाइस चेयरमैन नगर पालिका नारनौल मनोज जांगड़ा ने ऐसे वृद्धजनों की सूची तैयार करने अपेक्षित सहयोग दिया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की सहायता व सहयोग करने के लिए पूरी टीम की प्रशंसा की तथा स्वयं की और से भी भविष्य में भी इस प्रकार की पहल में भरपूर सहयोग करने का आग्रह किया।

बढ़ी बिजली की मांग, बनाएगी नया रिकॉर्ड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन के चौथे चरण में मिली रियायतों के बाद तमाम व्यावसायिक और औद्योगिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं। इसी के साथ राजधानी दिल्ली में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। अनुमान है कि जुलाई में यह 7,500 मेगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगी।

- जुलाई महीने में मांग के 7,500 मेगावाट पहुंचने का अनुमान

बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) के अधिकारियों ने बताया कि इस साल जुलाई में बिजली की मांग पिछले साल के इसी महीने की मांग 7409 मेगावाट के मुकाबले ज्यादा होगी। हालांकि पिछले साल के मुकाबले इस साल मई में बिजली की मांग कम है लेकिन उसमें तेजी से वृद्धि हो रही है। गत 17 मई को लॉकडाउन 3 समाप्त होने के बाद से मांग बढ़ने लगी और रियायतें मिलने के बाद इसमें और बढ़ोत्तरी हुई है।

दिल्ली में 23 मार्च से लॉकडाउन शुरू होने के कारण दिन में बिजली की मांग मे कमी आयी क्योंकि सभी व्यावसायिक और औद्योगिक प्रतिष्ठान बंद हो गए थे। व्यावसायिक और औद्योगिक गतिविधियां बंद होने से इस दौरान बिजली की मांग में 70 से 90 प्रतिशत की कमी आयी। उनका कहना है कि इस दौरान दिल्ली में बिजली की घरेलू मांग में कोई कमी नहीं आई, वास्तव में उसमे कुछ वृद्धि ही हुई। शहर की कुल बिजली मांग का करीब 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू मांग है।

डिस्कॉम और बिजली विभाग के अधिकारियों के लॉकडाउन के बाद राजधानी दिल्ली में अप्रैल में अधिकतम बिजली मांग में 49 प्रतिशत तक कमी आई है। इस दौरान वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियां धीमी पड़ने के चलते ये कमी हुई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिन के दौरान बिजली की मांग में 40-50 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि रात के दौरान बिजली की मांग लगभग 20-30 प्रतिशत घटी है।

दल्ली में कोरोना के कहर के बीच मौसम के तेवर भी तल्ख होते जा रहे हैं। रविवार को तो गर्मी काफी झुलसाने वाली रही। शाम तक लोगों को गर्म हवा के थपेड़े से कोई राहत नहीं मिली। गर्मी के चलते बिजली की मांग ने बीएसईएस के इलाके में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। शनिवार को बिजली की मांग 5055 मेगावाट दर्ज की गई।

पिछले साल 23 मई को इलाके में 5045 मेगावाट बिजली की खपत थी। वहीं टाटा पावर डीडीएल के प्रवक्त ने बताया कि इलाके में रविवार को बिजली की खपत पीक ऑवर में 1450 मेगावाट के आसपास दर्ज की गई है। जो पिछले साल इस दिन 1456 से थोड़ा की कम रही।

दुकानदारों को स्कैन कर शराब बेचने का निर्देश

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में सरकारी शराब की दुकानों को निर्देश दिया है कि शराब की शत प्रतिशत बिक्री उचित तरीके से स्कैन करके ही की जाए। आबकारी विभाग को पता चला कि शराब की दुकानों पर केवल 10 से 15 प्रतिशत माल स्कैन करके बेचा जा रहा है जो आदेश का पूर्णतया उल्लंघन है। इसके बाद दिशानिर्देश जारी किया गया।

आबकारी विभाग ने निर्देश में कहा गया है कि इस तरह की व्यवस्था से रोजाना गलत जानकारी मिलती है जो उपमुख्यमंत्री ने हर बोतल पर 70 प्रतिशत विशेष कोरोना शुल्क लगाने के बाद मांगी है। विभाग ने कहा कि कई स्तरों पर ग्राहकों से तय मूल्य से अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायतें मिल रही हैं। सरकार ने हाल ही में 66 निजी दुकानदारों को शराब बिक्री फिर से शुरू करने का आदेश दिया था जो राजधानी में विदेशी और देशी शराब बेचते हैं। इससे पहले सरकारी एजेंसियों द्वारा संचालित करीब 172 दुकानों को चार मई से खोलने की अनुमति दी गई थी।

कोरोना के 508 मामले किंतु एक भी मौत नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी जारी है। रविवार को एक बार फिर 500 से ज्यादा संक्रमण के मामले सामने आए हैं। नए 508 मामलों की पुष्टि के साथ कुल केस बढ़कर 13,418 हो गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। राहत की बात यह है कि इस दौरान यहां कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई। गत दिनों में जो मौत के आंकड़े सामने आए हैं वह पहले की है। जिनकी डिटेल अब तक अस्पतालों की तरफ से नहीं दी गई थी। जैसे-जैसे डिटेल आ रही। उनकी संख्या साझा की जा रही है।

- दिल्ली में अब तक कोरोना के 13,418 केस

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि चौबीस घंटें में 508 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ कुल मामले बढ़कर 13,418 हो गए हैं। इनमें से 6,617 ऐक्टिव मामले हैं। इस बीच 273 लोग ठीक भी हुए हैं। अब तक कुल 6,540 लोग रिकवर कर चुके हैं। शहर में कोरोना से अब तक 261 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना के मामलों में तेजी और उसे लेकर सरकार की तैयारियों पर जैन ने कहा सरकार के पास मरीजों के लिए पर्याप्त संख्या में बेड हैं और बेड बढ़ाए भी जा रहे हैं। कंटेंनमेंट जोन को लेकर सरकार ने कोई बदलाव किया है, क्योंकि कई कंटेंनमेंट इलाके में लोग बिना मास्क के ही घूमते दिख रहे हैं। इस पर जैन ने कहा कि अगर ऐसा है, तो कार्रवाई करेंगे।

आरएमएल के डीन संक्रमित

नई दिल्ली। राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान के डीन कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। अस्पताल में कोविड-19 से निपटने में लगे कर्मियों के प्रबंधन का जिम्मा संभाल रहे डॉ. राजीव सूद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई है। वह इस समय होम क्वॉरंटीन में रह रहे हैं और अस्पताल के अधिकारी उनके संपर्क में आए अन्य लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। सूद को बुखार है। साथ ही ऊपरी श्वसन नली में हल्का संक्रमण है।

मरकज जांच में शामिल सब इंस्पेक्टर पॉजिटिव

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच चाणक्यपुरी के सब इंस्पेक्टर कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। शनिवार देर रात में उनकी जांच रिपोर्ट आई थी। संक्रमित सब इंस्पेक्टर मरकज से जुड़ी फाइनेंशियल गड़गड़ी की जांच में शामिल थे। सब इंस्पेक्टर के संपर्क में आए करीब 20 पुलिस कर्मियों को होम क्वॉरंटीन में भेजा गया है।

मास्क नहीं लगाने पर दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

नोएडा। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए घर से बाहर निकलने पर मास्क लगाना आवश्यक हो गया है। इस नियम का उल्लंघन करने पर बादलपुर कोतवाली पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इसके अलावा लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर 156 वाहनों के चालान तथा 8 को सीज किया गया।

बादलपुर कोतवाली पुलिस शनिवार रात क्षेत्र के जीटी रोड पर चैकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो लोग बिना मास्क लगाए जा रहे थे। पुलिस ने दोनों लोगों को रोक उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों के नाम असरफ और आरिफ हैं, जो गाजियाबाद के रहने वाले हैं।

स्कूल में लगी भयंकर आग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- लाइब्रेरी व कमरें जलकर हुए खाक

थाना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के सेक्टर 132 स्थित जेबीएम ग्लोबल स्कूल में रविवार सुबह भयंकर आग लग गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की छह गाड़ियों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस आग में स्कूल की तीसरी मंजिल पूरी तरह जलकर खाक हो गई है।

सीएफओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि स्कूल के तीसरे तल पर रविवार सुबह अचानक आग लग गई। इसकी चपेट में स्कूल की लाइब्रेरी एवं अन्य कक्षाएं आ गईं। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

सीएफओ ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। साथ ही बताया कि आग की वजह से स्कूल की लाइब्रेरी और तृतीय तल पर स्थित सारी कक्षाएं जलकर खाक हो गई हैं। उन्होंने कहा कि आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के समय स्कूल बंद था। सीएफओ ने बताया कि स्कूल में आग बुझाने के उपकरणों की भी जांच की जा रही है। दमकल विभाग को संदेह है कि घटना के समय स्कूल में लगे आग बुझाने के उपकरणों ने ठीक से काम नहीं किया।

स्कूल में आग बुझाते दमकल विभाग के कर्मचारी। फोटो : दीपक यादव

राजधानी के अस्पतालों में बेड की कमी का भाजपा का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना वाइरस के संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच विपक्ष ने अस्पतालों में बेड की कमी का आरोप मढ़ा है। भाजपा नेता ने कहा कि पहले दिल्ली सरकार ने दावा किया कि संक्रमित मरीजों की संख्या 30,000 पहुंचने पर भी इलाज के लिए बेड की व्यवस्था है लेकिन हकीकत में संक्रमित मरीज बेड के अभाव में अपना इलाज नहीं करवा पा रहे हैं।

सरकार के ही वकील हाईकोर्ट में स्वीकार किया कि सरकारी व निजी अस्पतालों में सिर्फ 3150 बेड उपलब्ध हैं। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली प्रभारी श्याम जाजू ने कहा कि कोरोना संकट में भी मुख्यमंत्री राजनीति कर रहे हैं। वह पहले कोरोना जांच के आंकड़ें और अब सरकारी व निजी अस्पतालों में बेड को लेकर भी झूठ बोल रहे हैं।

केजरीवाल लगभग हर रोज प्रेस कांफ्रेंस में यह बताते हैं कि वह कोरोना से शानदार तरीके से लड़ने को तैयार हैं लेकिन कभी भी सच्चाई दिल्ली वालों के सामने नहीं रखते हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल हर मोर्चे पर फेल हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग जांच को लेकर कोई आंकड़े नहीं दे रहा है।

दिल्ली हिंसा : पिंजरा तोड़ संगठन की दो लड़कियां गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीएए के खिलाफ इस साल फरवरी में पूर्वी दिल्ली में हिंसा भड़की थी। इस मामले को लेकर अभी जांच जारी है और गिरफ्तारियां भी हो रही है। इसी कड़ी में दो लड़कियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान नताशा और देवांगना के रूप में हुई है। ये दोनों पिंजरा तोड़ संगठन की सदस्य हैं। दोनों से पूछताछ की जा रही है.

पिंजरा तोड़ कॉलेज की छात्राओं का एक ऐसा संगठन है जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के नामी कॉलेज की छात्राएं भी हैं। ये संगठन कॉलेज हॉस्टल के नियमों के खिलाफ जाकर काम करता है।

बेटियों व नातिनों पर पेट्रोल डाल लगा दी आग

लॉकडाउन में आर्थिक तंगी के कारण फल विक्रेता पिता था परेशान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आर्थिक तंगी ने एक पिता को इतना मजबूर कर दिया कि उसने अपनी दो बेटियों और दो मासूम नातिनों को आग के हवाले कर दिया। ईद से पहले जहां खुशियां होनी चाहिए थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

मामला लोनी इलाके का है, जहां पर सलीम नाम के फल विक्रेता ने अपनी दो बेटियों और दो मासूम नातिनों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। चारों अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। बताते हैं कि

- अस्पताल में भर्ती चारों की हालत गंभीर

लॉकडाउन जब हुआ, तब सलीम फल बेचने का काम करता था। सलीम की पत्नी साइना का कहना है, कि लॉकडाउन में फल काफी महंगे मिल रहे थे। कई बार तो फल नहीं मिल पा रहे थे। जिससे घर नहीं चल पा रहा था।

इस बीच सलीम की दोनों शादीशुदा बेटियां वापस घर आ गईं। दोनों को ससुराल वालों ने निकाल दिया था। वह दहेज की मांग कर रहे थे। इसी वजह से सलीम टूट गया था और ईद से ठीक एक दिन पहले जब सलीम के पास जेब में कुछ भी नहीं बचा तो वह बेबस हो गया। ऐसे में उसने बेटियों, नातिनों को जिंदा जला देने के लिए उनके ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी।

एसपी देहात नीरज कुमार जादौन ने बताया कि मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। पता यह भी चला है कि पिता को अपनी दोनों बेटियों के चरित्र पर भी शक हो गया था। जिस वजह से उसने यह कदम उठाया।

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा पर रासुका लगाने की मांग

गाजियाबाद। लोनी से विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने फिल्म अभिनेत्री व वेब सीरीज पाताल लोक की प्रोड्यूसर अनुष्का शर्मा के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कर रासुका लगाने के लिए तहरीर दी है।

विधायक ने आरोप लगाया अनुष्का ने अपनी वेब सीरीज में एक वांटेड माफिया के साथ उनका फोटो लगाया है। साथ ही गुर्जर समाज को आपत्तिजनक बातें कही हैं। इसके अलावा सीबीआई की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाकर देश द्रोह का काम किया है । विधायक ने अनुष्का शर्मा पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की मांग की है ।

सिक्योरिटी गार्ड और अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 20 थाना क्षेत्र के सेक्टर चार स्थित एक कंपनी में तैनात सिक्योरिटी गार्ड रविवार सुबह कंपनी परिसर के बाहर मृत अवस्था में मिला। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) संकल्प शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह साढ़े पांच बजे के करीब थाना सेक्टर 20 पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर चार में स्थित एक कंपनी के बाहर लगे ट्रांसफार्मर के पास एक सिक्योरिटी गार्ड मृत अवस्था में पड़ा है।

उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि मृतक का नाम देवी प्रसाद (45 वर्ष) और वह जनपद सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है। वहीं पुलिस को थाना एक्सप्रेस वे क्षेत्र के सेक्टर 135 के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव भी मिला।

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट विनोद नगर में सरकारी स्कूल के बाहर खड़े प्रवासी मजदूर।

कार की टक्कर से सिक्योरिटी गार्ड की मौत

नोएडा। थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर 65 में एक कार ने पैदल जा रहे दो सिक्योरिटी गार्डों को कुचल दिया जिनमें से एक गार्ड की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। अपर पुलिस उपायुक्त अंकुर अग्रवाल ने बताया कि थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर 65 में रविवार दोपहर शिवकुमार तथा भंवरलाल नामक दो सिक्योरिटी गार्ड पैदल जा रहे थे कि तभी एक तेज रफ्तार कार ने दोनों को कुचल दिया। उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को पुलिस ने इलाज के लिए कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने शिवकुमार को मृत घोषित कर दिया और भंवरलाल की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कार चालक फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।

शहर में चलेंगे ऐप बेस्ड ई-रिक्शा

गाजियाबाद। कोविद -19 के चलते घोषित लॉक डाउन के दौरान

जिला प्रशासन ने गाजियाबाद में ऐप बेस्ड ई-रिक्शा चलाने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत प्रथम चरण में कुल 20 ई-रिक्शा चलाई जाएंगी । इसके बाद यदि योजना कामयाब होती है तो इसको और विस्तार दिया जाएगा। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे ने बताया कि इन ई-रिक्शा में चालक के अलावा केवल दो ही सवारियों को बैठने की अनुमति होगी जो 2 गज की दूरी यानी सोशल डिस्टेंस का पालन करेंगे। इसके साथ ही इनके संचालन से जहां शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था दुरुस्त होगी वहीं प्रदूषण भी नहीं बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में कुल 20 ई-रिक्शाचलाने का निर्णय लिया गया है। योजना में मोहन नगर से हापुड चुंगी, कौशांबी रोड, साहिबाबाद रोड को चुना गया है।

राशन बांटने के दौरान लेखपाल से बदसलूकी

गाजियाबाद। शहीदनगर मेट्रो स्टेशन के पास शिकायत के आधार पर लोगों को राशन बांटने पहुंचे लेखपाल से एक युवक ने अभद्रता की। विरोध करने पर अशब्द कहे और अपात्र लोगों को राशन बांटने का दबाव बनाया। पीड़ित लेखपाल ने साहिबाबाद थाने में आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। अय्यूब खां तहसील सदर में लेखपाल हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने पर वह लोगों को राशन की किट बांटने के लिए शहीदनगर मेट्रो स्टेशन के पास गए थे। आरोप है कि इस दौरान एक युवक आया और लोगों को राशन बांटने का विरोध करते हुए अशब्द बोलने लगा। जबरन अपात्र लोगों को राशन बांटने का दबाव बनाने लगा। साथ ही युवक ने खुद को एक पूर्व पार्षद का आदमी बताया। आरोप है कि युवक ने मौके पर अशांति फैलाने का प्रयास किया। लेखपाल की ओर से साहिबाबाद थाने में नामजद तहरीर दी गई है।

सिंभावली में दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटाती क्रेन।

ऑनलाइन कक्षाओं के लिए गाइडलाइन की मांग

बच्चों की आंखों और दिमाग पर हो रहा बुरा असर : आईएमए

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

स्कूलों द्वारा चलाई जा रही ऑनलाइन पढ़ाई बच्चों की सेहत पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। आने वाले समय में ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों में आंखों की समस्या के साथ-साथ मानसिक परेशानियां भी विस्फोट के साथ उभर कर सामने आएंगी। जरूरत अभी संभलने की है। ये मानना है इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से जुड़े सैक्रेटिस्ट्स का।

आईएमए का कहना है कि इस मुद्दे को स्कूल प्रबंधकों के साथ-साथ अभिभावकों और प्रशासन को भी गंभीरता से लेना चाहिए। जूम एप पर आयोजित एक प्रेसवार्ता में आईएमए ने घोषणा की है कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गाजियाबाद शाखा अब बच्चों की आवाज बनेगी।

बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए आईएमए ने इसे गंभीरता से लेते हुए ऑनलाइन कक्षाओं के लिए नई गाइडलाइंस तय किये जाने की सिफारिश की है। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. वीबी जिंदल ने बताया कि आईएमए अपने सैक्रेटिस्ट्स का एक पैनल बनाकर दो-तीन दिन में ही ऑनलाइन कक्षाओं से बच्चों की आंखों और दिमाग पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर पैरेंट्स एसोसिएशन व स्कूल एसोसिएशंस के साथ ही डीएम को भी इससे अवगत कराकर ऑनलाइन कक्षाओं के लिए नई गाइडलाइंस बनाये जाने का प्रस्ताव रखेगी। इसके अलावा आईएमए ने तत्काल प्रभाव से स्कूलों में समर वैकेशन शुरू कराए जाने की मांग डीएम से की है। आईएमए ने जनसाधारण के लिए मानसिक तनाव से बचने के लिए एक एडवाइजरी भी जारी की है।

दिल्ली सरकार किराए पर लेगी दौ सौ टैक्सी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार कोरोना वायरस की महामारी की वजह से एंबुलेंस सेवा पर पड़ रहे दबाव को कम करने के मकसद से ओला और उबर से 200 टैक्सियों को किराए पर लेने का फैसला किया है। सरकार के आदेश के मुताबिक कोविड-19 के कम गंभीर मरीजों को घर से अस्पताल और अस्पताल से घर पहुंचाने के लिए ओला की 110 और उबर की 91 टैक्सियों को किराए पर लिया गया है। इनका इस्तेमाल एंबुलेंस की तरह की जाएंगी और यह केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं ट्रॉमा सेवा के निदेशक के अधीन होंगी।

सड़क दुर्घटना में सिपाही समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

थाना सिंभावली क्षेत्र में रविवार सुबह दो कारों की टक्कर में एक सिपाही सहित तीन लोगों की मौत हो गई और एक दरोगा सहित पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस टीम हरियाणा से एक अपहृत युवती को बरामद कर वापस लौट रही थी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि लखीमपुर खीरी जिले के थाना धौरहरा में तैनात पुलिस उपनिरीक्षक धर्मेंद्र यादव अपने साथी सिपाही सचिन, महिला कॉन्स्टेबल दीपिका के साथ शनिवार देर रात हरियाणा के गुरुग्राम से एक अपहृत युवती को बरामद कर और उसके कथित प्रेमी रिंकू को गिरफ्तार कर वापस आ रहे थे। जैसे ही वे रविवार सुबह करीब चार बजे सिंभावली थाना क्षेत्र में पहुंचे तो अचानक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर राजमार्ग के दूसरी तरफ अन्य गाड़ी से जा टकराई।

- हादसे में दरोगा समेत पांच अन्य घायल

उन्होंने बताया कि हादसे में कार सवार सिपाही सचिन, चालक मेराज और अपहृत युवती के कथित प्रेमी रिंकू की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, बरामद युवती तथा महिला सिपाही दीपिका, दरोगा धर्मेंद्र यादव और दूसरी कार से जा रहा एक अन्य व्यक्त विनोद भी घायल हो गया।

लॉकडाउन में आज से भरें उड़ान

आईजीआई से टेकऑफ के लिए तैयार हैं विमान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन में दिल्ली वाले सोमवार से फिर से उड़ान भरेंगे। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने स्वस्थ एवं सुरक्षित हवाई यात्रा को बढ़ावा देने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। एयरपोर्ट पर एंट्री गेट और चेक-इन जैसे स्थानों पर यात्रियों के लिए ऑटोमैटिक हैंड सैनिटाइजर मशीन, फ्लोर मार्कर सहित कई व्यवस्थाएं की गई हैं। दिल्ली हवाईअड्डा सोमवार से करीब 380 उड़ानों का संचालन करेगा।

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए देशव्यापी लॉकडाउन के बीच करीब दो महीने तक उड़ानें निलंबित रहने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार घरेलू विमानों का संचालन देशभर में सोमवार से बहाल हो गया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, दिल्ली हवाईअड्डे पर सोमवार को करीब 380 विमानों का संचालन होगा। हवाईअड्डे से करीब 190 विमान रवाना होंगे और करीब 190 विमान यहां उतरेंगे।

डायल ने शनिवार को कहा था कि उसने यात्रियों के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वचालित हैंड सैनिटाइजर, फ्लोर मार्कर, प्रवेश और चेक-इन द्वारों की पहचान करने समेत कई कदम उठाए हैं। डायल ने बताया कि हवाईअड्डे पर सामाजिक दूरी के नियमों को लागू करने और लोगों के बीच आपसी संपर्क को कम करने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। डीआईएएल के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि उन्होंने यात्रियों को उनकी सुविधा और अनुभव से समझौता किए बिना सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एयरपोर्ट पर कई अनूठी पहल की हैं। उनकी टीमों ने हाइजीन के लिए विशाल टर्मिनल को साफ करने के लिए 24 घंटे काम किया है।

इस बीच दिल्ली सरकार अन्य राज्यों से हवाई यात्रा के जरिए राष्ट्रीय राजधानी में आने वाले लोगों के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करेगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना पॉजिटिव मरीज की जगह दूसरे को कर रहे थे आइसोलेट

सीएमओ कार्यालय की बड़ी लापरवाही

अक्सर हो रही हैं कोरोना मामलों में लापरवाही

संजय कुमार मेहरा

गुरुग्राम। हरियाणा ही नहीं बल्कि देश-दुनिया के महत्वपूर्ण शहर गुरुग्राम का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों को लेकर घोर लापरवाही बरत रहा है। विभाग के सीएमओ कार्यालय से लेकर उनके अधीनस्थ अधिकारियों की इसी लापरवाही का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। नई लापरवाही यह है कि यहां पर बिना सेंपल की रिपोर्ट आए ही एक व्यक्ति को कोरोना पॉजिटिव बताकर उसे आईसोलेट करने की तैयारी कर ली गई।

शनिवार को गांधी नगर निवासी एक व्यक्ति यहां सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में अपनी कोरोना सेंपल की रिपोर्ट का पता करने पहुंचा था। उसका सेंपल 18 मई को लिया गया था। सेक्टर-10 से उसे पुराने नागरिक अस्पताल परिसर स्थित सीएमओ कार्यालय में भेज दिया। पीड़ित के मुताबिक यहां पर उसे बताया गया कि उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव है। इसके बाद उसे सीएमओ कार्यालय से ही सेक्टर-9 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में भेजा गया।

वहां पर उसके कागजों में गड़बड़ी पर वापस सेक्टर-10 अस्पताल भेज दिया। अस्पताल में शाम हो गई, लेकिन उस 50 साल के व्यक्ति के बारे में विभाग यह तय नहीं कर पाया कि आखिर करना क्या है। देर शाम उस व्यक्ति के मेडिकल कार्ड का यूएचआईडी नंबर मिलान किया तो वह भिन्न पाया गया। उम्र पूछी तो पता चला कि 50 साल का है। जबकि कागजों में उम्र 32 साल लिखी थी। मतलब जो कोरोना पॉजिटिव था, वह तो कोई और ही था। 50 साल के व्यक्ति को आईसोलेशन में भेजा जा रहा था। आनन-फानन में असली कोरोना पॉजिटिव मरीज की तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिला। उसे सेंपल लेकर होम क्वारंटाइन किया गया था। पर वह अस्पताल में नहीं पहुंचा।

मानव आवाज संस्था करेगी शिकायत

गुरुग्राम जिला में स्वास्थ्य विभाग की ओर से की जा रही लापरवाहियों की मीडिया रिपोर्ट्स को आधार बनाकर अब मानव आवाज संस्था इसके खिलाफ आवाज उठाएगी। अखबारों की कतरन और समाचार चैनलों की न्यूज की कॉपी प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, मानवाधिकार आयोग, मुख्यमंत्री हरियाणा और गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा को सौंपेगी। संस्था के संयोजक अभय जैन का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से बहुत लापरवाही की जा रही है। जब कोरोना को लेकर विभाग लापरवाह है तो आम आदमी के उपचार में अच्छे की कैसे उम्मीद की जा सकती है।

50 साल वाले व्यक्ति के आज फिर लिए सेंपल

सीएमओ कार्यालय की एक और सबसे बड़ी लापरवाही यह है कि यहां से लोगों के सेंपल ही गायब हो रहे हैं। पीड़ित 50 साल के व्यक्ति ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि शनिवार सुबह 7 बजे से लेकर रात 8 बजे तक उसे परेशान किया गया। रात तक उसकी रिपोर्ट के बारे में कुछ पता नहीं चला और जब रिपोर्ट दी तो वह किसी और की। रात को उसे यह कहकर घर भेज दिया कि रविवार को आकर अपना दोबारा से सेंपल दे जाए। पहले वाला सेंपल का कुछ पता नहीं है। अब परेशान अधेड़ उम्र का वह व्यक्ति रविवार को फिर सुबह 7 बजे पहुंचा और 11 बजे उसका सेंपल लिया गया। इसके बाद वह होम क्वारंटाइन में चला गया। इस बारे में जब सीएमओ डॉ. जेएस पूनिया का पक्ष जानने के लिए कॉल की गई तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

गर्भपात कराने को पत्नी को जबरन खिलाई गर्भनिरोधक गोलियां

हेलीमंडी कस्बे का है मामला, पति पर जाने से मारने की धमकी का भी आरोप

गुरुग्राम। एक विवाहिता ने अपने पति पर आरोप लगाया है कि वह उसे जबरन गर्भपात कराने का दबाव बनाता रहा। उसे जबरदस्ती गर्भपात की गोलियां भी खिलाई। विरोध करने पर पति ने जान से मारने की भी धमकी दी। विवाहिता ने अपनी जान का खतरा बताकर पटौदी पुलिस थाना में शिकायत दी है। एएसआई सुरेंद्र ने रविवार को बताया कि पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार दिल्ली के तुगलकाबाद निवासी 30 वर्षीय महिला श्वेता शर्मा की शादी 10 मार्च 2019 को हेलीमंडी निवासी गौरव शर्मा से हुई थी। उसका कहना है कि वह ढाई माह की गर्भवती थी। लॉकडाउन के दौरान इसी माह 9 मई को उसके पति ने उसे जबरन गर्भनिरोधक गोली खिला दी। गोली खाने से उसकी तबियत खराब हो गई। महिला का कहना है कि उसके पति ने 15 मई को दोबारा से 4 और गोलियां उसे खिला दी। हालत नाजुक होने पर उसे निजी डॉक्टर के पास ले गया। महिला का आरोप है कि डॉक्टर ने मिलीभगत करते हुए उसका गर्भपात कर दिया। महिला ने यह भी कहा कि उसके पति ने यह बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। शनिवार शाम को महिला ने किसी तरह इसकी सूचना अपने परिजनों को दी। उनके आने के बाद उसने हेलीमंडी चौकी में पति के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रहे एएसआई सुरेंद्र सिंह ने बताया इस संबंध में डॉक्टर समेत आरोपी पक्ष से पूछताछ की जा रही है। उसी आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कोरोना काल में बैंकों की भूमिका रही सराहनीय

गुरुग्राम। कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन के दौरान जन जीवन ठहर गया। दुकानें, बाजार आदि सब कुछ बंद हो गया। लोग अपने घरों में कैद हो गए। फिर भी अपनी रोजमर्रा की जरूरतों तथा खाने-पीने की वस्तुओं की आवश्यकता तो हर व्यक्ति को रहती ही है और ऐसे में अपने पास पैसा होना जरूरी है। लोगों तक पैसे पहुंचाने के लिए बैंकों ने अहम भूमिका निभाई। गुरुग्राम जिला में इस दिशा में नई पहल भी की गई जिसके अंतर्गत जिन इलाकों में एटीएम दूरी पर स्थित थे, वहां पर रहने वाले लोगों के लिए अग्रणी जिला प्रबंधक प्रहलाद राय गोदारा की देखरेख में मोबाइल एटीएम पहुंचाए गए।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना काल में बैंकों की भूमिका रही सराहनीय

गुरुग्राम। कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन के दौरान जन जीवन ठहर गया। दुकानें, बाजार आदि सब कुछ बंद हो गया। लोग अपने घरों में कैद हो गए। फिर भी अपनी रोजमर्रा की जरूरतों तथा खाने-पीने की वस्तुओं की आवश्यकता तो हर व्यक्ति को रहती ही है और ऐसे में अपने पास पैसा होना जरूरी है। लोगों तक पैसे पहुंचाने के लिए बैंकों ने अहम भूमिका निभाई। गुरुग्राम जिला में इस दिशा में नई पहल भी की गई जिसके अंतर्गत जिन इलाकों में एटीएम दूरी पर स्थित थे, वहां पर रहने वाले लोगों के लिए अग्रणी जिला प्रबंधक प्रहलाद राय गोदारा की देखरेख में मोबाइल एटीएम पहुंचाए गए।

अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय द्वारा एसबीआई तथा आईसीआईसीआई बैंक की सहायता से एटीएम मोबाइल वैन वहां पर आज भी उपलब्ध करवाई जा रही है। जिला में अब तक ऐसी 30-35 कॉलोनियां है जहां लॉकडाउन के दौरान एटीएम वैन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। जिसके माध्यम से लगभग 1326 नागरिकों ने लगभग 88 लाख रूपये निकालते हुए इसका लाभ उठाया है। मोबाइल एटीएम वैन को जिलावासियों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने इस सुविधा का लाभ उठाते हुए जिला प्रशासन का धन्यवाद भी किया। श्री गोदारा ने बताया कि जिला मे 790 बैंक शाखायें, 1490 एटीएम, 245 बैंकमित्र एवं सीएसपी तथा 114 पोस्ट ऑफिस हैं। इस महामारी मे किसी भी नागरिक को वित्तीय लेन-देन में परेशानी ना हो, इसके लिए सोशल डिस्टेंसिंग व हाईजीन प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अलग-अलग स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्ट मैन द्वारा लगभग 1500 नागरिकों को रु 33.00 लाख डोर स्टेप सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

जान से मारने के इरादे से युवक पर किया फायर, बचा

सोहना। सोहना के गांव दौला में युवक पर जान से मारने के इरादे से बंदूक से दो फायरिंग कर दिए। युवक बाल-बाल बच गया। सोहना सदर थाना पुलिस ने दो महिलाओं सहित चार नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव दौला निवासी मलखान पुत्र प्राणनाथ ने सोहना सदर थाना पुलिस को बताया कि गुरुवार शाम 7:30 बजे वह अपने घर के दरवाजे पर खड़ा था। उसी समय आवारा पशु भागते हुए आ रहे थे। उसने भी पशुओं को भगाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी समय उसके सिर पर पीछे से किसी ने डंडा मार दिया। जिससे वह सामने की तरफ जा गिरा। उसने उठकर देखा तो गांव के ही सुनील पुत्र रामेश्वर ने अपने हाथ में डंडा लिए था। दूसरे सुधीर फौजी ने बंदूक ले रखी थी। सुधीर ने उसके सिर पर हॉकी मारी। शोर सुनकर सुनील, सुधीर फौजी की पत्नी अनुपमा और मोंटी अपने हाथों में डंडा लेकर आ गई। पीड़ित ने बताया कि वह वहां से जान बचाकर भागने लगा तो सुधीर ने पीछे से इस पर दो फायर किए, हालांकि दोनों फायर से वह बच गया। मलखान ने पुलिस को बताया कि सुनील और सुधीर फौजी ने उसे पहले भी कई बार जान से मारने को धमकी दी थी। सोहना सदर थाना पुलिस ने मलखान की शिकायत पर शनिवार को मामले की पड़ताल करने के बाद आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन पुलिस अभी तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

दो युवकों से मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी को सीपी से मांग

गुरुग्राम। जमालपुर-पचगांव रोड पर दो युवकों से मारपीट के आरोपियों को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पीड़ित युवकों के परिजनों का कहना है कि मारपीट का मुख्य आरोपी खुलेआम घूम रहा है। वह अग्रिम जमानत की कोशिश में है। सीपी मोहम्मद अकील को ई-मेल के माध्यम से परिजनों ने शिकायत देकर मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। नहीं तो वे आंदोलन करेंगे। बता दें कि तीन मई को ततारपुर गांव निवासी प्रवीण व राहुल को काम से लौटते समय जमालपुर-पंचगांव रोड पर 30-40 युवकों ने घेरकर जानलेवा हमला किया था। मुख्यारोपी दारापुर निवासी रोहित उर्फ रोमियो ने उन पर शराब की खाली बोतलें सिर पर मारी थी। दोनों को गंभीर हालत में छोड़कर सभी आरोपी फरार हो गए थे। वारदात के बाद दोनों को अस्पताल में दाखिल कराया गया।

पत्थर चोरों ने पुलिस से हाथापाई करते हुए कार से कुचलने का किया प्रयास

सोहना। पत्थर चोरों ने माइनिंग टीम पर गाड़ी चड़ाने का प्रयास करते हुए जान लेवा हमला कर दिया। नाके पर खड़े पुलिस कर्मियों और एएसआई हमले में बाल-बाल बचे। पुलिस ने आरोपियों का मोबाइल फोन और सैन्ट्रो कार कब्जे में ले ली।शनिवार को माइनिंग स्टाफ साउथ गुरुग्राम टीम को सूचना मिली थी कि तावडू की तरफ से दो हाइवा डंपरों में चोरी का पत्थर भरा है। जो सोहना की तरफ आ रहे हैं। माइनिंग स्टाफटीम ने सीआईए पांच पुलिस सोहना कार्यालय के सामने घाटी में नाकाबंदी कर दी थी। डंपरों के आगे-आगे चल कर रही सैन्ट्रो कार चालक को रुकने का इशारा किया। कार सवार सहजाद और साहुन निवासी भूतलाका ने नाके पर रुकने के साथ एएसआई से मारपीट कर दी।

ऑटो, टैक्सी चालकों को अनुमति के लिए सरकार का आभार

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में ऑटो टैक्सी चलाने की यूनियन की मांग को मानते हुए इन्हें चालू करने के लिए भारतीय प्राइवेट ट्रांसपोर्ट मजदूर महासंघ ने समस्त चालकों और उनके परिवार की ओर से आभार प्रकट किया है।

महासंघ के अखिल भारतीय महामंत्री योगेश शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से सरकार ने ऐप आधारित कम्पनियों को परिचालन की इजाजत दी थी, इससे ऑटो टैक्सी चालाकों में भारी रोष था। जिस पर सरकार ने महासंघ की मांग को मानते हुए सभी ऑटो टैक्सी चालकों को परिचालन पर रोक को हटाकर उचित फैसला लिया है। योगेश शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने लॉकडाउन के मद्देनजर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत

श्रमिकों के लिए पंजीकरण शुरू किया था, लेकिन कुल श्रमिकों का एक प्रतिशत भाग भी पंजीकृत नहीं हो पाया। जो पंजीकृत हुउ उन में से भी एक प्रतिशत श्रमिकों को उसका लाभ नहीं मिल पाया। आज 60 दिन से भी ज्यादा समय बीतने के बाद भी उन श्रमिकों को बताया जा रहा है कि आपकी कार्यवाही जारी है।

शहीद राजसिंह के परिवार की मांगों को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा : राव

सोहना। गुरुग्राम सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने दमदमा में पहुंचकर शहीद राजसिंह को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ने दमदमा गांव को शहीदों की याद में स्मारक बनाने और शहीद के परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया है।

सांसद राव इंद्रजीत सिंह के साथ एसडीएम चिनार चहल, तहसीलदार बंसीलाल और सोहना सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतेन्द्र सिंह मौजूद रहे। सांसद ने कहा कि शहीद राजसिंह खटाना के परिवार को राज्य सरकार से मिलने वाली आर्थिक सहायता और परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाई जाएगी। शहीद के बच्चों का दाखिला सैनिक स्कूल में कराने, गांव के राजकीय

रविवार को गांव दमदमा में शहीद राजसिंह खटाना को श्रद्धांजलि देते सांसद राव इन्द्रजीत सिंह।

मिडिल स्कूल का दर्जा बढ़ाते और उसका नामकरण शहीद राजसिंह कराने की मांग को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने ने कहा कि गांव के वीरों ने देश सेवा में अपना योगदान दिया है। शहीदों की याद में स्मारक बनाया जाएगा। राव ने कहा कि शहीद की पत्नी को पेट्रोल पंप दिलाने की मांग पर कहा कि जब भी शहीद परिवार के कोटे का पंप निकलेगा। तब शहीद राजसिंह खटाना के परिवार को महत्वता दी जाएगी।

हिन्दुस्तान के जयकारे लगाते घरों को रवाना हुए नॉर्थ-ईस्ट के लोग

कुछ घूमने आए थे तो कुछ यहां रहकर करते थे काम

गुरुग्राम। लॉकडाउन में जिन्हें घर जाने को साधन मिल गया, वह अपने को किस्मत वाला समझता है। ऐसे ही किस्मत वाले स्थानीय रेलवे स्टेशन से नॉर्थ-ईस्ट के लिए विशेष श्रमिक ट्रेन से रवाना किए गए।

यह ट्रेन उन्हें नॉर्थ-ईस्ट के अगरतला (त्रिपुरा) छोड़कर आएगी। जैसे ही ट्रेन रवाना हुई तो खिड़कियों, दरवाजों पर खड़े होकर युवक-युवतियों, महिला-पुरुषों ने जयकारे लगाए। कोई पुलिस के जयकारे लगाए रहा था तो कोई हिन्दुस्तान के।

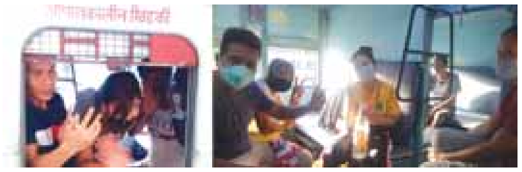

गुरुग्राम रेलवे स्टेशन से रवाना होते हुए धन्यवाद ज्ञापित करते नॉर्थ-ईस्ट के युवा।

उनके जयकारों से स्टेशन परिवार भी गूंज उठा।

इस विशेष श्रमिक ट्रेन से नॉर्थ-ईस्ट के 920 लोगों को रवाना गया किया। स्टेशन पर कतारबद्ध मौजूद पुलिसकर्मियों, रेलवे स्टाफव सिविल डिफेंस कर्मियों ने तालियां बजाकर उन्हें खुशी-खुशी यहां से रवाना किया। इस ट्रेन में नार्थ-ईस्ट के अगरतला (त्रिपुरा) के लिए 920 प्रवासी नागरिक तथा 38 बच्चे अपने घरों के लिए रवाना हुए हैं। सभी श्रमिकों की सकुशल घर वापसी की कामना करते हुए उन्हें वहां जाकर भी सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला प्रशासन ने प्रवासी नागरिकों से बातचीत कर उनसे शारीरिक दूरी की पालना सुनिश्चित करने की अपील की और कहा कि वे अच्छी तरह से अपने घरों को जाएं और अपना ध्यान रखें। घरों से दूर रह रहे नागरिकों को उनके परिवार के पास भेजने के लिए ही सरकार ने यह व्यवस्था की है और उन्हें नि:शुल्क टिकट उपलब्ध करवाई गई है। इन प्रवासी नागरिकों का मेडिकल आदि कराकर रोडवेज बसों के माध्यम से रेलवे स्टेशन पर लाया गया। इनके लिए भोजन, पानी आदि की व्यवस्था भी की गई, ताकि इन्हें रास्ते में कोई परेशानी न हो। मौके पर अंडर ट्रेनिंग आईएएस अधिकारी एसीयूटी अपराजिता, एसीपी सीआईडी गुरुग्राम जितेन्द्र गहलावत, एसीपी ओल्ड गुरुग्राम अशोक कुमार, गुरुग्राम के एसडीएम जितेंद्र कुमार आदि कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कोरोना काल में यूथ क्लब का जनहित में सराहनीय काम

गुरुग्राम। गुरुग्राम में ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं की कमी नहीं है, जिन्होंने कोरोना योद्धाओं के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। सामाजिक संस्था यूथ क्लब सेक्टर-4 से जुड़े युवा भी इन्हीं में से हैं। यह बात बीजेपी जिला सचिव नवीन गोयल ने यहां सेक्टर-9 स्थित श्रीराधा कृष्ण गोशाला में गो पालकों को राहत सामग्री देने के दौरान कही।

यूथ सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा कोरोना महामारी जैसे हालातों में टीम यूथ क्लब के साथ कोरोना योद्धाओं ने अपना सामाजिक दायित्व को निभाते हुए लॉकडाउन-3 तक के मुश्किल दौर

गुरुग्राम के सेक्टर-9 स्थित श्रीराधा कृष्ण गोशाला में पहुंचे मुख्य अतिथि नवीन गोयल को स्मृति चिह्न देते गोशाला प्रबंधन समिति के सदस्य।

में प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों को जीवन यापन के लिए सामग्री का वितरण किया है। प्रत्येक सुबह लगभग 350-400 लोगों को दूध, ब्रेड बिस्कुट व फल का वितरण किया गया। आटा, चावल, दाल, तेल, नमक, मसालों व साबुन आदि की किट बना जरुरतमंदों तक पहुंचाई। गोशाला की संचालक सविता कटारिया ने बताया कि यूथ क्लब द्वारा तीन मई को रक्तदान शिविर भी लगाया गया था।

भिवानी में नेशनल अर्बन हेल्थ मिशन (एनयूएचएम) के तहत कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों लॉकडाउन के बीच कोरोना योद्धाओं के रूप में सम्मान करते एमडी पब्लिक स्कूल के मैनेजर रमेश कुमार।

कोरोना से युद्ध की अग्रिम पंक्ति में हैं स्वास्थ्यकर्मी: रमेश कुमार

कोरोना वॉरियर स्वास्थ्यकर्मियों का किया गया सम्मान

भिवानी। कोरोना वॉरियर के रूप में पहले पुलिसकर्मियों के सम्मान के बाद रविवार को भारत नगर स्थित प्राथमिक सामुदायिक केंद्र में कोरोना वॉरियर स्वास्थ्यकर्मियों का सम्मान किया गया। बैंक कालोनी स्थित एमडी पब्लिक स्कूल की ओर से आयोजित इस सम्मान समारोह में नेशनल अर्बन हेल्थ मिशन (एनयूएचएम) के तहत कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों का वुशू कोच सोमवीर शर्मा, राकेश कौशिक पालुवास, सुमन राजपूत, भावना रोहिला व स्टाफ सदस्यों ने स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस सम्मान कार्यक्रम में सम्मान समारोह में लैब टेक्निशियन प्रवीन कुमार, स्टाफ नर्स मीना, एएनएम हेमलता, पुष्पा, सुनील देवी, रेखा, सुमन रानी, आशा वर्कर हुकम कौर, बबली, कांता, सुदेश को सम्मानित किया गया। इस मौके पर एमडी पब्लिक स्कूल के प्रबंधन मास्टर रमेश कुमार ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत हर कर्मचारी इस कोरोना काल में योद्धा है। वैसे तो उनका कार्य हमेशा सराहनीय रहता है, लेकिन इस दौर में जिस तरह से अपनी जान की परवाह किए बगैर से सब सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में इनका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। महिला स्टाफ पर अपनी ड्यूटी के साथ-साथ घर की जिम्मेदारी भी है, लेकिन वे अपने घर परिवार व बच्चों को छोड़कर लोगों को महामारी से बचाने के लिए दिन-रात अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि शहर में कोरोना की लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में स्वास्थ्यकर्मी ही लड़ते हैं। वे सीधे मरीजों के संपर्क में आते हैं। हमें ऐसे योद्धाओं का सम्मान करके खुशी हो रही है। अपने जीवन को खतरे में डालकर औरों की जीवन बचाना हर किसी के बस की बात नहीं है। मास्टर रमेश कुमार ने कहा कि इससे पहले हुन्नामल प्याऊ के पास स्थित औद्योगिक पुलिस थाना के कर्मचारियों, अधिकारियों का सम्मान स्कूल की तरफ से किया जा चुका है।

वुशू कोच सोमवीर शर्मा ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से पीछे नहीं हैं। एएनएम उर्मिला ने कहा कि एमडी पब्लिक स्कूल के इस सम्मान से स्टाफ में और भी पॉजिटिविटी आई है। अपनी ड्यूटी व अपने कर्तव्य के प्रति और अधिक सचेत रहेंगी।फार्मासिस्ट संजीव मलिक ने कहा कि कोरोना से बचाव को हमें विशेष सावधानियां रखनी चाहिए।

रविवार को गुरुग्राम में आए 9 कोरोना केस

गुरुग्राम। रविवार को जिला में कोरोना के 9 लोग पॉजिटिव आए। इसके साथ ही यहां पर कुल पॉजिटिव केसों की संख्या 271 हो चुकी हैं, जिनमें से 166 को ठीक करके डिस्चार्ज भी किया जा चुका है। अब 105 पॉजिटिव केस रह गए हैं। रविवार को आए पॉजिटिव केसों में 1 केस नई बस्ती, 1 केस पटौदी, 1 केस कृष्णा कालोनी सेक्टर-7, 2 केस राजेंद्रा पार्क, 1 केस सेक्टर-10ए, 1 केस राजीव नगर, 1 केस झाड़सा और 1 केस सेक्टर-22ए से संबंधित है।

गुरुग्राम से एम्स दिल्ली की टीम ले गई 100 यूनिट रक्त

गुरुग्राम। रविवार को यहां सिद्धेश्वर स्कूल परिसर में मेवात मित्र मंडल, सेवा भारती गुरुग्राम व मुस्कान केयर फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की टीम सभी सुविधाओं से सुसज्जित बस लेकर पहुंची। शिविर में 100 यूनिट से अधिक रक्तदान हुआ। यहां पंजीकरण 117 रक्तदाताओं का हुआ था। बाकी के 17 का रक्तदान किसी कारणवश नहीं लिया जा सका।

इस शिविर का खास बात यह रही कि यहां लॉकडाउन के हर उस

गुरुग्राम के सिद्धेश्वर मंदिर में रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देते संस्थाओं के पदाधिकारी।

नियम का पालन किया गया, जो कि सरकार द्वारा गाइडलाइंस में शामिल है। बाहर गेट पर ही ऑटोमेटिक सैनिटाइजेशन की मशीनें लगाई गई थी। सोशल डिस्टेंस के लिए फर्श पर चिन्ह लगाए गए थे। गेट पर ही सभी को सैनिटाइज करने के साथ मास्क, गलाउस, शू कवर आदि पहनाकर ही प्रवेश दिया जा रहा था। स्कूल में रक्त की कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद में बस में रक्त लिया जा रहा था।

यहां मेवात मित्र मंडल की ओर से संपर्क प्रमुख मोहित गुप्ता, दीपक रोहिल्ला, सुभाष, हरीश, सेवा भारती गुरुग्राम की ओर से अध्यक्ष अशोक, सचिव रामसजन, सहसचिव संतोष, मुस्कान केयर फाउंडेशन से अध्यक्ष नीरज बंसल और महासचिव अनिल अग्रवाल समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नीरज बंसल ने बताया कि सभी रक्तदाताओं को अच्छा आहार देने के साथ उन्हें टी-शर्ट, सर्टिफिकेट भी यहां दिया गया। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के बीच जिस तरह से लोगों ने यहां पर रक्तदान करने में दिलचस्पी दिखाई है, उसके लिए सभी का धन्यवाद। मेवात मित्र मंडल के संपर्क प्रमुख मोहित ने भी सभी रक्तदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से शिविर संपन्न और सफल हुआ है। सेवा भारती के अध्यक्ष अशोक ने कहा कि जनसेवा के लिए गुरुग्राम में लोगों ने खूब साथ दिया है। हर क्षेत्र पर लोग खड़े रहे हैं। यही हमारी एकता, संस्कृति की खूबसूरती है।

रक्तदान है सबसे महान दान : कोहली

गुरुग्राम। जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से रविवार को यहां कृष्णा चौक स्थित सात फेरे वाटिका में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। द यूथ फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस शिविर का शुभारंभ क्रिकेटर विराट कोहली के भाई विकास कोहली ने किया।

यहां अपने संबोधन में विकास कोहली ने कहा कि रक्तदान करने से कई लोगों की जिन्दगी बचाई जा सकती है। हमारे अपने शरीर में भी रक्त संचार सही रहता है। समाज में हर वर्ग के व्यक्तियों एवं युवाओं को

गुरुग्राम में कृष्णा चौक पर आयोजित वाटिका में रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते क्रिकेटर विराट कोहली के भाई विकास कोहली

बढ़-चढ़कर रक्तदान करना चाहिए। रेडक्रास सोसायटी का समाज सेवा में अहम योगदान रहता है। रक्तदान सबसे महान दान है। जिला रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष एवं जिला उपायुक्त गुरुग्राम अमित खत्री के मार्गदर्शन में लगाए गए इस शिविर में द यूथ फाउंडेशन के अध्यक्ष धर्मेंद्र

4 पॉजिटिव, 3 डिस्चार्ज के साथ आंकड़ा 209

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीती रात कोरोना के दस मामलों के बाद रविवार को देर शाम तक चार और मामलों की पुष्टि जिला स्वास्थ्य विभाग ने की है। जिससे कोरोना पॉजिटिवों की संख्या का आंकड़ा 209 पर पहुंच गया। लेकिन वहीं दूसरी तरफ रविवार को जहां चार पॉजिटिव आए है तो तीन मरीजों की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। जिसमें दो महिलाओं सहित तीन लोग शामिल है।

यहां से है पॉजिटिव

रविवार को ऑटोपिन झुग्गी निवासी 35 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया। गत 15 मई को पॉजिटिव पाए गए एक फैक्ट्री के वर्कर जो तिलक नगर का निवासी है के सम्पर्क में आने से पॉजिटिव हुआ है।

भगत सिंह कालोनी में रहने वाली 15 वर्षीय एक किशोरी भी पॉजिटिव पाई गई है। उसे विभाग ने होम आईसोलेट किया है। सेक्टर-23 निवासी एक 36 वर्षीय गर्भवती पॉजिटिव पाई गई है। उसे भी होम आईसोलेट किया गया। वहीं चावला कालोनी निवासी 55 वर्षीय एक व्यक्ति भी पॉजिटिव पाया गया है। उसका सैम्पल एक पॉजिटिव व्यक्ति के सम्पर्क में आने पर लिया गया था।

कोरोना का खतरा

यह हुए ठीक

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ठीक होने वालों में सीही गांव सेक्टर आठ निवासी एक 39 वर्षीय युवक है। वह सेक्टर-25 स्थित एक कम्पनी में काम करता है। वह गत 15 मई को पॉजिटिव पाया गया था। वहीं ऑटोपिन झुग्गी निवासी एक 50 वर्षीय महिला भी ठीक होकर घर लौटी है, वह भी किसी के सम्पर्क में आने से पॉजिटिव हुई थी। बाड़ मोहल्ला ओल्ड फरीदाबाद निवासी एक 38 वर्षीय महिला भी ठीक हुई है। वह कोरोना पॉजिटिव पाए गए अपने मृतक रिश्तेदार के सम्पर्क में आई थी।

यह है आंकड़ा

कोरोना के नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिला में अब तक 9725 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 3345 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 6374 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 9516 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 9288 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 8530 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 549 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 209 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 78 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा 7 पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 118 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक छह मरीजों की मौत हो चुकी है जिसमें कोरोना के साथ-साथ अन्य विभिन्न बीमारियां भी कारण रही।

पंचकुला की महिला पॉजिटिव

विदेशों से लौटे हरियाणा निवासियों को फरीदाबाद में ही 14 दिनों के लिए क्वारेंटाइन किया गया है। इन सभी के पिछले दिनों सैम्पल लिये गए थे। जिसमें इंग्लैंड से लौटी महिला पॉजिटिव पाई गई। महिला सूरजकुंड स्थित होटल में क्वारेंटाइन थी। महिला मूलरूप से पंचकूला की रहने वाली है। स्वास्थ्य विभाग ने महिला को होटल में ही आइसोलेट कर दिया है और इस संबंध में पंचकूला स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी है।

विदेश से लौटने वाले लोगों को सूरजकुंड सहित शहर के विभिन्न होटल, धर्मशालाओं में 14 दिन के लिए क्वारेंटाइन किया गया है। सीएमओं डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि पिछले दिनों पंचकूला की रहने वाली इंग्लैंड से लौटकर भारत आई महिला की कोरोना जांच हुई थी। महिला की रिपोर्ट रविवार सुबह पॉजिटिव आई। महिला में कोरोना के लक्षण नहीं है। इसलिए उसे होटल में ही क्वारेंटाइन किया गया है।

कोरोना संदिग्ध व्यक्ति की अस्पताल में मौत

फरीदाबाद। सेक्टर-21बी निवासी एक युवकी की मौत बीके सिविल अस्पताल में हो गई। युवक को उसके परिजन बुखार, खांसी व गले में दर्द की शिकायत पर लेकर शनिवार को अस्पताल पहुंचे थे। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। विभाग ने सूचना पर पुलिस की उपस्थिति में युवक का अंतिम संस्कार कोविड-19 की गाईडलाइन के तहत करवाया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-21बी निवासी 21 वर्षीय एक युवक को उसके पिता ने गत शनिवार की रात को बीके अस्पताल में दाखिल कराया था। युवक को खांसी, गले में दर्द व बुखार की समस्या थी। रविवार सुबह उसने बीमारी के कारण दम तोड़ दिया। युवक के पिता के मुताबिक पुलिस को सूचना दी गई। वहीं अपातकालीन कक्ष में युवक की मौत के बाद हडकंप मच गया। मरीजों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर कुछ समय के लिए अपातकालीन कख को सील कर दिया गया तथा अपातकालीन कक्ष को सैनिटाइज किया गया। अपातकालीन कक्ष में तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि युवक की हालत काफी गंभीर थी। वहीं डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत ने बताया कि मृतक को कोरोना नहीं था, फिर भी हमने एहतियात के दौरान पर कोविड 19 की गाइडलाइन के अनुसार नगर निगम के माध्यम से उसका अंतिम संस्कार कराया है। रविवार को दोपहर लगभग तीन बजे उसका अंतिम संस्कार कराया गया।

काजल देश सेवा के लिए कर रही तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अलावलपुर निवासी काजल तेवतिया देश की सेवा के लिए लॉकडाउन में तैयारी की रही है। गोस्वामी गणेशदत्त सनातन धर्म महाविद्यालय प्रथम वर्ष कला संकाय की छात्रा काजल तेवतिया स्कूल के समय में जिले का राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी है। काजल ने वर्ष 2017 में भारतीय एथलेटिक संघ के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पैदल चाल दौड प्रतियोगिता में 10 किलोमीटर में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन दिखाकर जिले का मान बढाया था। जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर के कहने पर अभ्यास कर खेलों में भाग लेना शुरु किया था। वर्ष 2019 में नेपाल में आयोजित अंतराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता बनकर जिले का नाम रौशन किया। काजल तेवतिया ने महाविद्यालय में एनसीसी लेकर लॉकडाउन के समय में स्लोगन और योगा प्रतियोगिता में भी भाग लिया है और अपनी पढाई के पश्चात सेना में जाने का विचार बना रखा है, जिससे वो अपने देश की सेवा कर सके।

काजल तेवतिया ने लॉकडाउन के समय में कुश्ती के नियमित अभ्यास के लिए घर पर अखाडा तैयार कर लिया है। नियमित अभ्यास कर आने वाली जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रहे। काजल का कहना है कि बेटियों को किसी भी क्षेत्र में बढ़ चढ़कर अपनी काबिलियत का प्रदर्शन कर भारतवर्ष की सेवा के लिए तैयार रहना चाहिए।

अभियान के तहत किया जागरूक

फरीदाबाद। हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने 'जागो अभिभावक जागो अभियान' जारी रखते हुए रविवार को अभिभावकों की एक बैठक आयोजित की। जिसमें कुछ निजी स्कूलों के पेरेंट्स एसोसिएशन के एक-एक प्रतिनिधि ने भाग लेकर इन स्कूलों में जारी मनमानियों के बारे में मंच को जानकारी दी।

बैठक में मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा, प्रदेश संरक्षक सुभाष लांबा, जिला अध्यक्ष शिव कुमार जोशी, सचिव डॉ. मनोज शर्मा, सलाहकार बीएस विर्दी, अभिभावक अंकित सिंघल, आशीष गुप्ता, आरपी सिंह, जितिन मंगला, दीपक, जितिन गौड़ ने भाग लिया। इन सभी अभिभावकों ने मंच को आश्वस्त किया कि वह पेरेंट्स एसोसिएशन को मजबूत करके अभिभावकों को एकजुट व जागरूक करेंगे और मंच को अपना पूरा समर्थन प्रदान करते रहेंगे।

गर्मी में चढ़ गया तीमारदार और चिकित्सक का पारा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके सिविल अस्पताल में कुछ चिकित्सक मरीजों के इलाज में लापरवाही बरत रहे है, तो वहीं दूसरी तरफ उनके द्वारा बरती जा रही लापरवाही को उज्जागर करने वाले मीडिया कर्मियों पर वह अपना गुस्सा निकाल रहे है। इसका उदाहरण रविवार को अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में देखा गया।

यह है पूरा मामला

डबुआ कॉलोनी की रहने वाली नेहा के पति गौरव खुराना को पथरी है। नेहा रविवार को गौरव को इलाज के लिए बीके अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में लेकर पहुंची। जहां डॉ. स्मृति धामी की ड्यूटी थी। नेहा का आरोप है कि उसने कई बार गौरव की खराब तबियत का हवाला देखकर डॉ. स्मृति से जांच करने के लिए कहा। लेकिन डॉ. स्मृति ने कोई ध्यान नहीं दिया। वहीं गौरव की खराब तबीयत की वजह से वह खडे-खड़े अपातकालीन कक्ष के कोरिडोर में बेहोश होकर गिर गया। जिस पर नेहा ने हंगामा करना शुरू कर दिया और हंगामें के दौरान उनके चिकित्सक के कक्ष के शीशे तोड़ दिए। हंगामे की सूचना जब मीडिया कर्मियों को मिली, तो वह अपातकालीन कक्ष में कवरेज के लिए पहुंच गए। कवरेज कर रहे मीडियाकर्मियों के साथ डॉ. स्मृति धामी ने अभद्र व्यवहार और उन्हें गाली गलौच शुरू कर दी। घटना की सूचना पाकर वरिष्ठ अधिकारी डॉ. रचना शर्मा मौके पर पहुंच गई और उन्होंने नेहा को समझाया और नेहा के हाथ में चोट लग गई थी और उसकी भी पट्टी कराई। वहीं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहुजा और डॉ. विकास शर्मा ने डॉ. स्मृति की तरफ से माफी मांगी। उन्होंने बताया कि अपातकालीन कक्ष में एक युवक की मौत हो गई थी। इसके चलते अपातकालीन कक्ष को सैनिटाइज किया गया था। इस वजह से इलाज में देरी हो गई। वहीं महिला डॉक्टर ने मीडिया कर्मी सहित अन्य लोगों के दुर्व्यवहार भी किया। हंगामे की सूचना पाकर बीके चौकी की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

रंजिश में चार युवकों पर किया हमला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ शहर की तिरखा कॉलोनी में आयोजित शादी समारोह से घर लौट रहे युवकों की गाड़ी को घेरकर कुछ लोगों ने रंजिश को लेकर हमला कर दिया। घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

तिगांव निवासी जयप्रकाश, दिनेश, खेमचंद व अजय ने अपनी शिकायत में कहा है कि 17 मई को उनके छोटे भाई की शादी थी। बारात तिरखा कॉलोनी में गई थी। बारात से वे वापस तिगांव जा रहे थे। जब वह मिर्जापुर मोड पर पहुंचे तो पीछे से आई कार ने ओवरटेक कर उनकी गाड़ी को रूकने का इशारा किया। जिस पर उन्होंने अपनी गाड़ी रोक ली। तभी पीछे से दो कार और आ गई। तीनों गाडियां में सवार तिगांव निवासी दिनेश, नरेंद्र, अभिषेक, अनुज, दीपक, बहादर, सौरभ, महीपाल, प्रवीण और अन्य लोग और उनके साथ थे। सभी ने अपने मुंह पर कपड़ा बांध रखे थे। आरोपियों ने सभी ने उन पर हमला शुरू कर दिया।

शिविर में 31 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

फरीदाबाद। ग्राम पंचायत भनकपुर में कोरोना वैश्विक महामारी के चलते तीसरी बार रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। रक्तदान शिविर में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन ग्रेटर फरीदाबाद का विशेष सहयोग रहा। मुख्य अतिथि हरियाणा रेडक्रॉस डिप्टी चैयरमैन सुषमा गुप्ता व विशिष्ट अतिथि जिला रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार ने शामिल हो रक्तदाताओं का हौसला अफजाई की और कहा की लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में रक्तदान शिविर का आयोजन करना चाहिए, कैम्प में 31 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया।

बोहरे की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के सौजन्य से गांव डींग की पंचायत वाटिका में स्वर्गीय खड़क सिंह नंबरदार बोहर की पुण्य तिथि में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव भगत ने रिबन काटकर किया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक संस्था के महासचिव सुभाष गहलोत की देखरेख में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुभाष गहलोत ने बताया कि शिविर में 80 लोग आए जिनका परीक्षण के बाद 50 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के अध्यक्ष संत सिंह हुड्डा ने बताया कि संस्था हर वर्ष ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में रक्तदान शिविर का आयोजन करती है। रक्तदान से बड़ा पुण्य कार्य कोई नहीं है। रक्तदान महादान है।

संक्षिप्त समाचार

विधायक ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

फरीदाबाद। मिशन जागृति के द्वारा जाट संस्था के साथ मिलकर प्याली चौक जाट संस्था के प्रांगण में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर के संयोजक विकास कश्यप ने बताया कि इस महामारी के दौरान भी लोगों ने रक्तदान करने के लिए भरपूर सहयोग दिया और 25 यूनिट रक्त इस शिविर में एकत्रित हुआ। कैंप के मुख्यातिथि एनआईटी-86 के विधायक नीरज शर्मा रहे। उन्होंने कहा कि मिशन जागृति इस लॉकडाउन में और महामारी में बहुत ही नेक वह सराहनीय कार्य कर रही है। यह रक्तदान शिविर रोटरी क्लब आस्था के साथ मिलकर फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया के बच्चों के लिए लगाया गया। विवेक गौतम और सुनीता रानी ने कहा कि रक्तदान शिविर में डॉ. हेमंत अत्री और दीपक प्रसाद की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर जाट संस्था के प्रधान वजीर सिंह रेढू ने कहा कि हम हमेशा मिशन जागृति के कामों में सक्रिय रूप से साथ रहे हैं और जाट संस्था की भूमिका इस महामारी में हमेशा ही सकारात्मक रहेगी। रक्तदान शिविर में अशोक भेटेजा, दिनेश राघव, गुरनाम सिंह, विकास कुमार, दिनेश सिंह, महेश आर्य, राजेश भूटिया, विपिन शर्मा, प्रवीण शर्मा, विशाल, कल्पना, पूनम, सुनीता, प्रीति, निर्दोश सैनी, अवतार सिंह फागना, गुरमीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, धर्मेंद्र, दिनेश, मुकेश, संजय पाल मौजूद रहे।

पार्षदों ने भेंट की कोरोना की होम्योपैथिक दवाई

फरीदाबाद। वार्ड नंबर 28 के पार्षद नरेश नंबरदार ने जिले के सभी पार्षदों को कोरोना से लड़ने के लिए होम्योपैथिक दवाई भेंट की सभी पार्षदों ने नरेश नंबरदार का धन्यवाद किया। नरेश नंबरदार ने बताया कि पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल के आवाह्न पर हर एक परिवार को कोरोना होम्योपैथिक दवाई भेंट की जा रही है। इसी कड़ी में मैंने फरीदाबाद के सभी पार्षदों को कोरोना होम्योपैथिक दवाई भेंट की। नरेश नंबरदार ने बताया कि यह दवाई शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में कारगर साबित होगी और नरेश नंबरदार ने लोगों से अपील की, कि इस दवाई को 3 दिन तक खाली पेट 4 गोलियां लेनी है। नरेश नंबरदार ने लोगों से अपील की, कि इस कोरोना महामारी से निपटने के लिए लोगों को प्रशासन का सहयोग करना चाहिए और जरूरी काम हो तो ही घर से बाहर निकलना चाहिए। नरेश नंबरदार ने लोगों से हाथ जोड़ कर अपील की, कि घर में रहें सुरक्षित रहें अपने और अपने परिवार का ख्याल रखें।

हत्या की गुत्थी सुलझी, आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के मिल्क प्लांट रोड पर पानी की टंकी के पास हुई युवक की हत्या की गुत्थी को अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने सुलझा लिया है। पुलिस ने मृतक की पहचान करने के बाद परिजनों से की गई पूछताछ के आधार पर जांच की तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक 21 मई को मिल्क प्लांट रोड पर एक युवक खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ था। किसी ने तेज धारदार हथियार से युवक का गला रेता हुआ था। लोगों की सूचना पर पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक की पहचान ऊंचा गांव निवासी चरण सिंह उर्फ लड्डू के रूप में हुई थी। इस मामले की जांच पुलिस आयुक्त केके राव ने अपराध शाखा डीएलएफ के प्रभारी संजीव कुमार को सौंपी थी। उन्होंने अपनी टीम के साथ मामले की गहनता के साथ जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के भाई सतपाल से मामले को लेकर पूछताछ की। जिसमें सतपाल ने बताया कि मृतक चरण सिंह पर वर्ष 2010 में बिल्लू उर्फ दुलीचंद सैनी की हत्या का आरोप लगा था। जिसके बाद से दुलीचंद के परिवार से चरण सिंह की रंजिश चल रही थी। जिसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर दुलीचंद के भतीजे सुरेंद्र उर्फ कल्लू को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। आरोपी ने छह महीने पहले हत्या की साजिश रची थी। आरोपी मृतक को बहका कर अपनी बाइक पर बैठा कर ले गया था। चरण सिंह की हत्या के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य

श्रमिक स्पेशल ट्रेन में यात्री की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हृदयघात से एक यात्री की मौत श्रमिक स्पेशल ट्रेन में हो गई। यात्री ट्रेन के जरिये अपने साले के साथ मुंबई से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के लिए जा रहा था। फरीदाबाद में ट्रेन पहुंचने पर उसकी जांच की गई, तो चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों को रविवार को शव सौंप दिया गया।

ऐसे हुई मौत

हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के रहने वाले बाबूराम मुंबई में अपने साले सुरेश कुमार के साथ टैक्सी चलाता था। लॉकडाउन के कारण टैक्सी का काम बंद था। जिससे दोनों वहां बेरोजगार हो गए। दोनों मुंबई से श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार हुए। दोनों ने शनिवार सुबह को कोटा रेलवे स्टेशन के निकट खाना खाया था। इसके बाद 67 साल के बाबूराम का स्वास्थ्य खराब हो गया। इससे की सुरेश कुमार ने किसी यात्री से ईनो की गोली लेकर बाबूराम को खिलाई। जिससे उसकी हालत में कुछ सुधार हो गया। मथुरा रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर बाबूराम का दौबारा स्वास्थ्य खराब होने की शिकायत होने लगी। सुरेश कुमार ने रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी। कंट्रोल रूम ने आरपीएफ फरीदाबाद को ट्रेन अटैंड करने के लिए कहा। जानकारी मिलने पर आरपीएफ एसएचओ राजकपूर लांबा और जीआरपी से सबइंस्पेक्टर राजपाल सिंह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ प्लैटफॉर्म पर पहुंच गए।

आज मनेगी ईद, लॉकडाउन में हुई खरीदारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देशभर में सोमवार को ईद मनाई जाएगी। शनिवार को देशभर में कहीं से चांद दिखने की इत्तला नहीं मिली है। लिहाज़ा ईद उल फित्र रविवार की बजाय सोमवार को मनाई जाएगी। वहीं पूरे शहर में जहां एक तरफ रविवार को लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए सभी व्यापारियों ने दुकाने बंद रखी, वहीं दूसरी तरफ ओल्ड फरीदाबाद में ईद की खरीदारी जारी रही।

जानकारी के मुताबिक कोरोना वायरस और लॉकडाउन के चलते प्रशासन की तरफ से लोगों से अपील की है कि बेहद सादगी के साथ घरों में रहकर ईद मनाएं। नमाज़ भी घर में ही अदा करें। बता दें कि ईद-उल-फित्र मुस्लिमों का सबसे बड़ा त्योहार है, जो रमजान के महीने के पूरा होने पर मनाया जाता है। इस बार ईद का त्योहार 25 मई को मनाया जाएगा। दरअसल, ईद-उल-फित्र का त्योहार रमजान के 29 या 30 रोजे रखने के बाद चांद देखकर मनाया जाता है। ईद-उल-फित्र के साथ ही रमज़ान का महीना खत्म हो जाता है। ईद-उल-फित्र के साथ इस्लामिक कलैंडर शव्वाल के महीने की शुरुआत होती है। ईद का दिन एकमात्र ऐसा दिन होता है जिस दिन रोज़ा यानी उपवास नहीं रखा जाता। ईद के चांद का दीदार होने के बाद यानी शव्वाल का महीना शुरू होने के साथ ईद मनाई जाती है, इसलिए दुनियाभर में इसकी तारीख अलग-अलग होती है।

यह की अपील

ईद की नमाज़ जमात के साथ यानी ग्रुप में पढ़ी जाती है। लेकिन इस बार कोरोना संकट को देखते हुए सभी धार्मिक स्थल बंद हैं, इसलिए मस्जिद में नमाज अदा करने की इजाजत नहीं है।

संशोधित बिल के विरोध में 1 जून को मनाएंगे काला दिवस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देशभर के बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर बिजली निजीकरण के प्रस्तावित बिजली संशोधित बिल-2020 के लिए 1 जून को काला दिवस मनाएंगे। जिसके तहत बिजली कर्मचारी एवं अधिकारी काले बिल्ले लगाकर सब डिवीजन स्तर विरोध प्रर्दशन करेंगे और बिल के ड्राफ्ट को वापस लेने की मांग करेंगे। काला दिवस में हरियाणा के बिजली कर्मचारी बढ चढ कर शामिल होने का निर्णय लिया है। इसकी तैयारियों को लेकर रविवार को आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन की सर्कल कमेटी फरीदाबाद की सेक्टर-7 जिला कार्यालय में मीटिंग का आयोजन किया गया। सर्कल सचिव अशोक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस मीटिंग में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष एवं एएचपीसी वर्कर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष लांबा,आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के उप प्रधान सतपाल नरवत व केन्द्रीय कमेटी के सदस्य शब्बीर अहमद गनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सर्कल कमेटी की मीटिंग में 1 जून को बिजली निजीकरण के सब डिवीजन स्तर पर काले बिल्ले लगाकर प्रर्दशन करने का फैसला लिया गया है।

इलेक्ट्रिसिटी इंप्लईज फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष व एनएचपीसी वर्कर यूनियन के वरिष्ठ उप प्रधान सुभाष लांबा ने मीटिंग में बोलते हुए कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बिजली वितरण के निजीकरण की घोषणा में कहा गया है कि नई टैरिफ नीति में सब्सिडी व क्रास सब्सिडी समाप्त कर दी जाएगी और किसी को भी लागत से कम मूल्य पर बिजली नहीं दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि अभी किसानों, गरीबी रेखा के नीचे और 500 यूनिट प्रति माह बिजली खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी मिलती है, जिसके चलते इन उपभोक्ताओं को लागत से कम मूल्य पर बिजली मिल रही है। अब नई नीति और निजीकरण के बाद सब्सिडी समाप्त होने से स्वाभाविक तौर पर इन उपभोक्ताओं के लिए बिजली महंगी होगी। उन्होंने आँकड़े देते हुए बताया कि बिजली की लागत का राष्ट्रीय औसत रु.06.73 प्रति यूनिट है और निजी कंपनी द्वारा एक्ट के अनुसार कम से कम 16 प्रतिशत मुनाफा लेने के बाद रु.8 प्रति यूनिट से कम दर पर बिजली किसी को नहीं मिलेगी। इस प्रकार एक किसान को लगभग 6000 रु. प्रति माह और घरेलू उपभोक्ताओं को 6000 से 8000 रु. प्रति माह तक बिजली बिल देना होगा। उन्होंने कहा कि निजी वितरण कंपनियों को कोई घाटा न हो इसीलिये सब्सिडी समाप्त कर प्रीपेड मीटर लगाए जाने की योजना लाई जा रही है। अभी सरकारी कंपनी घाटा उठाकर किसानों और उपभोक्ताओं को बिजली देती है। उन्होंने कहाकि सब्सिडी समाप्त होने से किसानों और आम लोगों को भारी नुकसान होगा जबकि क्रास सब्सिडी समाप्त होने से उद्योगों और बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को लाभ होगा।

मीटिंग में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा के अलावा एनएचपीसी वर्कर यूनियन के राज्य व सर्कल कमेटी के पदाधिकारी सतपाल नरवत,शब्बीर अहमद गनी, रमेश चंद्र तेवतिया, कृष्ण कुमार, गिरीश चंद्र,भूप सिंह, सतीश छाबड़ी, दिनेश शर्मा,डिगम्बर सिंह आदि मौजूद थे।

रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। मोहना रोड स्थित पूर्व मुख्य संसदीय सचिव शारदा राठौर के कार्यालय पर रोटरी ब्लड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट व बादशाह खान अस्पताल (ब्लड बैंक) के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन शारदा राठौर, हरियाणा रेडक्रॉस की वाइस चेयरमैन सुषमा गुप्ता, फरीदाबाद के सचिव विकास कुमार ने किया। इस अवसर पर शारदा राठौर ने कहा कि कोरोना बीमारी के चलते विभिन्न संस्था सहयोग के लिए आगे आ रही है। इसी के तहत कार्यालय पर रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील की है कि कोरोना बीमारी मे लाकडाउन के चलते सभी घरों में रहे और सोशल डिस्टेंस का ध्यान रखें। घरों में रहकर ही कोरोना बीमारी को हम देश से भगा सकते हैं। शिविर में रोटरी क्लब से डॉ हेमंत, दीपक प्रसाद शर्मा के साथ राजेश भाटी, वीरेंद्र गौड, देवेंद्र त्यागी, विनय राठौर का विशेष सहयोग रहा।

बंगाल में तबाही

अम्फान का भयानक प्रभाव

हालांकि, 1999 के सुपर साइक्लोन में 10,000 से अधिक लोग मारे गए थे और उसकी तुलना में अम्फान से मरने वालों की संख्या केवल 80 है, लेकिन इसका कारण शीघ्र चेतावनी प्रणाली तथा आपदा प्रबंधन की बेहतर तैयारी है। इस तूफान ने पिछले दो दशकों की सबसे भयानक विभीषिका को जन्म दिया है। 50,000 लोगों को निकालने के बावजूद 185 किलोमीटर प्रति घंटे चलने वाली हवा ने कोलकाता का चेहरा विकृत कर दिया है। शहर में लगे 9,000 से अधिक बड़े पेड़ गिर गए हैं जो इसे गरिमा प्रदान करते थे। तूफान ने पार्क स्ट्रीट पर भयानक तबाही मचाई जिससे इमारतों में लगे सारे कांच टूट गए। अनेक क्षेत्रों में सेलफोन टावर व बिजली की सप्लाई भी बाधित हुई। कोलकाता हवाईअड्डा तालाब जैसा लग रहा था। टूटी-फूटी कारों व धातुओं के टुकड़े घरों में घुस गए तथा मलबे, गिरे पेड़ों व खंभों ने लोगों के जीवन, आजीविका व पहचान को तबाह कर दिया। आधिकारिक रूप से विनाश एक लाख करोड़ रुपये का हुआ है, पर भावनाओं और संस्कृति के पुनर्निर्माण में सैकड़ों साल लगेंगे। अम्फान के कारण पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील सुंदरबन क्षेत्र और उसकी जनता को भयानक नुकसान पहुंचा है। यूनेस्को स्थल के रूप में विख्यात इस द्वीप का बड़ा हिस्सा समुद्र में डूब गया है। खारा पानी कृषि भूमि पर फैल गया है और अधिकारियों को भय है कि इससे दो लाख से अधिक धान किसान भयानक रूप से प्रभावित होंगे। कोई नहीं जानता कि लगभग 100 बाघ सुरक्षित हैं या नहीं। समुद्री परिस्थितिकी में रातोंरात परिवर्तन से मैंग्रूव वनों का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है। पिछले नवंबर में

साइक्लोन बुलबुल से भी सुंदरबन का यही क्षेत्र प्रभावित हुआ था और राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार से 23,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी थी। इस पैकेज पर राजनीतिक रस्साकशी जारी थी कि अम्फान आ गया। बंगाल भारत की खाद्य व्यवस्था में 15 प्रतिशत योगदान देता है, इस प्रकार पूरा देश आपदा से प्रभावित होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी कारण तूफान पर राजनीति न करने का आह्वान किया था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित प्रतिक्रिया करते हुए हवाई निरीक्षण के बाद 1,000 करोड़ का पैकेज दिया है। हालांकि, मीडिया कवरेज में कुछ पूर्वाग्रह दिखाई दिया है, पर राहत व पुनर्वास के मामले में किसी पक्ष को राजनीति नहीं करनी चाहिए। कोविड-19 महामारी के समय कोई नहीं चाहता है कि बंगाल एक खतरनाक हाटस्पाट बन जाए।

हालांकि, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल-एनडीआरएफ ने बंगाल और ओडिशा में बड़े पैमाने पर लोगों को प्रभावित क्षेत्र से बाहर निकाला है, पर इसकी टीमों के सामने पुनर्वास तथा बीमारी नियंत्रण की दुहरी चुनौती है। राज्य की पुलिस और अग्निशमन विभाग की सहायता के बावजूद लोगों का जीवन बचाना कठिन काम था। फानी से मिले सबक एनडीआरएफ के काम आए और उसने सर्वाधिक खतरे वाले क्षेत्रों में पहले से ही पेड़ व खंभे काटने वाली मशीनें लगा दी थीं। इसी कारण राज्य में 24 घंटे के भीतर एक सीमा तक बिजली व्यवस्था बहाल हुई। लेकिन विस्थापित लोगों का पुनर्वास एक बड़ी समस्या है। हालांकि, तूफान शरणस्थलों में 1,000 से अधिक लोग रह सकते हैं, पर सोशल डिस्टेंसिंग के कारण उनमें केवल चार-पांच सौ लोग ही रखे गए हैं। राहत संबंधी तमाम सामग्री के परिवहन के साथ ही बचाव टीमों की जिम्मेदारी है कि शरणस्थलों में रहने वाले बीमारी से संक्रमित न हों। नियमित चिकित्सा परीक्षण के साथ घायलों को सहायता भी देनी है और इसके साथ ही कोरोना जांच भी जरूरी हो गई है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि लौटे हुए प्रवासी भी तूफान के इन विस्थापितों में शामिल हैं। स्पष्ट रूप से अम्फान तूफान ने पूर्वी भारत में भयानक मानवीय आपदा पैदा की है। कुछ ही दिनों के बाद मानसून आने वाला है, ऐसे में तटीय क्षेत्रों में व्याप्त यह विभीषिका व महामारी और भयानक रूप ले सकती है। अत: केन्द्र बनाम राज्य या सत्ता बनाम विपक्ष के टकराव से बचना बहुत जरूरी है।

स्वयं सहायता समूहों की सराहनीय भूमिका

उत्तर प्रदेश में सक्रिय स्वयं सहायता समूह मंचों ने स्थानीयकृत एवं समुदाय-प्रेरित प्रतिक्रिया का महत्व उजागर करते हुए उत्तर प्रदेश में महामारी के दौरान प्रभावशाली ढंग से काम किया है।

सुजीत कुमार
लेखक आईएएस तथा यूपीएसआरएलएम के मिशन निदेशक हैं

सुमन देवी उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की हसनपुर ग्राम पंचायत में एक स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं। जब से उन्होंने टेलीविजन पर कोविड-19 वैश्विक महामारी एवं मास्क की जरूरतों के बारे में खबर सुनी है, वो अपने समूह के भीतर महिलाओं, उनके बच्चों एवं समुदाय के वृद्धों के लिए मास्क सिलने में लगी हुई हैं। बिजनौर के नारी शक्ति समूह की सदस्य, काजल, अपनी रंगोलियों के माध्यम से समुदाय में जागरूकता पैदा करने हेतु काम कर रही हैं। उनका मानना है कि उनके समुदाय को बार-बार हाथ धोते, लाकडाउन एवं सामाजिक दूरी मानकों का पालन करते देखने का यह बहुत प्रभावी तरीका है। सुमन और काजल जैसों की तरह, आज, संपूर्ण उत्तर प्रदेश में, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) की कोविड-19 प्रतिक्रिया रणनीति का अहम हिस्सा बन गई हैं। बाद में, उनकी संलिप्तता कोई छोटे पैमाने तक सीमित नहीं रही है। इसका अर्थ है कि यह स्वयं सहायता समूहों के कुछ सदस्यों अथवा चंद स्वयं सहायता समूहों तक सीमित नहीं है और यह आंदोलन तेजी से जिलों में फैल गया है।

स्वयं सहायता समूह अब उत्तर प्रदेश सरकार की कोविड-19 रणनीति के कुछ पहलुओं के साथ गहराई से जुड़ गए हैं। मास्क उत्पादन का ही उदाहरण ले लीजिए। जैसे ही महामारी फैलने की खबरें सामने आईं, स्वयं सहायता समूह के कुछ सदस्यों, यथा सुमन, ने अपने समुदायों के संरक्षण हेतु मास्क उत्पादन प्रारम्भ कर दिया। मगर आज राज्य में हजारों की संख्या में स्वयं सहायता समूह मास्क उत्पादन में लग गए हैं। जिस काम की शुरुआत एक जिले में मात्र पांच स्वयं सहायता समूहों से हुई थी, जहां रोज 2,000 मास्क बनाए जा रहे थे, अब 52 जिलों के 12,683 स्वयं सहायता समूह सदस्यों द्वारा रोज लगभग 50 हजार मास्क बनाए जा रहे हैं और ये संख्या प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

जबकि स्वयं सहायता समूह बड़े पैमाने पर मास्क उत्पादन कर रहे हैं, जिला प्रशासन कच्चे माल की आपूर्ति जारी रखने की दिशा में काम कर रहा है। असलियत में, कच्चे माल के तौर पर खादी का इस्तेमाल मास्क बनाने के लिए जारी है। उत्तर प्रदेश के खादी एवं ग्राम उद्योग बोर्ड ने 50 लाख खादी के मास्क बनाने के लिए 6 लाख मीटर कपड़ा देने का संकल्प लिया है, जिन्हें विविध सरकारी विभागों में 23.60 रुपए प्रति पीस की दर से बेचा जाएगा। दूसरी ओर, भारतीय सेना ने 2,000 पीपीई किट खरीदने के लिए आदेश दिया है जिनका विनिर्माण भी स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है। आंकड़े दर्शाते हैं कि अब तक, 50 लाख से अधिक मास्क, 25,000 पीपीई किटें एवं 7,700 लीटर सैनीटाइजर 4,000 स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित किया जा चुका है। इस बीच, सरकार यह सुनिश्चित करने में लगी है कि खरीद की प्रक्रिया उचित ढंग से हो। यह स्वयं सहायता समूहों के लिए आय का अतिरिक्त स्रोत भी बन गया है। स्वयं सहायता समूहों की संलिप्तता केवल कोविड-19 नियंत्रण वस्तुएं बनाने तक ही सीमित नहीं है। उन्हें कुछ जागरूकता फैलाने हेतु संप्रेषण अभियान चलाने एवं संकट के दौरान खाद्य वितरण एवं मुहैया कराने हेतु प्रयासों को लागू करने के लिए परियोजित किया गया है।

जागरूकता निर्माण के मोर्चे पर, स्वयं सहायता समूह की सदस्य बहनों को वायरस के विरुद्ध सावधानी बरतने संबंधी उपायों के बारे में शिक्षित करने हेतु एक रेडियो संदेश बनाया गया है, जिसमें महिलाओं से अपने समुदायों में इस बाबत जागरूकता फैलाने का आग्रह किया जाता है। स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित एवं प्रबंधित वर्तमान प्रेरणा कैंटीनों, जिनका गठन यूपीएसआरएलएम द्वारा परिवारों में पोषणकारी आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कुछ वर्ष पहले किया गया था, को कम्युनिटी किचनों में रूपांतरित कर दिया गया है और वे क्वारंटाइन किए गए लोगों, परिवारों एवं अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों को निरंतर पके भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु कठिन परिश्रम कर रहे हैं।

संकट के दौरान प्रेरणा कैंटीनों का सामुदायिक रसोईयों के रूप में पुनरोन्मुखीकरण 54 ग्रामीण संगठनों में किया गया है जो 12-15 स्वयं सहायता समूहों के समुच्चय हैं। फिर, स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण संगठनों के बीच प्रयासों के समन्वय हेतु एक समूह सखी का चयन किया जाता है। कुछ इलाकों में जहां स्वयं सहायता समूह स्थानीय प्रशासन के साथ किट रहकर काम करते हैं, सदस्य पंचायतों द्वारा संचालित अस्पतालों को भोजन मुहैया करा रहे हैं। अब कटाई के उपरांत कृषिक वस्तुओं की खरीद तथा अनिवार्य वस्तुओं एवं आवश्यक वस्तुएं मुहैया कराना सुनिश्चित कराने के लिए स्वयं सहायता समूहों एवं निजी तथा विकास अभिकरणों के बीच साझीदारी स्थापित किए जाने की योजना है।

कोविड-19 के प्रति उत्तर प्रदेश की प्रतिक्रिया के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की शुरुआत में ही सफलता को सभी हिस्सेदारों द्वारा माना गया है। एक रेडियो संबोधन में, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह ने धन्यवाद दिया है तथा समूह सखियों से अपने प्रयासों में लगे रहने का आग्रह किया है। बीते वर्षों के दौरान, यूपीएसआरएलएम ने निवेश करने एवं इस सामुदायिक संस्था का निर्माण उन्हें कुछ मिशन के लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार व्यवस्था के रूप में करने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें टिकाऊ आजीविका संवर्धनों एवं वित्तीय एवं सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में सुधारों के द्वारा ग्रामीण गरीबों को अपनी पारिवारिक आमदनी बढ़ाने की क्षमता प्रदान करना शामिल है। स्वयं सहायता समूहों ने पुस्तिका रखना, वित्तीय साक्षरता तथा नेतृत्व का भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वे यूपीएसआरएलएम की दूरदृष्टि पर आधारित त्रिस्तरीय संगठनात्मक ढांचे का आधार निर्मित करते हैं जो स्वयं सहायता समूहों को ग्रामीण संगठनों एवं गुच्छ-स्तरीय परिसंघों में संगठित करता है। मिशन की महत्वाकांक्षा चरणबद्ध रूप से अगले 10-15 वर्षों में 10 मिलियन से अधिक महिलाओं को परियोजित करने की है।

अन्य राज्यों की भांति, लाकडाउन के पश्चात, उत्तर प्रदेश के समक्ष चुनौतियां कम होने वाली नहीं हैं। यद्यपि ये कदम आवश्यक थे, इसका अर्थ यह भी है कि देशभर में आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई हैं और लाखों लोगों की आजीविकाओं पर संकट आ गया है। उत्तर प्रदेश भी अपवाद नहीं है। यहां, हमारे सामने बहुत सी चुनौतियां विद्यमान हैं। इनमें शामिल हैं : खाद्य के अभाव का सामना कर रहे निर्बल ग्रामीण परिवारों के एक काफी बड़े हिस्से को राशन सुनिश्चित कराना, वापस लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों को आवश्यक चीजें उपलब्ध कराना, एवं कृषिक, पशुधन, मत्स्य व्यापार, एवं अन्य आपूर्ति श्रंखलाओं को लगे गंभीर झटके के प्रभाव को क्षीण करना, और इन सभी कारकों से पारिवारिक आमदनी को काफी चोट पहुंची है।

आंकड़े दर्शाते हैं कि निवासियों से परे, कमजोर जनसंख्या, वापस लौटने वाले प्रवासी श्रमिक, जिनकी संख्या लगभग 2.6 मिलियन होने की संभावना है, सभी को अपनी आजीविकाओं को पुन: स्थापित करने के लिए भोजन तथा धन की आवश्यकता होगी। इसका अर्थ है कि सरकार की मानव संसाधन क्षमता पर निकट भविष्य में काफी खिंचाव व दबाव पड़ने वाला है।

बीतें वर्षों के दौरान, विविध राज्यों से इस बात के काफी प्रमाण सामने आए हैं कि किस तरह स्वयं सहायता समूहों का इस्तेमाल एक ऐसे महत्वपूर्ण कार्यतंत्र के तौर पर किया जा सकता है जो सरकार की योजनाओं को लागू करने, स्थानीय समुदाय क्षमताएं निर्मित करने एवं नीगित हस्तक्षेप तय करने में मददगार हो सकता है। बहुत से मामलों में, हमने देखा है कि उनकी संलिप्तता के चलते बेहतर परिणाम निकले हैं और वित्तीय समावेशन के प्रयास सफल हुए हैं। वे खासतौर से व्यावहारिक बदलाव अभियानों को प्रेरित करने में प्रभावी रहे हैं, और प्राय: रोल माडल के तौर पर कार्य करते नजर आते हैं तथा अपने समुदाय के सदस्यों को उत्साहित करने का काम करते हैं।

हमने देखा है कि किस तरह उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों मंचों ने महामारी के प्रति प्रभावी प्रतिक्रियाशीलता दर्शायी है। इससे हमारे समक्ष स्थानीयकृत एवं समुदाय प्रेरित प्रतिक्रिया का महत्व भी उजागर हुआ है। कोविड-19 के मामले में, हम देख रहे हैं कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रेरित व्यवहार संप्रेषण को बदलता है तथा इन सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों को कम करने के आवश्यक अनिवार्य वस्तुएं तेज गति से अंतिम मील तक मुहैया कराने की व्यवस्था निर्मित करता है, तथा ये राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करते हैं।

परिवेश व जीवन शैली में समन्वय आवश्यक

> **“ एक समय ऐसा आ सकता है जब स्थानीय परिवेश सामान्य मानव जीवनशैली के उपयुक्त न रह जाए, जबकि दोनों में समन्वय जरूरी है। ”**

गुइन डायर
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

मैं कभी पूरी तरह पर्यावरणविदों की बात नहीं समझ पाया कि आखिरकार इतने अधिक लोग उनका संदेश क्यों नहीं समझते हैं। आप जानते हैं कि यदि किसी मेढक को उबलते पानी में डाला जाए तो वह फौरन कूद कर भाग जाएगा, पर यदि पानी को धीरे-धीरे गरम किया जाए तो शायद वह जान नहीं पाएगा। वह उसी पानी में रहेगा और उबल कर मर जाएगा। मैंने कभी यह प्रयोग नहीं किया और शायद मेढक भी इतने मूर्ख नहीं होते हैं। मुझे विश्वास है कि मनुष्य भी इतने मूर्ख नहीं होते हैं। फिर हस्टन के भले लोग ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ ऐसा प्रचार क्यों करते हैं कि उनके एक तिहाई शहर पानी में डूब जाएंगे? फिलीपीन के नागरिक टाइफून हैयान से 2013 में कम से कम 6,300 लोगों के मारे जाने के बाद अपने देश से यह मांग क्यों नहीं करने लगे कि कोयला जला कर बिजली पैदा करने पर निर्भरता घटाई जाए? 1999 में इतिहास के सबसे भयानक समुद्री तूफान में 15,000 लोगों की जान जाने के बाद ओडिशा राज्य में बचे लोग भारत में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने के खिलाफ लामबंद क्यों नहीं हुए?

आंशिक रूप से इसका कारण ऐसे आंकड़ों की कमी थी जिनसे सिद्ध होता कि ग्लोबल वार्मिंग से समुद्री तूफान ज्यादा खतरनाक होते जा रहे हैं। हालांकि मौसमविज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत तथा अनेक अन्य लोग इसे आसानी से मान लेते हैं। लेकिन इसके कोई प्रमाण नहीं थे।

हाल ही में सुपर-साइक्लोन अम्फान बंगाल की खाड़ी में पैदा हुआ। यह उन पांच समुद्री तूफानों की श्रेणी में है जिन्होंने केवल 36 घंटों में 175 किलोमीटर प्रति घंटे हवा की गति प्राप्त की थी। बुधवार को अम्फान के कारण पश्चिम बंगाल में 80, ओडिशा में 2 तथा पड़ोसी बांग्लादेश में 22 लोग मारे गए। भय है कि तूफान के कारण

कोरोनावायरस से मरने वालों की संख्या भी बढ़ेगी क्योंकि लोगों को भीड़ भरे शरणस्थलों में रखा गया है। शुरुआती आंकलनों के अनुसार, बांग्लादेश के अधिकारियों ने तूफान द्वारा ढांचागत संरचनाओं, मछलीपालन, मवेशीपालन, जल संसाधनों व कृषि को 106 मिलियन डालर नुकसान का अनुमान लगाया है। भारत के पूर्वी तट पर पूरे नुकसान का आंकलन अभी होना बाकी है। दोनों देशों में अधिकारियों ने अम्फान आने के पहले 3 मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित क्षेत्रों से बाहर निकाला। साइक्लोन, टाइफून व हरीकैन एक ही परिघटना के हिस्से हैं और सभी विनाशकारी हैं। जमीन पर हवायें तेजी से चलती हैं और तट के पास धीमे चलने से वे ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। बंगाल की खाड़ी के पास रहने वाले लोग जानते हैं कि तूफान ज्यादा खतरनाक होते जा रहे हैं। मई, 2008 में बर्मा के इरावदी डेल्टा में आए नर्गिस साइक्लोन से 1,40,000 लोग मारे गए थे। अमेरिका के पूर्वी समुद्री तट कैरीबियान तथा 'टाइफून वैली' के पश्चिमी सिरे पर रहने वाले लोग भी यह जानते हैं जिनमें फिलीपीन, चीन, कोरिया व जापान शामिल हैं। उनको प्रमाणों की जरूरत थी और अब वे मिल गए हैं। नेशनल ओसेनिक एंड एटमास्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन व मेडिसन के विस्कान्सिन विश्वविद्यालय द्वारा सोमवार को प्रकाशित आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि समुद्रों के गरम होने से हवा में पानी की भाप बढ़ती है तथा बड़े तूफान पैदा होते हैं। तूफानों की संख्या भले ही अधिक न हो, पर वे ज्यादा खतरनाक होते हैं।

वास्तव में किसी समुद्री तूफान के श्रेणी तीन या इससे ऊंची श्रेणी के हरीकैन बनने की संभावना हर दशक में 8 प्रतिशत बढ़ रही है। क्या यह केवल प्राकृतिक परिवर्तन है? जेम्स कोसिन के नेतृत्व में हुआ नया अध्ययन ऐसा नहीं मानता है। उनके अनुसार, 'हमें पूरा विश्वास है कि इन परिवर्तनों में मानवीय गतिविधियों की भूमिका है।' चार दशक के आंकड़ों से स्पष्ट है कि तीसरी श्रेणी या उससे ऊपर के हरीकैनों में 1980 के बाद एक तिहाई वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तन के अन्य सभी प्रभावों की तरह यह समस्या भी गंभीर होगी। औसत वैश्विक तापमान अब औद्योगीकरण-पूर्व से 1.1 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक है। इसके साथ ही हवा में मौजूद कार्बन डाईआक्साइड इसे आधा डिग्री और बढ़ा देती है। हर महीने, हर साल और हर दशक में पर्यावरण में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा बढ़ती जा रही है। इसके कारण समुद्री तूफान बढ़े हैं। आखिर एक समय ऐसा भी आ सकता है जब स्थानीय परिवेश सामान्य मानव जीवनशैली के उपयुक्त न रह जाए।

दुनिया की सबसे बड़ी खाड़ी-बंगाल की खाड़ी के निकट रहने वाले 500 मिलियन लोग भारी तूफानों और बाढ़ से विनाश के कगार पर पहुंच गए हैं जो समुद्री जलस्तर में वृद्धि से और संकटग्रस्त होते जा रहे हैं। दूसरे लोगों के लिए भी गर्मी और सूखे की स्थिति स्थाई होती जा रही है। कुछ स्थानों पर इससे अकाल पड़ सकता है। अगले 50 साल में दुनिया की कम से कम एक चौथाई जनसंख्या अपना आवास बदल सकती है। दुनिया के लगभग 8 अरब लोग परिवर्तनों से परेशान हैं। हाल ही में पर्यावरण वैज्ञानिकों के साक्षात्कारों से व्यापक विनाश की आशंका स्पष्ट होती है।

आप की बात

मजदूरों के अभाव की समस्या

विभिन्न प्रदेशों से प्रवासी मजदूरों का अपने गृह नगर लौटने का सिलसिला जारी है। जब देश में पहले लॉक डाउन की घोषणा केंद्र सरकार द्वारा की गई थी तो उसमें पीएम ने दूरदर्शन पर अपने संबोधन में स्पष्ट रूप से कहा था कि जो जहां है वही रहेगा। राज्य सरकारों और नियोक्ताओं ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया और मजदूरों को अपने कार्यस्थल पर जीवन उपयोगी आवश्यक सुविधाएं और आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने में असमर्थ रहे। अब अधिकांश मजदूर अपने मूल स्थान पर लौट गए हैं। लॉक डाउन 4 में कई उद्योगए कारखानेए फैक्ट्रियों और कृषि संबंधी गतिविधियों को अपना व्यवसाय करने की छूट प्रदान की गई है। अब अधिकांश स्थानों पर कुशल कामगारों की कमी की समस्या से उद्योगों को जूझना पड़ेगा। कृषि एवं उससे जुड़े सह कार्यों में भी मजदूरों के अभाव की समस्या पैदा होगीए क्योंकि श्रमिक तो उनके गांव पहुंच गए हैं। ऐसी स्थिति में स्किल्ड लेबर के अभाव में उत्पादन प्रभावित होगा और उद्योग व्यवसाय तथा कृषि कार्य गति नहीं पकड़ पाएंगे। मांग और पूर्ति के सिद्धांत में अवरोध पैदा होगा तथा पूर्व से ही बेलगाम हो रही महंगाई और बढ़ेगी।

– **ललित महलकरी**, इंदौर

पाक-चीन की साजिशें

23.05.2020 का आपका संपादकीय 'नेपाल पर चीनी शिकंजा' पढ़ा। एक सोची समझी रणनीति के तहत पाकिस्तान और चीन भारत को घेर रहे हैं। भारत के विरोध के बावजूद जबरन कब्जाए गिलगित-बाल्टिस्तान में कानून बदल कर चुनाव सरकार करवा रहा है, कश्मीर में आतंकवाद को जबरदस्त बढ़ावा दे रहा है। इसी मिलीभगत के तहत चीन नेपाल को भारत खिलाफ भड़का रहा है और लद्दाख में भी तनाव पैदा कर रहा है। चीन कोरोना को लेकर मिल रही आलोचनाओं और दवाब के कारण न सिर्फ भारत पर दवाब बना रहा है बल्कि साउथ चाइना सी में भी अपनी गतिविधियां बढ़ा कर उस इलाके की शांति भी भंग कर रहा है। भारत कोरोना से जंग में व्यस्त है यही सोच कर पाक कश्मीर का रोना रो रहा है और अपनी आर्थिक गतिविधियां भारत में जाने के डर से चीन भारत को धमका रहा है। मगर भारत इतनी ताकत रखता है की वो पाक चीन और कोरोना से एक साथ लड़ सके। कश्मीर पाक का हो नहीं सकता और जहां तक आर्थिक गतिविधियों का चीन से भारत आने का मामला है तो उसके लिए चीन की बंद दरवाजे वाली नीतियां ही जिम्मेदारी हैं।

– **ब्रजेश माथुर,** ब्रज बिहार, गाजियाबाद

रामलला के नए प्रमाण

पूरी धरा को धैर्य, सहनशीलता, मर्यादा, विनम्रता, सरलता, राजधर्म, गुरु परम्परा, कुल का मान, त्याग आदि को सीखाने के लिए मनुष्य रूप में भगवान विष्णु ने राम के रूप में अवतार लिया। भगवान के अवतार होने के बावजूद जिन्होंने मनुष्यता के समस्त आचरणों का पालन किया तथा सम्पूर्ण जीवन में अपनी शक्तियों के अधिकार का कहीं भी किंचितमात्र भी उल्लंघन नहीं किया ऐसे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को अपनी जन्मभूमि का प्रमाण देने के लिए क्या क्या नहीं करना पड़ा? परन्तु आखिरकार आजादी के 72 सालों बाद बीते वर्ष सुप्रीम कोर्ट ने तमाम सबूतों के आधार पर अयोध्या केस में रामलला के पक्ष में फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी समाज के कुछ लोगों को रास नहीं आया और सुप्रीम कोर्ट के भी फैसले को चुनौती दे डाली। आज उन्हीं लोगों के लिए भगवान राम ने स्वयं प्रमाण दिया है। जन्मभूमि में मन्दिर निर्माण के लिए समतलीकरण का कार्य चल रहा है जहां खुदाई में पांच फीट की शिवलिंग के साथ साथ पुराने मंदिर के भी कई प्रमाणिक अवशेष मिले हैं।

– **अभिनव दीक्षित**, बांगरमऊ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

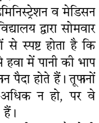

सरकार लाकडाउन को लेकर अनिश्चितता की स्थिति में है। उसके पास इससे बाहर निकलने की कोई रणनीति भी नहीं है।

– **सोनिया गांधी**
कांग्रेस अध्यक्ष

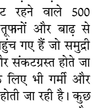

हम भारतीय पक्ष से आग्रह करते हैं कि हमारे साथ मिलकर काम करें, हमारे नेतृत्व के मतैक्यों का पालन करें एवं हस्ताक्षरित समझौतों के अनुरूप कार्य करें तथा एकतरफा कार्रवाई करने से परहेज करें।

– **चीनी पदाधिकारी**
झाओ लिझियान

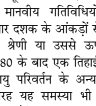

अम्फान चक्रवात से पैदा संकट से लड़ने में ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर अच्छा काम किया है।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधान मंत्री

सेवा संबंधी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए: केशव

● लोक निर्माण विभाग के कण्डम और निस्प्रयोज्य उपकरण होंगे नीलाम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेवा संबंधी प्रकरणो, पेंशन प्रकरण, जांचों व प्रमोशन आदि के प्रकरणों का निस्तारण शीघ्र से शीघ्र किया जाए, जिससे किसी अधिकारी कर्मचारी को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभाग के निस्प्रयोज्य एवं कण्डम उपकरणों, सामग्री, मशीनरी व वाहनों आदि की शीघ्र से शीघ्र नीलामी कराई जाए। उन्होंने कहा है कि यह कार्य मुख्यालय से लेकर जिला कार्यालय कार्यालयों तक होना है। इसके लिए विशेष तौर से जिलों को भी निर्देश भेजे जाएं। श्री मौर्य ने बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि विभाग में तमाम ऐसे उपकरण व सामग्री हैं, जो कण्डम हो गए हैं। उन्होंने सभी सामग्री का स्टॉक रजिस्टर से सत्यापन कराने के निर्देश देते हुए कहा है कि निस्प्रयोज्य सामग्री की नीलामी किया जाना आवश्यक है इससे जहां राजस्व मिलेगा वहीं काफी स्थान भी रिक्त होगा।

उन्होंने कहा है रिक्त स्थान का उपयोग अन्य उपकरणों को सुरक्षित तरह से रखने में किया जा सकता है। उन्होंने कहा विभाग में तमाम ऐसी प्लांट मशीनरी हैं, जिन्हें कही कहीं पर किराए पर स्थान लेकर रखना पड़ रहा है। स्थान खाली होने से विभागीय जगह पर वह उपकरण व सामग्री रखे जा सकते हैं। श्री मौर्य ने यह भी निर्देश दिए हैं कि विभागीय कार्यालयों में तमाम कबाड़ व अभिलेख जो पुराने हो गए हैं और जिनका उपयोग नहीं है, उनकी भी बीडिग निर्धारित प्रावधानों और नियमों के तहत कराई जाए। श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेवा संबंधी प्रकरणों, पेंशन प्रकरण, जांचों व प्रमोशन आदि के प्रकरणों का निस्तारण शीघ्र से शीघ्र किया जाए जिससे किसी अधिकारी कर्मचारी को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े।

ईद-उल-फितर पर सीएम व राज्यपाल ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने ईद-उल-फितर के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। सीएम ने कहा कि ईद-उल-फित्र का त्यौहार खुशी और मेल-मिलाप का सन्देश लेकर आता है। खुशियों का यह त्यौहार सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ ही आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाता है। यह पर्व अमन-चैन और सौहार्द का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ईद के पर्व पर सभी को सद्भाव तथा सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने लोगों से लॉकडाउन तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन करते हुए घर पर ही नमाज़ पढ़ने और ईद मनाने की अपील की है। वहीं राज्यपाल ने अपने बधाई सन्देश में सभी लोगों की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए कहा है कि ईद का पर्व हमें मोहब्बत, एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं। गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की मदद कर उनके जीवन में भी खुशियां लायें। राज्यपाल ने कहा कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए घर से ही नमाज पढ़ें तथा आवश्यक एहतियात बरतें।

विधान सभा अध्यक्ष ने भी दी बधाई: उप्र विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने ईद-उल-फितर के पूर्व संध्या पर प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख एवं समृद्धि की कामना की है। विधान सभा अध्यक्ष ने अपने सन्देश में कहा है कि ईद का त्यौहार बहुआयामी संस्कृति का प्रतीक है। इस त्यौहार पर सभी समुदायों के लोग बहुत खुश होते हैं। ईद-उल-फि तर का त्यौहार दया, परोपकार, उदारता, भाई-चारा और मानवीय भावनाओं से युक्त होता है। इस अवसर पर हमें समाज में आपसी सौहार्द कायम रखने का संकल्प लेना चाहिए।

टिड्डियों से फसलों की सुरक्षा के लिए राहत दल गठित

लखनऊ। टिड्डी दल से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रदेश सरकार ने कृषि निदेशालय स्तर पर आपदा राहत दल का गठन कर दिया है। प्रमुख सचिव कृषि डा. देवेश चतुर्वेदी ने दी। उन्होंने बताया इस राहत दल सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में कार्य करेगी तथा जनपद में टिड्डी दल के प्रकोप से सुरक्षा हेतु आवश्यक उपाय करने के साथ-साथ इसके रोकथाम हेतु समुचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि इस दल में उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) मुख्यालय अध्यक्ष होंगे जबकि सहायक निदेशक (कृषि रक्षा) द्वितीय सहायक निदेशक (कृषि रक्षा) प्रथम सदस्य, सचिव सदस्य होंगे। उपरोक्त टीम कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश के पर्यवेक्षण में कार्य करेगी तथा प्रदेश में टिड्डी दल के प्रकोप से सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने के साथ-साथ इसके रोकथाम के लिए समुचित कार्रवाई करेगी। इसी प्रकार जनपद स्तर पर एक आपदा राहत दल का गठन किया गया है जिसमें मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्ष होंगे। जनपदीय उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, कृषि रक्षा अधिकारी सदस्य, सचिव होंगे। उपरोक्त टीम सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय केन्द्रीय एकीकृतनाशी जीवप्रबन्धन केन्द्रों लखनऊ, गोरखपुर एवं आगरा के तकनीकी विषेषज्ञों तथा कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों से भी सहयोग लिया जायेगा।

भाजपा सरकार अनिर्णय और असमंजस के हाल में है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कोरोना संकट और कानूनव्यवस्था की बिगड़ती स्थिति से भाजपा सरकार निबटने में पूरीतरह असफल हो चुकी है। उसके नियंत्रण में न तो प्रशासन है और नहीं अधिकारी। हर ओर मनमानी और लापरवाही है। अफसर बेतुके आदेश कर रहे हैं। ऐसे में प्रदेश की बदहाली के लिए मुख्यमंत्री को तत्काल इस्तीफा देकर प्रस्थान कर जाना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि राज्य सरकार में निर्णय के स्तर पर कितनी गैरजिम्मेदारी और आपाधापी चल रही है इसका एक उदाहरण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय के महानिदेशक का यह बयान है कि मोबाइल से भी संक्रमण फैलता है। अगर ऐसा है तो आइसोलेशन वार्ड के साथ पूरे देश में मोबाइल को बैन कर देना चाहिए। यही तो अकेले में बाहरी सम्पर्क का सहारा बनता है। अस्पतालों में जैसी दुर्व्यवस्था की खबरें आ रही है उसका सच जनता तक न पहुंचे इसलिए यह पाबंदी लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा सरकार खुद ही अनिर्णय और असमंजस के हाल में है। भाजपा सरकार के उल्टे-सीधे निर्णयों के नतीजे जनता को भोगने पड़ते हैं।

प्रदेश में अब तक ठीक हो चुके हैं 3433 मरीज

लखनऊ। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के 74 जनपदों में 2493 कोरोना के मामले एक्टिव हैं। अब तक 3433 मरीज पूरी तरह से उपचारित हो चुके हैं। आशा वर्कर्स द्वारा कामगारों श्रमिकों के घर पर जाकर सम्पर्क कर उनके लक्षणों का परीक्षण कर रही हैं जिसके आधार पर आवश्यकतानुसार कामगारों, श्रमिकों का सैम्पल इकट्ठा कर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि आशा वर्कर्स द्वारा अब तक 807147 कामगारों श्रमिकों से उनके घर पर जाकर सम्पर्क किया गया जिसमें से 873 लोगों में कोविड-19 संक्रमण के लक्षण मिलें जिनका सैम्पल लेकर जांच के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी चिकित्सालयों में भी सर्जरी प्रारम्भ कर दिया गया है।

प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा के लिए भाजपा-कांग्रेस दोनों जिम्मेदार

● बीएसपी कोई छोटा या बड़ा चुनाव बीजेपी-कांग्रेस के साथ मिलकर नही लड़ेगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को एक बार फिर कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया है। साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा के लिए जितनी जिम्मेदार भाजपा है उससे कहीं ज्यादा कांग्रेस है। मीडिया से बात करते हुए बसपा सुप्रीमो ने कहा कि जब देश के करोड़ों प्रवासी मजदूर व श्रमिक कोरोना महामारी लॉकडाउन से उत्पन्न नई अव्यवस्थित परिस्थिति के कारण गरीबी व बेरोजगारी से बहुत ही दयनीय व दुर्दशा में हैं तथा अपने मूल राज्य पहुँचकर भी सरकारी उपेक्षाओं के कारण काफी बुरी तंग हालत में हैं तो ऐसे में इनको लेकर कांग्रेस व बीजेपी तथा इनकी सरकारों को भी एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप व घिनौनी राजनीति बन्द करके इन भूखे लाचार मजबूर लोगों की हर प्रकार से मदद को तत्काल आगे आना चाहिए वरना देश इन पार्टियों को कभी भी माफ करने वाला नहीं है।

मायावती ने कहा कि इन करोड़ों प्रवासी मजदूरों का खासकर यूपी व बिहार से पलायन तब हुआ था जब आजादी के बाद के लम्बे वर्षों में केन्द्र व राज्यों में कांग्रेस पार्टी का ही एकछत्र राज हुआ करता था और इस दौरान लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार की व्यवस्था कांग्रेस पार्टी सरकार नहीं कर पाई थी और फिर उन्हें मजबूरी में पलायन करना पड़ा। लेकिन मेरी इस बात को भी राजनीतिक रंग देकर स्वार्थ की पूर्ति करने की कोशिश की गई और यह अफवाह उड़ाई गई है कि हम लोग बीजेपी से मिल गये हैं। इस पर मेरा आज फिर से स्पष्ट कहना है कि बीएसपी कांग्रेस व बीजेपी जैसी विरोधी पार्टियों की तरह स्वार्थ व गरीब विरोधी जातिवादी राजनीति नहीं करती है और बीएसपी देश में कहीं भी छोटा या बडा कोई भी चुनाव कांग्रेस अथवा बीजेपी के साथ मिलकर नहीं लड़ेगी।

सरकार के अमानवीय व्यवहार की रालोद ने की निंदा

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने लगातार अन्य प्रदेशों से अपनी जन्मभूमि की ओर आने वाले गरीब मजदूर परिवारों के प्रति सरकार द्वारा अमानवीय व्यवहार किए जाने की निन्दा करते हुए कहा कि इस भीषण गर्मी में श्रमिकों के लिए ट्रेन में भोजन और पीने का पानी समुचित रूप से उपलब्ध न होना केन्द्र सरकार की अनदेखी का प्रमाण है। अजगैन, सोनिक तथा उन्नाव स्टेशनों पर प्यासे श्रमिकों को पानी नहीं लेने दिया गया बल्कि पुलिस द्वारा संक्रमण फैलाने के नाम पर डण्डों से पिटाई भी की गई जो मानवता को शर्मसार करता है। त्रिवेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा क्वारंटीन सेन्टरों पर भी अपनी कमियों को छिपाने के लिए वहां रहने वालों के पास मोबाइल फोन रखने पर पाबन्दी है जो सर्वथा अनुचित है।

ऑनलाइन पढ़ाई के बदले शिक्षकों ने मांगे उपार्जित अवकाश

लखनऊ। कोरोना महामारी के दौर में गर्मी की छुट्टियों में इस बार ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के चलते शिक्षकों ने मुख्यमंत्री व बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री को पत्र लिखकर ऑनलाइन पढ़ाई के बदले उपार्जित अवकाश की मांग की है। अभी तक शिक्षकों को 40 दिन की गर्मी की छुट्टियां दी जाती रही हैं। यह छुट्टियां 21 मई से 30 जून तक होती थी लेकिन लॉक डाउन के चलते 30 जून तक सरकार ने ऑनलाइन कक्षाओं को जारी रखने के निर्देश दिए हैं। विशिष्ट बीटीसी आदर्श शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने बताया कि लाख डाउन में प्रेरणा पोर्टल पर प्रतिदिन सिलेबस और पढ़ाई के लिए कंटेंट दिया जा रहा है। ऐसे में शिक्षकों की तरफ से ऑनलाइन कक्षाओं को वर्क फ्रॉम होम के तौर पर संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य कर्मचारियों को 30 दिन का अर्जित अवकाश मिलता है। जिसे वह कभी भी ले सकते हैं लेकिन शिक्षकों को अर्जित अवकाश नहीं मिलता है बल्कि 40 दिन की गर्मी छुक की छुट्टियां मिलती हैं। ऐसे में उन्हें अर्जित अवकाश न मिलने पर सरकार को पत्र लिखकर उपार्जित अवकाश देने की मांग की गई है।

श्रमिकों के साथ सरकार दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही: रामगोविंद चौधरी

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने कहा है कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और कन्नौज की पूर्व सांसद डिम्पल यादव की भावनाओं को समझें और घर वापस आ रहे श्रमिकों की हर हाल में मदद करें। उन्होंने कहा है कि ये श्रमिक प्रवासी नहीं, इसी सूबे के निवासी हैं और हम सभी लोगों के मेहनतकश भाई हैं। इनकी मदद भी भाई की तरह ही होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने कहा है कि घर वापस हो रहे श्रमिकों के साथ भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार शुरू से ही दुश्मन जैसा व्यवहार कर रही है। अचानक और अनियोजित लाकबन्दी से रोजी रोटी समाप्त होने की पीड़ा को छोड़िए, दोनों सरकारें इन्हें सकुशल घर भी नहीं पहुँचने दे रही हैं। उन्होंने कहा है कि कई सैकड़ा श्रमिकों की मौत के बाद भारत सरकार और राज्य सरकारों की देखरेख में श्रमिकों को घर पहुँचाने के लिए जो ट्रेन चल रही है, उसकी हालत यह है कि वह मुम्बई से चलती है यूपी के गोरखपुर के लिए और पहुँच जा रही है उड़ीसा के राउरकेला।

सरकारी अस्पतालों में सर्जरी को लेकर शुरू होगी ओपीडी

● टीकाकरण सहित कई और सुविधायें शुरू करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के दौर में राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों में सर्जरी से संबंधित ओपीडी सेवाओं को शुरू करने का निर्देश दिया है। हालांकि सामान्य ओपीडी अभी भी स्थगित रहेगी। इस बाबत प्रमुख सचिव स्वास्थ्य मीत मोहन प्रसाद ने सभी जिला अधिकारियों सहित सभी सीएमओ को आदेश जारी कर दिए हैं।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि सरकारी अस्पतालों में रेबीज एवं अन्य टीकाकरण की सुविधाएं शुरू की जाएगी। साथ ही टीबी रोग की जांच व उपचार की सुविधा मरीजों को मिलेगी। अपने आदेश में उन्होंने कहा है कि एचआईवी की जांच व उपचार के लिए आईसीटीसी एवं एआरटी केंद्र पर सुविधाएं मिलना शुरू हो जाएंगी। इसके साथ ही जिला चिकित्सालयों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में

चलाए जाने वाले असाध्य रोग केंद्रों का भी संचालन शुरू किया जाएगा। वही गर्भवती महिलाओं की जांच व उपचार की सुविधा के भी निर्देश दिए गए हैं। शासन स्तर पर जारी आदेश के मुताबिक जिलों में 2 वर्ष तक के बीमार शिशु के लिए जांच व उपचार के निर्देश के साथ ही गर्भ समाधान एवं नसबंदी की सुविधा तथा डायग्नोस्टिक इमेजिंग एवं के संचालन को शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्राम पंचायतों का नहीं बढ़ेगा कार्यकाल: चौधरी

लखनऊ। कोरोना महामारी के दौर में लाकडाउन में ढील देने के बीच ग्राम पंचायतों के कार्यकाल के विस्तार पर पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा है कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल विस्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुकूल रही तो ग्राम पंचायतों के चुनाव समय पर ही कराए जाएंगे। पंचायती राज मंत्री के इस बयान के बाद यह माना जा रहा है कि लॉक डाउन से स्थिति के सामान्य होने के बाद ही त्रिस्तरीय ग्राम पंचायतों के चुनाव की प्रक्रिया में तेजी आएगी। इस बार करीब 1000 ग्राम पंचायतों का शहरी क्षेत्रों में विलय हुआ है। ऐसे में विलय के तौर पर शामिल होने वाली ग्राम पंचायतों के वार्ड बन जाने के बाद विभाग मौजूदा वोटर लिस्ट को राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप देगा। जिससे वोटर लिस्ट का वृहद पैमाने पर पुनरीक्षण शुरू कराया जा सके। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि मौजूदा ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 दिसंबर तक है। जबकि क्षेत्र पंचायतों का अगले साल जनवरी के अंत तक और जिला पंचायतों का मार्च तक कार्यकाल है। इस नाते भी पर्याप्त समय है।

भाजपा के साथ गठबंधन भी कर सकती हैं मायावती: पुनिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस नेता व सांसद पीएल पुनिया ने प्रदेश की भाजपा सरकार के साथ बसपा प्रमुख मायावती पर जोरदार हमला बोला। श्री पुनिया ने कहा कि बसपा अध्यक्ष का ट्विटर भाजपा संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हो रही दलित उत्पीड़न की घटनाओं पर मायावती की चुप्पी साबित करती है कि वह दलित विरोधी भाजपा सरकार के साथ हैं और आगे चल कर भाजपा के साथ गठबंधन भी कर सकती हैं। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान श्री पुनिया ने कहा कि संकट के समय कांग्रेस ने राजनीति से दूर रहकर सरकार का सहयोग करने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या, संभल कनौज सहित दर्जनों जगह दलितों पर हुई घटनाओं को लेकर मायावती को कोई चिंता नहीं है। श्री पुनिया ने कहा की कांग्रेस लगातार दलित उत्पीड़न के मुद्दे को उठा रही है हम लड़ रहे हैं लेकिन स्वघोषित दलितों की नेता मायावती चुप हैं। मौजूदा सरकार में दलित समाज पर राज्य संरक्षण में हमले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका की सक्रियता मायावती को खलती है और ट्विटर पर मायावती भाजपा का प्रेस नोट ट्वीट करती हैं। खुद मायावती मजदूरों के लिए सड़क पर नहीं उतरती। इस मौके पर कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि योगी सरकार में दलित समाज पर हमला बढ़ा है लेकिन मायावती के मुंह से एक शब्द नहीं निकलता है। प्रदेश में दलितों-वंचितों के खिलाफ हो रहे उत्पीड़न पर मायावती क्यों नहीं बोलती हैं, उन्होंने कहा कि बहन मायावती और दलित विरोधी भाजपा के अंदरखाने समझौता हो गया है।

मूल्यांकन के लिए न पहुंचने वाले शिक्षकों का वेतन रोकने की तैयारी

लखनऊ। तमाम कोशिशों के बावजूद यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए न पहुचने वाले शिक्षकों पर माध्यमिक शिक्षा विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। विभाग स्तर पर ऐसे शिक्षको के वेतन रोकने की तैयारी चल रही है जो न तो मूल्यांकन के लिए जा रहे हैं और न ही विभाग की तरफ से जारी नोटिस का जवाब दे रहे हैं। राजधानी में यूपी बोर्ड के उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का काम नौ केंद्रों पर चल रहा है। इन केंद्रों पर करीब साढ़े 12 लाख से अधिक कॉपियों का मूल्यांकन होना है। इसमें से करीब 35 प्रतिशत कॉपियों को मल्यांकन कार्य अभी 19 मई से 23 मई तक पूरा हो सका है। वहीं मूल्यांकन के चौथे दिन भी कई ऐसे शिक्षक है जो केंद्रों पर जाना नहीं चाहते है। ऐसे में डीआईओएस डॉण् मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि जो शिक्षक लापरवाही कर रहे है और नोटिस का जवाब नहीं दिया है उनका वेतन रोका जा सकता है। हालांकि मूल्यांकन में लापरवाही करने वाले शिक्षकों के चलते समय से सभी कॉपियों का चेक हो पाना मुश्किल है। मूल्यांकन यदि समय से न हुआ तो रिजल्ट भी देरी से जारी होगा। जिसका असर पूरी शिक्षण व्यवस्था पर पड़ेगा।

घरेलू उड़ानों के यात्रियों के लिए यूपी सरकार ने जारी की गाइडलाइन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश में शुरू हो रही घरेलू उड़ान को लेकर प्रदेश सरकार ने गाइड लाइन जारी की है। सभी सीएमओ और निदेशक एयरपोर्ट को जारी निर्देश में यात्रियों के लिए प्रोटोकाल का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश के मुख्य सचिव आर के तिवारी ने यह निर्देश जारी किए हैं। इनमें स्पष्ट किया गया है कि आने वाले समस्त यात्री हवाई अड्डे से बाहर निकलने से पहले दिए गए लिंक https://reg.upcovid.in पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा। यह लिंक हवाई अड्डे पर विभिन्न स्थानों पर प्रमुखता से दिखाया जाएगा और उद्घोषणा के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया जाएगा। प्रत्येक यात्री को अपने मोबाइल फोन में आए ओटीपी का उपयोग करते हुये स्वयं और साथ में यात्रा कर रहे परिवार को सदस्यों का विवरण अंकित करके पंजीकरण किया जायेगा। पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक एसएमएस भेजा जाएगा और एक पीडीएफ उनके मोबाइल स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी जिसे ई-मेल के माध्यम से भी भेजा जा सकता है। यात्रियों को हवाई अड्डे से बाहर जाने की अनुमति देने से पहले एयरपोर्ट सुरक्षा द्वारा इस एसएमएस या पीडीएफ की अनिवार्य रूप से जांच की जाएगी। लिंक पर पंजीकरण में कठिनाई होने पर यात्री 1800-1805145 पर फोन कर सम्पर्क कर सकते हैं। हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ दल द्वारा सफल पंजीकरण डिस्पले की जांच करने के उपरान्त ही यात्रियों को हवाई अड्डे के परिसर से बाहर जाने की अनुमति दी जायेगी। डिस्पले की जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी यात्री नो कान्टेक्ट प्रोटोकाल का पालन कर रहे हैं। सभी यात्रियों को सलाह दी जाएगी कि वह हर समय सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन करें तथा किसी भी परिस्थिति में समूह में एकत्रित होने की अनुमति नहीं होगी। प्रदेश के प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के निवासी जिन्हें फिलहाल अभी प्रदेश में ही रहना है वे 14 दिन के होम क्वारंटाइन में रहेंगे। आगमन के छठवें दिन परीक्षण कराने पर रिपोर्ट निगेटिव आने पर होम क्वारंटाइन समाप्त कर दिया जाएगा। एक सप्ताह से कम समय के लिए जो यात्री प्रदेश आ रहे हैं और यहां से प्रदेश के किसी अन्य स्थान पर जा रहे हों तो उन्हें वापसी का पूरा ब्योरा देना होगा। रिटर्न टिकट के बारे में जानकारी देनी होगी। किस काम से आए हैं। क्यों और कहां जा रहे हैं। इसका भी विवरण देना होगा। उन्हें क्वारंटाइन में जाने की जरूरत नहीं है। ऐसे यात्रियों को हॉटस्पॉट के कंटेनमेंट जोन में जाने की जरूरत नहीं होगी। सोमवार से शुरू हो रही घरेलू उड़ानों से प्रदेश आने वाले यात्रियों के लिए सरकार ने कोरोना से बचाव को लेकर प्रोटोकॉल जारी किया है। उन्होंने बताया कि अपने घर आने वाले यात्रियों को स्थानीय जिला प्रशासन जांच के बाद ही उन्हें अपने कार्यस्थल पर जाने के लिए अधिकृत करेगा। वहीं होम क्वारंटाइन में छूट देने के लिए जिम्मेदार होगा। यदि किसी व्यक्ति के पास अपने घर में होम क्वारंटाइन की पर्याप्त व्यवस्था न हो। उनके घरों में अलग से दूसरा शौचालय न होए उन्हें घर के बाहर सरकारी क्वारंटाइन स्थल पर रखा जाएगा। एक हफ्ते के अंदर प्रदेश से बाहर जाने वाला यात्री एक हफ्ते के अंदर एक प्रवास के बाद दूसरे स्थान पर जा रहा है तो उस स्थान के प्रभारी को इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी जानी चाहिए। यात्री में कोरोना वायरस के लक्षण पाए जाने पर इसकी तुरंत सूचना संक्रामक विभाग के कंट्रोल रूम नम्बर 18001805145 पर दी जाए। पंजीकरण से संबन्धित डाटा, सूचना को आवश्यक निगरानी एवं अनुभवण हेतु जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के साथ दैनिक आधार पर साझा किया जायेगा।

जून-जुलाई की वृद्धावस्था पेंशन के अग्रिम भुगतान की तैयारी

लखनऊ। कोरोना वायरस के दौर में समाज कल्याण विभाग ने बुजुर्गों की समस्याओं वह आर्थिक तंगी को देखते हुए जून और जुलाई की वृद्धावस्था पेंशन का अग्रिम भुगतान करने की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग के इस कदम से तकरीबन 5000000 बुजुर्ग लाभान्वित होंगे। इसके पूर्व अप्रैल माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अप्रैल-मई की पेंशन ऑनलाइन बुजुर्गों के खाते में जारी की थी। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में 49 लाख 87 हजार बुजुर्ग पंजीकृत किए गए हैं कुछ और भी दूं की तरफ से सरकारी पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है। जिसके वजह से यह संख्या 5000000 से अधिक हो सकती है। प्रमुख सचिव समाज कल्याण मनोज सिंह ने बताया कि जरूरतमंद बुजुर्गों की मदद के लिए केंद्र सरकार ने 2 महीने की अतिरिक्त पेंशन देने की लिए अतिरिक्त धनराशि दी है।

लॉकडाउन में अर्थव्यवस्था को लेकर 79 फीसदी लोग चिंतित

● आईआईएम के सर्वे में 40 फीसदी में भय और 22 फीसदी में पाई गई उदासी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लॉक डाउन में देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर 79 फीसदी लोग चिंतित हैं। जबकि कोरोना के चलते 40 फीसदी लोगों में भय और 22 फीसदी लोगों में इसको लेकर उदासी देखने को मिली है। कोरोना महामारी में लाकडाउन के चलते देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर भारतीय प्रबन्ध संस्थान, लखनऊ के सेंटर फॉर मार्केटिंग इन इमरजिंग इकोनॉमिक्स के प्रो सत्यभूषण दास द्वारा ऑनलाइन मोड में कराए गए सर्वे के दौरान यह निष्कर्ष सामने आए हैं।

सर्वे के दौरान यह जानने की कोशिश की गई कि कोरोना काल में देश की चिंता का सबसे बड़ा स्रोत क्या है। ऑनलाइन मोड में सर्वे के दौरान 23 राज्यों के 104 शहरों से 931 लोग इसमें शामिल हुए। सर्वे के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, लिंकडइन आदि का प्रयोग कर स्नोबॉलिंग सैंपलिंग के तरीके का प्रयोग का पूरा डाटा तैयार किया गया। सर्वे में पूरे देश भर में लॉकडाउन वन और टू के दौरान कवर किया गया। जिसमें करीब 62 प्रतिशत पुरूष, 38 प्रतिशत महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें 63 प्रतिशत लोग पीजी और उच्च शिक्षा प्राप्त किए हुए थे। इस सर्वे में जो लोग शामिल हुए थे उनकी आय दस लाख सालाना रखी गई थी, इसमें शामिल कुल प्रतिभागियों में 40 प्रतिशत प्रतिभागी इस आय वर्ग के थे। सर्वे में पाया गया है कि लोगों में चिंता का प्रमुख कारण संक्रमित होने का जोखिम नहीं बल्कि निकट भविष्य में इसके होने वाले आर्थिक प्रभाव के बारे में है। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था पर जो प्रभाव पड़ा है वह कितना लम्बा चलेगा इसकी अनिश्चितता को लेकर लोगों में चिंता है। सर्वे में यह भी बताया गया है कि यह यह केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है बल्कि आर्थिक भी है। इसका सभी उद्योगों पर बड़ा असर होगा। इससे शिक्षा प्रणाली पर भी असर पड़ेगा और बच्चे अपने पढ़ने और खेलने का समय भी गवां सकते है। इसके अलावा चालू लॉकडाउन के प्रभाव का हवाला देते सर्वे में कहा गया है कि आर्थिक गतिविधियों की अनुपस्थिति से कार्यबल पर दबाव पड़ेगा, नौकरी में कमी होगी और कीमतें बढ़ती ही रहेंगी। सर्वे में यह माना गया है कि भारत कोरोना महामारी को रोकने में सक्षम है इसके लिए जो भी जरूरी कदम उठाए जा रहे है चाहे वह सोशल डिस्टेंसिंग हो या फिर लोगों में इस महामारी को जो लेकर जागरूकता पैदा करना है।

हालात सामान्य करने के लिए चौबीसों घंटे जुटे हैं एनडीआरएफ कर्मी

● पश्चिम बंगाल में चक्रवात अम्फान से तबाही

भाषा। कोलकाता

आपदा प्रबंधन में विशेषज्ञता रखने वाले एनडीआरएफ के दल चक्रवात अम्फान से बुरी तरह प्रभावित हुए पश्चिम बंगाल में हालात पुन: सामान्य करने के अभियान में दिन-रात मदद कर रहे हैं। बल के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ कर्मी राज्य में स्थिति सामान्य करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। राज्य में चक्रवात के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, कई मकान ढह गए हैं, पेड़ उखड़ गए हैं और बिजली के तार टूट गए हैं।

एनडीआरएफ की दूसरी बटालयिन के कमांडेंट निशीथ उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के 38 दल पुनर्वास काम में तेजी लाने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ राज्य के विभिन्न हिस्सों में तैनात किए गए हैं। इनमें से 19 दल केवल कोलकाता में हैं। उन्होंने कहा, चक्रवात ने पश्चिम बंगाल के केवल तटीय क्षेत्रों ही नहीं, बल्कि राजधानी में भी भारी तबाही मचाई है। शहर में हम कोलकाता नगर निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर काम रहे हैं।

उपाध्याय ने कहा, जिलों में भी हमारे दलों ने निचले इलाकों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सहायता मुहैया कराई। उन्होंने कहा कि कर्मियों को पहले से ही तैनात किए जाने से राज्य के छह जिलों में यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि जान का नुकसान कम से कम हो।

उपाध्याय ने कहा, हमने समय पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभियान चलाया। इसके अलावा हमने चक्रवात से पहले ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं में जागरुकता कार्यक्रम चलाया। तटवर्ती क्षेत्रों में मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने को कहा गया। उन्होंने कहा कि कोलकाता एवं इसके निकटवर्ती जिलों की सभी अहम सड़कों को साफ कर दिया गया है और टूटे पेड़ों को हटा दिया गया है।

एनडीआरएफ की पहली बटालयिन के कमांडेंट विजय सिन्हा ने कहा कि पटना की पांच टीमें (हर टीम में 25 से 30 लोग) अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से राज्य में युद्ध स्तर पर बचाव एवं स्थिति सामान्य करने का काम कर रही हैं।

अभियान में एनडीआरएफ के समक्ष आ रही बड़ी चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उपाध्याय ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरत रहे हैं कि हमारे कर्मी या आम लोग कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में न आएं। उन्होंने कहा, कुछ लोग आश्रय स्थलों में जाने के लिए शुरुआत में राजी नहीं थे। इसका एक कारण कोरोना वायरस संक्रमण का डर था। हमने उन्हें शिविरों में जाने के लिए मना लिया और यह सुनिश्चित किया कि उनकी सुरक्षा के लिए मास्क एवं सैनिटाइजर की उचित व्यवस्था हो। चक्रवात अम्फान के कारण पश्चिम बंगाल में 80 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और लाखों लोग बेघर हो गए हैं।

बिजली कंपनियों को चक्रवात प्रभावित बंगाल में बिजली आपूर्ति बहाल करने के निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य की दो बिजली वितरण कंपनियों डब्ल्यूबी एसईडीसीएल और सीईएससी को चक्रवात अम्फान से राज्य के विभिन्न हिस्सों में बिजली बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाने के रविवार को निर्देश दिए। चक्रवात से कोलकाता सहित राज्य के कई हिस्सों में पेड़ गिर गए और ट्रांसफार्मर तथा बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई।

बिजली नहीं होने की वजह से कई प्रभावित इलाकों में 20 मई की शाम से पानी की आपूर्ति भी नहीं हो रही है। इस चक्रवात से राज्य में 86 लोगों की मौत हुई है। राज्य के गृह विभाग ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल सरकार ने शेष क्षेत्रों में भी बिजली और आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए है। सीईएससी और डब्ल्यूबीएसईडीसीएल कड़े निर्देश दिए गए हैं, टीम 24 घंटे काम कर रही हैं, नगर और राज्य निकाय सेना तथा एनडीआरएफ की मदद से उखड़े हुए पेड़ों को हटा रहे हैं, पश्चिम बंगाल सरकार की सभी एजेंसियों को तैनात किया गया है।

ट्वीट में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) ने बताया कि गरिया, बांसद्रोनी, केस्तोपुर, बागुईहाटी, तेघोरिया, साल्ट लेक, न्यू टाउन और कोलकाता के आसपास और अन्य क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। इसमें कहा गया है, बारासात, तमलुक, एगरा, कोंताई, कृष्णनगर, शांतिपुर, रानाघाट, ग्यासपुर और कल्याणी जैसे दक्षिण बंगाल के शहरों में भी बिजली की आपूर्ति फिर से शुरू कर दी गई है।

गृह विभाग ने संदेश में कहा, डब्ल्यूबीएसईडीसीएल ने बताया है कि नादिया और पूर्वी मिदनापुर के प्रमुख क्षेत्रों में बिजली बहाल कर दी गई है। अधिकांश अस्पतालों में बिजली बहाल कर दी गई है। ज्यादातर सिंचाई पंपिंग स्टेशन अभी चालू हैं। निजी बिजली कंपनी सीईएससी कोलकाता और हावड़ा में बिजली की आपूर्ति करती है।

कोलकाता में आर्मी के जवान और एनडीआरएफ के वर्कर सड़क पर गिरे हुए पेड़ों को काटकर रास्ता बनाते हुए।

झारखंड में कांग्रेसी विधायक राजेंद्र प्रसाद सिंह का निधन

बोकारोरांची। झारखंड के कांग्रेस विधायक राजेंद्र प्रसाद सिंह का दिल्ली के एक निजी अस्पताल में संक्षिप्त बीमारी के बाद रविवार को निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 75 वर्ष के थे। उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व मंत्री के परिवार में चार बेटियां और दो बेटे हैं। सिंह के निजी सहायक मिथिलेश कुमार तिवारी ने कहा कि सिंह फेफड़ों के संक्रमण से ग्रस्त थे और नई दिल्ली में साढ़े बारह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। सिंह ने निधन पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्वीट किया, राजेंद्र सिंह जी की मौत से दुखी हूं। झारखंड ने एक परिश्रमी और सच्चा सेवक खो दिया। कई नेताओं और मजदूर संघों के नेताओं ने भी सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया। बेरमो विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1963 में की थी और इंटक के राष्ट्रीय महासचिव चुने गए थे। वह राष्ट्रीय कोइलरी मजदूर संघ के अध्यक्ष भी रहे और एआईसीसी के सदस्य भी रहे।

अदालत ने राज्य में कोविड-19 की जांच को लेकर गुजरात सरकार से सवाल किए

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने कोविड-19 की जांच करने के लिए निजी प्रयोगशालाओं को इजाजत नहीं देने के राज्य सरकार के फैसले पर सवाल करते हुए कहा कि क्या इसका उद्देश्य प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के आंकड़े को कृत्रिम तरीके से नियंत्रित करना है। अदालत ने राज्य को अधिकतम जांच किट खरीदने को कहा है, ताकि निजी एवं सरकारी अस्पताल सरकारी दर पर कोरोना वायरस की जांच कर सकें।

न्यायमूर्ति जे बी पर्दीवाला और न्यायमूर्ति आई जे वोरा की खंडपीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में यह भी कहा, यह दलील कि अधिक संख्या में जांच करने से 70 प्रतिशत आबादी की कोविड-19 जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आ जाएगी, यह डर की भावना पैदा करेगी। अदालत ने सरकार को प्रचार के जरिए लोगों के बीच दहशत दूर करने और घर में पृथक रहना सुनिश्चित करने को कहा।

कोविड-19 के रोगी को अस्पताल से छुट्टी देने से पहले उसकी जांच अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। जबकि तीन या इससे अधिक दिन संक्रमण के मामूली, हल्के या कोई लक्षण नहीं दिखने वाले रोगियों की जांच नहीं किए जाने के लिए आईसीएमआर के दिशानिर्देश में कोई वैज्ञानिक आंकड़ा, या अनुसंधान या कारण नहीं बताया गया है। अदालत ने कोविड-19 जांच के लिए निजी प्रयोगशालाओं को इजाजत नहीं देने को लेकर गुजरात सरकार से सवाल करते हुए कहा कि इससे यह मुद्दा उठता है क्या सरकार राज्य में संक्रमण के मामलों की संख्या के आंकड़े कृत्रिम तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

पीठ ने कहा कि इससे यह सवाल पैदा होता है कि क्या ए 12 निजी प्रयोगशालाएं और 19 सरकारी प्रयोगशालाएं कोविड-19 संक्रमण की जांच करने के लिए पर्याप्त हैं। अदालत ने कहा कि कोई भी प्रयोगशाला, जो बुनियादी ढांचे से जुड़े मानदंडों को पूरा करती हो और राष्ट्रीय प्रयोगशाला मान्यता बोर्ड (एनएबीएल) से पंजीकृत हो सकती हो, उसे ए जांच करने की इजाजत दी जानी चाहिए। इससे पहले राज्य सरकार ने अदालत से कहा था कि उसने सिर्फ सरकारी प्रयोगशालाओं में मुफ्त जांच कराने का फैसला किया है क्योंकि कई दृष्टांतों में निजी प्रयोगशालाएं अनावश्यक जांच कर रही हैं, जिससे रोगियों को गैर जरूरी खर्च करना पड़ रहा है। अदालत ने कहा, जब कभी सरकारी प्रयोगशालाओं में और अधिक जांच की गुंजाइश नहीं बचे, तब निजी प्रयोगशालाओं को जांच करने दिया जाए। अदालत ने कहा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का दिशानिर्देश (एक खास समूह के रोगियों को अस्पताल से छुट्टी देने से पहले उनकी जांच नहीं करने के) उसके पूर्व के दिशानिर्देशों से बिल्कुल उलट है।

हैदराबाद में दो माह के बच्चे को माता-पिता ने बेचा

हैदराबाद (तेलंगाना)। हैदराबाद में दो माह के एक बच्चे को उसके माता-पिता ने कथित तौर पर 22,000 रुपए में बेच दिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे मुक्त करा लिया। पुलिस ने शुरूआती जांच का जिक्र करते हुए बताया कि दंपति ने शनिवार रात बच्चे को कथित तौर पर बेच दिया। यह उनकी दूसरी संतान है, जिसका जन्म दो महीने पहले हुआ था। दंपति ने कुछ वित्तीय समस्या को लेकर और बच्चे के पिता की शराब की लत के चलते उसे बेचा था। पुलिस ने बताया कि हालांकि बच्चे की मां ने पुलिस से कहा कि उसके पति को शराब की लत है और वह बच्चे को बेचे जाने के लिए जिम्मेदार है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर बच्चे को एक महिला के पास से बरामद किया और उसे बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया, दंपति ने बच्चे को 22,000 रुपए में पड़ोस की एक महिला को बेचा था। दंपति ने एक कागज पर भी हस्ताक्षर किया था और बच्चे को शनिवार रात महिला को सौंपा था। उन्होंने बताया कि महिला को रविवार को पकड़ लिया गया।

महाराष्ट्र से त्रिपुरा लौटे 16 लोग कोविड-19 से संक्रमित

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देव ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र से त्रिपुरा लौटे 16 व्यक्तियों में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई है जिसके बाद राज्य में संक्रमण के कुल मामले 191 हो गए हैं। देब ने राज्य में लौटने वाले यात्रियों से कोरोनो वायरस संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करने और उनसे सहयोग करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को त्रिपुरा में कोविड-19 के लिए 996 नमूनों की जांच की गई थी। देब ने शनिवार को ट्वीट किया, उनमें से 16 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। सभी महाराष्ट्र से लौट कर आए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी यात्रियों को पृथक-वास निर्देशों का पालन करने और सरकार का सहयोग करने का अनुरोध किया जा रहा है। त्रिपुरा में अब तक 23,418 लोगों को निगरानी में रखा गया है। उनमें से, 15,736 को 14 दिनों का पृथक-वास को पूरा करने के बाद छुट्टी दे दी गई है। राज्य में 359 लोग संस्थागत पृथक-वासों में हैं जबकि 7,327 लोग अपने घरों में पृथक-वास में हैं।

पालघर में पिता ने हथौड़े से मार कर की बेटी की हत्या

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हथौड़ा मार कर अपनी 20 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अर्नाला थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना शनिवार को विरार क्षेत्र में हुई जिसके बाद आरोपी दत्ताराम जोशी (54) को गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। जोशी ने तिरुपति नगर में स्थित अपने घर में शनिवार की सुबह साढ़े नौ बजे पत्नी और बेटे के सामने हथौड़े से अपनी बेटी की हत्या कर दी। आकांक्षा बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा थी। अधिकारी ने कहा कि मृतका के परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। पुलिस को हत्या की सूचना पड़ोसियों से प्राप्त हुई। अधिकारी ने कहा कि बाद में शव को पोस्ट मॉर्टम के लिए भेज दिया गया और जोशी को शनिवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, हम यह पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि जोशी ने अपनी बेटी को क्यों मारा। वह इस मामले में कुछ नहीं बोल रहा। हम मृतका के मोबाइल फोन की छानबीन कर रहे हैं।

टीटीडी आंध्र, तमिलनाडु में 50 अचल संपत्तियों की नीलामी करेगा

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड के ऋषिकेश में स्थित अपनी 50 अचल संपत्तियों की नीलामी करने का फैसला किया है। टीटीडी के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। तिरुमाला में स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर का प्रबंध करने वाले टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने कहा कि अचल संपत्तियों की नीलामी की जानी है, जिनमें छोटे घर, जमीन के प्लॉट और खेती की जमीन शामिल है। उन्होंने कहा कि कई दशक पहले पहाड़ी पर स्थित इस तीर्थ स्थल में भक्तों द्वारा दान की गई संपत्तियां टीटीडी के लिए रखरखाव योग्य नहीं है और न ही इनसे कोई राजस्व सृजित होता है, क्योंकि ए बहुत छोटी हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र और तमिलनाडु में क्रमश: 26 और 23 संपत्तियां हैं और ऋषिकेश में भूमि है। रेड्डी ने कहा कि नीलामी से लगभग 24 करोड़ रुपए की आमदनी होने की उम्मीद है।

पटना में दानापुर रेलवे स्टेशन पर अपने बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए कपड़े की छाया किए हुए प्रवासी

बिहार में कोविड-19 से अब तक 12 की मौत, संक्रमण की संख्या 2,477

भाषा। पटना

बिहार में कोविड-19 से 48 साल के एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जिससे राज्य में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 12 पहुंच गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। इसमें बताया गया कि राज्य में संक्रमण के 87 नए मामले सामने आए हैं और कुल रोगियों की संख्या 2,477 हो गई है।

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) के अधीक्षक बिमल कुमार कारक ने पीटीआई-भाषा से कहा कि मृतक सारण जिले के मढ़ौरा का रहने वाला था और उसे बुखार तथा खांसी के बाद 22 मई को पीएमसीएच में भर्ती कराया गया था। शनिवार शाम उसकी मृत्यु हो गई।

कारक ने बताया कि मृतक के नमूने उसे भर्ती किए जाने के समय ही ले लिए गए थे लेकिन जांच में कोविड-19 के संक्रमण की बात रविवार को उसकी मौत के बाद रिपोर्ट में ही साफ हुई। क्या उक्त मरीज ने कहीं की यात्री की थी, इस सवाल के जवाब में अधिकारी ने बताया कि वह लॉकडाउन के दौरान तमिलनाडु से सारण आया था।

अब तक बिहार राज्य में संक्रमण से 12 लोगों की मौत हुई है जिनमें दो-दो मामले पटना, वैशाली और खगड़िया से, एक-एक मामला रोहतास, मुंगेर, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, बेगूसराय और सारण से है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार राज्य में कुल 677 लोग कोरोना संक्रमण से उबर चुके हैं और 1,789 लोगों का इलाज चल रहा है। पूरे बिहार में सबसे ज्यादा रोगी पटना जिले से हैं जिनकी संख्या 196 है। दूसरे नंबर पर रोहतास जिले से 151 कोरोना रोगी हैं।

परेशानहाल प्रवासी कामगार पार्टियों और नेताओं के हाथों खुद को ठगा महसूस कर रहे

नई दिल्ली। प्रवासी कामगार रोशन श्रीवास्तव 19 साल का है और वह बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि कब चुनाव हों और उसे पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का मौका मिले, लेकिन लॉकडाउन के दौरान उस पर जो गुजरी उसने पूरी व्यवस्था पर से उसका विश्वास डिगा दिया। बिहार के सीवान जिले का निवासी रोशन इस साल होली के ठीक बाद रोजी-रोटी कर तलाश में दिल्ली आ गया था, लेकिन हालात कुछ ऐसे पैदा हुए कि अब वह घर लौटने के लिए बेचैन है। शुक्रवार की शाम को रोशन अपने भतीजे शिवम (19) और दोस्त प्रिंस (21) के साथ दिल्ली-उप्र सीमा पर स्थित गाजीपुर इस उम्मीद में पहुंचा कि किसी तरह बिहार अपने गांव लौट जाएंगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें यहां से लौटा दिया।

थकहार कर ये पश्चिमी दिल्ली के बलजीत नगर के अपने किराए के कमरे में लौट आए। उसने बातचीत में कहा, चुनाव के वक्त नेता लोग झूठे वादे करके, गरीबों के प्रति सहानुभूति दिखा कर हमारे साथ खेल खेलते हैं और फिर हमें भूल जाते हैं। जिस तरह से गरीब प्रवासी कामगार सड़कों पर, रेलवे पटरियों पर, सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवां रहे हैं ऐसा लगता है कि किसी को उनकी जिंदगी की परवाह ही नहीं हैं, इसने मुझे अंदर तक हिला कर रख दिया है।

परेशानहाल रोशन कहते हैं, मैं अभी मतदान करने की आयु मे पहुंचा हूं लेकिन मैं प्रण करता हूं कि किसी पार्टी अथवा नेता को अपना वोट नहीं दूंगा। फिर चाहे वह बिहार चुनाव हों,अगले आम चुनाव हों या फिर कोई और चुनाव। रोशन के दोस्त प्रिंस में भी व्यवस्था को ले कर काफी रोष है। प्रिंस ने कहा कि वह एक बार घर पहुंच जाएं फिर वहां लोगों से कहेंगे की वे अपना वोट बर्बाद नहीं करें। एक और प्रवासी कामगार दंपति आदेश सिंह और उनकी पत्नी मंजू दिल्ली उप्र सीमा पर टैक्सी चालकों से उन्हें उत्तर प्रदेश के सहारनपुर छोड़ने की मिन्नत करते नजर आए।

हिमाचल को क्वारंटीन डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के सीएम के विचार से विपक्ष असहमत

भाषा। शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का राज्य को क्वारंटीन डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने संबंधी विचार विपक्ष को रास नहीं आया है। विपक्ष ने रविवार को उनके इस प्रस्ताव की निंदा की है। ठाकुर ने एक टेलीविजन शो के दौरान कहा, हिमाचल कोरोना वायरस के इस दौर में पृथक-वास के लिए एक गंतव्य हो सकता है। कांग्रेस ने इस प्रस्ताव की आलोचना की है कि इससे मुख्यमंत्री के इस सुझाव से पर्यटन को प्रोत्साहित करने में मदद मिल सकती है। यहां तक कि स्थानीय होटल व्यवसाई संघ में इसके लिए उत्साह नहीं दिखा। उन्होंने कहा कि इससे नियमित पर्यटक आने बंद हो जाएगे।

ठाकुर ने कहा कि अगर आने वाले दिनों में कोरोना वायरस का प्रभाव पूरे देश में थोड़ा कम हो जाता है और लोगों को 14-15 दिन के लिए पृथक रहने की सलाह दी जाती है, तो वे हिमाचल प्रदेश का चयन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हम इस पर भी विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों से यह सुझाव आया है जो यह मानते है कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। अन्य राज्यों की तुलना में हिमाचल प्रदेश कोविड-19 से बहुत कम प्रभावित हुआ है। रविवार की अपराह्न तक राज्य में 193 मामले सामने आए है जिसमें चार लोगों की मौत के मामले भी शामिल हैं। कुछ जिलों में अब केवल कोरोना वायरस के एक या दो मामले हैं। लेकिन हिमाचल में घर लौट रहे प्रवासियों के कारण यह आशंका भी बढ़ रही है कि संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि हो सकती है।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के इस विचार को पूरी तरह से खारिज कर दिया। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर ने रविवार को एक बयान में कहा, हिमाचल प्रदेश को पृथक-वास स्थल के रूप में पेश करना न केवल गलत है बल्कि यह राज्य के लिए खतरनाक भी साबित हो सकता है। कांग्रेस महामारी को खुला निमंत्रण देने के इस फैसले को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा, हाल ही में मामलों में तेजी के कारण हिमाचल में कोरोना वायरस को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया है और यदि राज्य को एक पृथक-वास स्थल में बदल दिया जाता है, तो स्थिति हाथ से निकल सकती है।

इसके बजाय उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य को केन्द्र से वित्तीय पैकेज की मांग करनी चाहिए। शिमला होटल एवं रेस्तरां एसोसिएशन (एसएचआरए) के अध्यक्ष संजय सूद ने कहा कि यदि राज्य के होटलों को पृथक-वास केन्द्रों के रूप में विकसित किया जाता है तो नियमित पर्यटक राज्य में आना बंद कर देंगे।

कोयंबटूर में निगम कर्मी टाउनहाल बाजार की सड़क को सैनिटाइज करते हुए।

टीकाकरण से वंचित रहे बच्चों में बीमारियों के पनपने की आशंका

भाषा। नई दिल्ली

लॉकडाउन के दौरान बच्चों में डिप्थीरिया, खसरा, टिटनेस और पोलियो जैसी बीमारियों के नियमित टीकाकरण प्रभावित होने से इस तरह की समस्याओं के फिर से सिर उठाने की आशंका को लेकर विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता प्रकट की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में एक साल से कम उम्र के करीब आठ करोड़ बच्चों को डिप्थीरिया, खसरा और पोलियो जैसी बीमारियों का खतरा है क्योंकि कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन में उनका नियमित टीकाकरण नहीं हो सका। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार देश में हर महीने राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत एक साल से कम उम्र के करीब 20-22 लाख बच्चों को टीके लगाने का लक्ष्य रखा जाता है जो साल के हिसाब से करीब 2.6 करोड़ बच्चों का हो जाता है। लॉकडाउन के पहले दो चरण में 40 दिन तक लोग परिवहन के साधन नहीं होने की वजह से टीकाकरण केंद्रों तक नहीं पहुंच सके वहीं अनेक राज्यों ने महामारी से निपटने में व्यस्त रहने की वजह से टीकाकरण शिविरों को अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया। सूत्रों के अनुसार जब बंद की घोषणा की गई थी तो उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों ने टीकाकरण कार्यक्रम रोक दिए और गांवों में इनके लिए आयोजित शिविर भी नहीं लगाए गए। वहीं ओडिशा, राजस्थान, केरल और दिल्ली ने भी कुछ दिन के लिए इस तरह के अभियानों को रोक दिया। देशभर में स्वास्थ्य देखभाल समन्वय की गतिविधियों से जुड़े राष्ट्रीय मंच जन स्वास्थ्य अभियान की सदस्य छाया पचौली ने कहा, कई राज्यों ने नियमित स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियों को रोक दिया है जिनमें टीकाकरण भी शामिल है। संभव है कि इस अवरोध की वजह से 15 लाख से अधिक बच्चे पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से टीकाकरण से वंचित रह गए हों। राज्यों ने सेवाएं शुरू कर दी हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लंबित मामले हैं। हालांकि लॉकडाउन की अवधि में कितने बच्चे टीकाकरण से वंचित रह गए, इस बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। सरकारी सूत्रों के अनुसार बड़ी संख्या में बच्चे लॉकडाउन के शुरुआती चरण में टीकाकरण से वंचित रहे होंगे लेकिन सभी राज्यों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ बातचीत के बाद टीकाकरण कार्यक्रम पुनः शुरू कर दिया। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, कई अन्य देशों ने लॉकडाउन की वजह से टीकाकरण पूरी तरह बंद कर दिया और टीकों की आपूर्ति नहीं हुई, वहीं भारत केंद्र सरकार के लगातार जोर देने की वजह से हालात से उबर पाया और उसने आपूर्ति श्रृंखला को भी क्रमिक तरीके से बनाकर रखा। सूत्र ने कहा, कोविड-19 प्रकोप के दौरान टीकाकरण को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दिशानिर्देश जारी किए जाने के बाद राज्य न केवल अभियान को पुनः शुरू करने के लिए बल्कि लंबित मामलों पर भी ध्यान देने को तैयार हुए।

पटियाला में रविवार को शादी समारोह के बाद घर जाते हुए नवविवाहित जोड़े को गुलाब भेंट करती पुलिसकर्मी

क्विक न्यूज

बेदी की मंजूरी के बाद शराब की दुकानें खुलने का रास्ता साफ

पुडुचेरी। उपराज्यपाल किरण बेदी ने पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में हर श्रेणी की शराब पर विशेष आबकारी शुल्क लगाने की मंजूरी दे दी, जिसके साथ यहां शराब की दुकानें फिर से खुलने का रास्ता साफ हो गया। उप राज्यपाल कार्यालय की ओर से शनिवार रात जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक बेदी ने संक्रमण के प्रकोप के मद्देनजर पुडुचेरी तथा कराईकल क्षेत्रों में सभी श्रेणी की शराब के अधिकतम खुदरा मूल्य पर विशेष आबकारी शुल्क के जरिए विशेष कोरोना वायरस फीस लगाने की मंजूरी दे दी। विशेष शुल्क लगाने का यह प्रस्ताव मंत्रिमंडल से उनके पास मंजूरी के लिए भेजा गया था। अब इस मंजूरी के साथ ही इन क्षेत्रों में शराब की दुकानें फिर खुल सकेंगी। क्षेत्रीय प्रशासन के लिए राजस्व का प्रमुख स्रोत आबकारी शुल्क है। यह मुद्दा बेदी और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी के बीच विवाद की वजह बना हुआ था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि बेदी इसमें अवरोध पैदा कर रही हैं।

श्रीनगर में दीवार गिरने की घटना में घायल हुए दो लोगों की मौत हुई

श्रीनगर। श्रीनगर के नवकादल इलाके में एक मुठभेड़ स्थल के पास एक मकान की दीवार गिरने से घायल हुए दो लोगों की यहां एक अस्पताल में मौत हो गई। घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए थे। पुलिस ने रविवार को यहां जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हवाल निवासी मंजूर अहमद ने आज सुबह एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारी ने कहा कि कुछ घंटे बाद एक अन्य घायल व्यक्ति, जामालत्ता क्षेत्र के निवासी फैयाज अहमद ने भी दम तोड़ दिया। इसके साथ ही घर ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। शहर के करन नगर इलाके में छोटा बाजार के रहने वाले बसीम एजाज की बुधवार देर रात एसएमएचएस अस्पताल में मौत हो गई थी। शहर के नवकादल इलाके के कनेमाजार में मुठभेड़ स्थल पर मंगलवार को एजाज समेत चार लोग घायल हो गए थे। उस मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर जुनैद सेहराई समेत दो आतंकवादी मारे गए थे। दीवार तब गिरी थी जब लोग मुठभेड़ में नष्ट हुए घरों में से एक के मलबे को साफ कर रहे थे, जिसमें चार लोग घायल हो गए थे।

अम्फान से प्रभावित हुए पश्चिम बंगाल की मदद के लिए इंडिया फॉर बंगाल पहल

कोलकाता। दि टाइम्स नेटवर्क ने चक्रवाती तूफान अम्फान से प्रभावित पश्चिम बंगाल में राहत के लिहाज से पैसा एकत्र करने और जागरुकता के लिए इंडिया फॉर बंगाल नाम से विशेष पहल की शुरुआत की है। देश को पश्चिम बंगाल में पुनर्वास के प्रयासों में योगदान के लिए प्रोत्साहित करते हुए नेटवर्क ने लोगों से अनुरोध किया कि राज्य के अपने साथी नागरिकों की आजीविका में मदद के लिए इस प्रयास में भागीदार बनें। नेटवर्क ने एक बयान में कहा कि तूफान अम्फान ने 1.36 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया और 10.5 लाख घर तबाह हो गए। बयान में कहा गया कि इंडिया फॉर बंगाल प्रकृति के प्रकोप से प्रभावित हुए लोगों की मदद के लिए है जिसके माध्यम से राज्य के प्रभावित लोगों की दशा के बारे में जागरुकता लाई जा रही है। बयान में कहा गया है कि लोग पश्चिम बंगाल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आईसीआईसीआई बैंक खाता संख्या 628001041066, आईएफएससी कोड आईसीआईसी 0006280 और एमआईसीआर कोड 700229010 में राशि दान कर सकते हैं। इस पहल के संदर्भ में टाइम्स नेटवर्क के प्रबंध निदेशक और सीईओ एम के आनंद ने कहा, बंगाल भारत की सांस्कृतिक धरोहर का मुख्य स्तंभ है। पिछले दिनों राज्य और उसके लोग हाल की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक से प्रभावित हुए हैं। इंडिया फॉर बंगाल तत्काल सक्रियता दिखाने वाला एक कदम है जिसमें पश्चिम बंगाल के पुनर्निर्माण के लिए पूरे देश के सहयोग और एकजुटता की जरूरत है।

कोरोना वायरस दवा के बड़े पैमाने पर उत्पादन में भारत को अहम भूमिका निभानी होगी: फ्रांस के राजदूत

भाषा। नई दिल्ली

फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनाइन ने कहा है कि एक बार कोरोना वायरस संक्रमण का उपचार मिल जाए उसके बाद भारत को पड़े पैमाने पर दवा और टीके के उत्पादन में अहम भूमिका निभानी होगी। दुनिया भर में दर्जनों शोधकर्ता कोरोना वायरस की दवा तैयार करने के काम में दिन रात जुटे हुए हैं।

विश्व में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 3.30 लाख से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं जबकि 50 लाख से अधिक संक्रमित है। फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनाइन ने कहा कि अगर हम चाहते हैं कि कोविड-19 की दवा और टीका आने के बाद दुनिया भर में उसका समान वितरण हो तो इसके लिए देशों के बीच समन्वय की बहुत आवश्यकता है। दवाओं और टीकों के उत्पादक देश के तौर पर भारत को अहम भूमिका निभानी होगी। दरअसल भारत दुनियाभर में टीकों और जेनेरिक दवाओं का अग्रणी निर्माता देश है। देश के अनेक शोध संस्थान कोरोना वायरस संक्रमण की दवा तलाशने में लगे हुए हैं। फ्रांस के राजदूत का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है जब बड़ी संख्या में देश और यूरोपीय संघ ऐसे प्रयास कर रहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण के उपचार की कोई भी दवा अथवा टीके का व्यापक पैमाने पर उत्पादन हो ताकि सभी तक इसकी न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित हो सके।

हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन की दो दिवसीय बैठक में भी यह मुद्दा जोर शोर से उठा था और कई देशों ने सभी देशों के लिए दवा उपलब्ध कराने की मांग की थी। उनका कहना था कि ऐसे नहीं हो कि सारी दवाएं अमीर देशों के पास पहुंच जाएं। राजदूत ने कहा, फ्रांस और भारत ने महामारी से निपटने के लिए सभी जरूरी उत्पादों के वैश्विक, समयबद्ध और न्यायसंगत पहुंच के यूरोपीय प्रस्ताव(डब्ल्यूएचओ में) का समर्थन किया है साथ ही कोविड-19 के प्रति गहन प्रतिरोधी क्षमता की भूमिका को वैश्विक जन स्वास्थ्य के तौर पर रेखांकित किया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संकट ने यह भी दिखाया है कि फ्रांस और भारत जिस बहुतावाद की वकालत करते हैं, वह वर्तमान सदी के लिए सही विकल्प है। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य देखभाल और जलवायु परिवर्तन जैसे प्रमुख मुद्दे जो पूरी दुनिया के भविष्य का खाका तैयार करते हैं, उनसे अकेले नहीं निपटा जा सकता। फ्रांस के राजदूत ने कहा कि इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती मरीजों के उपचार के लिए जरूरी दवाएं भेजने के लिए फ्रांस भारत का बहुत आभारी है। यह पूछे जाने पर कि कोरोना वायरस कहां पैदा हुआ इस संबंध में वैश्विक जांच की जरूरत है, लेनाइन ने कहा , कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने के बाद यकीनन इसकी जरूरत है।

भारत को राफेल विमानों की आपूर्ति में देरी नहीं होगी: फ्रांस

नई दिल्ली। भारत में फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनिन ने कहा कि भारत को 36 राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में कोई देरी नहीं होगी और जिस समय सीमा को तय किया गया था उसका सख्ती से पालन किया जाएगा। भारत ने फ्रांस के साथ सितंबर 2016 में 36 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एक अंतर सरकारी समझौता करीब 58,000 करोड़ रुपए की लागत से किया था। लेनिन ने पीटीआई-भाषा को बताया, राफेल विमानों के अनुबंधात्मक आपूर्ति कार्यक्रम का अब तक बिल्कुल सही तरीके से सम्मान किया गया है और वास्तव में अनुबंध के मुताबिक अप्रैल के अंत में फ्रांस में भारतीय वायु सेना को एक नया विमान सौंपा भी गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ अक्टूबर को फ्रांस में एक हवाई अड्डे पर पहला राफेल जेट विमान प्राप्त किया था। राजदूत ने कहा, हम भारतीय वायुसेना की पहले चार विमानों को यथाशीघ्र फ्रांस से भारत ले जाने की व्यवस्था करने में मदद कर रहे हैं।

गोलपारा के अगिया-लखीपुर क्षेत्र में रविवार को भारी बारिश के बाद बाढ़ के कारण कटा एक सड़क का बड़ा हिस्सा

कोरोना वायरस की घुसपैठ के वक्त कमलनाथ सरकार फिल्म पुरस्कार समारोह की तैयारियों में व्यस्त थी : भाजपा सांसद शंकर लालवानी

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

देश में कोविड-19 के प्रसार का बड़ा केंद्र बने इंदौर जिले में महज दो महीने के भीतर संक्रमितों की संख्या 3,000 के आंकड़े को पार गई है। भाजपा के क्षेत्रीय लोकसभा सांसद शंकर लालवानी ने इस स्थिति के लिए कमलनाथ की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

उनका आरोप है कि इंदौर में महामारी के फैलाव के शुरूआती दौर में इसकी रोकथाम के पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए क्योंकि पिछली सरकार शहर में एक फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी की तैयारियों में व्यस्त थी। लालवानी ने रविवार को "पीटीआई-भाषौ से कहा, "केंद्र सरकार जब कोविड-19 के प्रति राज्यों को आगाह कर रही थी और इंदौर में यह महामारी घुसपैठ कर रही थी, तब मध्य प्रदेश की तत्कालीन कमलनाथ सरकार शहर में मार्च के अंत में होने वाले आईफा पुरस्कार समारोह की तैयारियों में व्यस्त थी।

उन्होंने कहा, जब कोविड-19 के प्रकोप से निपटने के लिए भाजपा इंदौर में पर्याप्त डॉक्टरों के इंतजाम की मांग कर रही थी, तब कमलनाथ सरकार इस बात को लेकर चिंतित थी कि आईफा अवॉर्ड समारोह में शामिल होने वाले फिल्मी सितारे शहर के किन होटलों में ठहरेंगे? इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) का पुरस्कार समारोह प्रदेश सरकार के सहयोग से 27 से 29 मार्च तक इन्दौर में आयोजित होना था और इसकी काफी तैयारियां भी हो चुकी थीं। हालांकि, कोरोना वायरस के संक्रमण की चिंताओं के मद्देनजर आयोजकों ने छह मार्च को घोषणा की थी कि इसे स्थगित किया जा रहा है। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि सत्ता की खुमारी में डूबी तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने कोविड-19 की रोकथाम के लिए केंद्र के जारी परामर्शों की लगातार उपेक्षा की और प्रदेश की औद्योगिक व वाणिज्यिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में इस महामारी से लोगों को बचाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए। गौरतलब है कि कांग्रेस के कुल 22 बागी विधायकों के त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल होने के कारण कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई थी और उन्होंने 20 मार्च को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 23 मार्च को शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश की सत्ता में लौट आई थी। लालवानी ने कहा कि कोविड-19 के प्रकोप के शुरूआती दौर में इंदौर में इस महामारी के बिना लक्षण वाले मरीजों के शवयात्राओं में अनजाने में शामिल होने से भी इसका संक्रमण फैला। उन्होंने यह दावा भी किया, "शहर के कुछ क्षेत्रों में लोगों ने कोविड-19 के लक्षणों के बावजूद अस्पतालों में भर्ती होने के बजाय अपने घरों में ही इलाज कराने की गंभीर चूक की क्योंकि वे इस महामारी से डरे हुए थे और उनमें जागरूकता का अभाव भी था।

कोरोना वायरस को लेकर लागू देशव्यापी लॉकडाउन का चौथा चरण 31 मई को समाप्त हो रहा है। हालांकि, इस महामारी का प्रकोप कायम रहने के कारण इंदौर जिला अब भी रेड जोन में बना हुआ है। संक्रमण रोकने के लिए प्रशासन ने इंदौर की शहरी सीमा में 25 मार्च से कर्फ्यू लगा रखा है, जबकि जिले के अन्य स्थानों पर कुछ छूटों के साथ लॉकडाउन लागू है। लालवानी ने कहा कि वैसे इंदौर में पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 के फैलाव पर नियंत्रण किया गया है और इसके मरीजों की मृत्युदर में कमी आई है। लेकिन मैं चाहता हूं कि 31 मई के बाद भी जिले को सोच-समझकर धीरे-धीरे खोला जाए। वरना इस महामारी के विस्फोट की स्थिति बन सकती है।

पेज एक का शेष

जो आंकड़ा...

में आंकी गई संख्या से 10 गुना अधिक हो सकती है। इसी तरह, 24 मार्च को ही इटली में कोविड-19 मामलों को देखने वाली एजेंसी के प्रमुख रहे अधिकारी ने सुनिश्चित किया था कि इटली में वास्तविक से दस गुना अधिक मामले हो सकते हैं। सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी के प्रमुख एंजेलो बोरेल्ली ने कहा कि हर 10 में से एक पॉजिटिव केस का अनुपात विश्वसनीय है। अब अमेरिका के हालात का जायजा लें। प्रत्येक देश के कोरोना मामलों का 24 घंटे का रिकार्ड रखने वाली वैश्विक वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार चूंकि बड़ी संख्या में मामले गैर लक्षण वाले यानी असिम्प्टोमैटिक होते हैं और इनका पता आसानी से नहीं चलता, इसलिए संक्रमण का बहुत कम ही पता चल पाता है। इसलिए पॉजिटिव मामलों की वास्तविक संख्या दर्ज किए जाने वाले मामलों की संख्या से कई गुना अधिक होते हैं। मौतों की संख्या को भी कम करके आंका जाता है, क्योंकि कुछ रोगियों को अस्पताल में भर्ती नहीं किया जाता और उनकी जांच भी नहीं हो पाती। वर्ल्डोमीटर के अनुसार यदि हम कोरोना से मौत और पॉजिटिव मामले की गिनती को दर्ज किए गए मामलों की संख्या के आधार पर करते हैं और वास्तविक आंकड़ों को नजरअंदाज कर देते हैं तो मृत्यु दर का असली आंकड़ा पता नहीं कर पाएंगे।

ना-नुकुर...

50 विमानों का परिचालन होगा। 25 विमान यहां से उड़ान भरेंगे और 25 लैंड करेंगे। यह संख्या धीरे धीरे बढ़ाई जाएगी। तूफान की तबाही झेल रहे पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 30 मई के बाद घरेलू उड़ानें शुरू करने पर जोर दे रही थीं लेकिन अब वे 28 मई के लिए राजी हो गई हैं। राज्य के बागडोगरा हवाई अड्डे से 25-27 मई के बीच किसी भी घरेलू उड़ान का संचालन नहीं होगा। यहां 28 मई से रोज 20 उड़ानों का संचालन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल और कर्नाटक राज्य सरकारों ने तय किया है कि हवाई यात्रियों को 14 दिन क्वारंटीन रहना होगा। यूपी के मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी की ओर से रविवार को जारी प्रोटोकोल के मुताबिक, उड़ानों से आने वाले लोग यदि इसी राज्य के हैं तो उन्हें घर में पृथक वास करना होगा। सोशल डिस्टेंसिंग, हाथों को साबुन से धोने व मास्क पहनने जैसे नियमों का पालन अनिवार्य होगा और किसी भी हालत में उन्हें समूह में जुटने की इजाजत नहीं दी जाएगी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा कि 25 मई से राज्य में आने वाले यात्रियों को 14 दिन क्वारंटीन रहना होगा। बघेल के मुताबिक, उड़ानें शुरू होने से कोरोना संक्रमण के तेजी से फैलने की आशंका को दरकिनार नहीं किया जा सकता। हिमाचल प्रदेश सरकार ने रेड जोन से आने वाले लोगों व इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी के लक्षण वाले लोगों को संस्थागत क्वारंटीन में रखने का फैसला लिया है। कांगड़ा के उपायुक्त राकेश प्रजापति ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यही नियम हवाई यात्रियों पर भी लागू किया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने 14 दिन के क्वारंटीन का फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्य में महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, दिल्ली, राजस्थान व मध्य प्रदेश से किसी भी साधन से आने वालों को 7 दिन संस्थागत व 7 दिन होम क्वारंटीन में जाना होगा। हैदराबाद के राजीव गांधी एयरपोर्ट से सोमवार से रोज 30, गुवाहाटी से 32 और गोवा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से प्रतिदिन कम से कम 15 उड़ानों का संचालन होगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी नॉर्थ ईस्टर्न हेडक्वार्टर के कार्यकारी निदेशक संजीव जिंदल ने बताा कि गुवाहाटी आने वाली एक से दूसरी फ्लाइट के बीच पर्याप्त अंतर होगा। गोवा आने वालों का एंटी बॉडी टेस्ट किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम हवाई अड्डों से सोमवार के बजाय मंगलवार से घरेलू विमानों का संचालन शुरू होगा।

लखनऊ में...

मास्क पहनना अनिवार्य होगा। दुकान पर आने वाले हर ग्राहक का ब्यौरा दर्ज किया जाएगा। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आने वाले किसी ग्राहक में अगर कोविड-19 से जुड़े लक्षण मिलते हैं तो दुकानदार को अनिवार्य रूप से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सूचित करना होगा। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की रोगाणुनाशक से नियमित रूप से साफ-सफाई होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की लिफ्ट में केवल चार लोग ही एक साथ जा सकेंगे। लिफ्ट संचालक की मौजूदगी अनिवार्य रहेगा। लिफ्ट को हर घंटे संक्रमणमुक्त करना होगा। राजधानी के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तो खुलेंगे लेकिन शॉपिंग मॉल अभी बंद ही रहेंगे। रेड जोन या निरुद्ध क्षेत्र में पड़ने की वजह से अमीनाबाद, नजीराबाद, लाटूश रोड, कैण्ट रोड की दुकानें, बीएन रोड से बापू भवन चौराहे तक की सभी दुकानें, बर्लिंगटन चौराहे से कैसरबाग चौराहे के बीच पड़ने वाली दुकानें, कैसरबाग चौराहे से कैसरबाग बस अड्डे के बीच पड़ने वाली दुकानें, कैसरबाग बस अड्डे से मौलवीगंज चौराहे तक की दुकानें, मौलवीगंज से रकाबगंज चौराहे तक की दुकानें, हीवेट रोड, लालबाग, जयहिंद मार्केट, नादान महल रोड, चरक चौराहे से मेडिकल चौराहा और मेडिकल चौराहे से कन्वेंशन सेंटर, नक्खास बाजार, कैण्ट में अली जान मस्जिद के आसपास के क्षेत्र, निशातगंज की गली नंबर 5 की दुकानें, निशातगंज सब्जी मंडी तथा आसपास की दुकानें नहीं खुलेंगी।

भारत कोरोना...

केरल, झारखंड तथा असम में चार-चार लोगों की मौत हुई। चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में संक्रमण से तीन-तीन लोगों की मौत हुई, उत्तराखंड में दो लोगों की मौत हुई और मेघालय एक व्यक्ति की मौत हुई। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक संक्रमण से मौत के 70 फीसदी से अधिक मामलों में मरीज अन्य बीमारियों से भी ग्रस्त थे। देश में संक्रमण के सर्वाधिक 47,190 मामले महाराष्ट्र में, तमिलनाडु में 15,512, गुजरात में 13,664 और दिल्ली में 12,910 मामले हैं। राजस्थान में संक्रमण के 6,742 मामले, मध्य प्रदेश में 6,371 मामले, उत्तर प्रदेश में 6,017 मामले हैं। पश्चिम बंगाल में 3,459 मामले, आंध्र प्रदेश में 2,757 मामले और बिहार में 2,380 मामले हैं। पंजाब में संक्रमितों की संख्या 2,045, तेलंगाना में 1,813, कर्नाटक में।,959, जम्मू-कश्मीर में 1,569 और ओडिशा में यह संख्या 1,269 है। हरियाणा में कोविड-19 के 1,132 मामले, केरल में 795 मामले, झारखंड में 350 मामले और असम में 329 मामले अब तक सामने आए हैं। उत्तराखंड में 244 मामले और चंडीगढ़ में 225 मामले और छत्तीसगढ़ में संक्रमण के 214 मामले हैं। त्रिपुरा में 189 मामले, हिमाचल प्रदेश में संक्रमण के 185 मामले, गोवा में 55 मामले, लद्दाख में 49 मामले, अंडमान-निकोबार में 33 मामले सामने आए हैं। मणिपुर में संक्रमण के 29 मामले और पुडुचेरी में कोविड-19 के रोगियों की कुल संख्या 26 है। मेघालय में 14 मामले, दादरा-नागर हवेली में दो मामले, अरुणाचल प्रदेश तथा सिक्किम में संक्रमण का एक-एक मामला सामने आया है। मंत्रालय ने कहा कि उसके आंकड़ों का मिलान आईसीएमआर के आंकड़ों से किया जा रहा है।

सूर्य रोहिणी...

सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंच जाता है। श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी शुष्क हवाओं और छत्तीसगढ़ व तमिलनाडु के बीच एक ट्रफ विकसित होने के कारण लू और कहीं-कहीं भीषण लू की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग का कहना है कि 28 मई के बाद कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की वर्षा होने की संभावना बन रही है।

सफाईकर्मियों के पैर धोकर पीएम ने जो मानवता दिखाई थी, वह अब समाप्त हो गई है: राउत

मुंबई। लॉकडाउन के दौरान उत्पन्न प्रवासी श्रमिक संकट को लेकर केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफाईकर्मियों के पैर धोकर जो मानवता दिखाई थी, वह अब समाप्त प्रतीत होती है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में राउत ने अपने साप्ताहिक लेख में लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में चार सफाईकर्मियों के पैर धोकर हमें मानवता दिखाई थी। ऐसा लगाता है कि यह मानवता पिछले तीन महीने में समाप्त हो गई है।

मोदी ने प्रयागराज में कुम्भ मेले के दौरान सफाई कर्मचारियों के पैर धोए थे। राउत ने कहा, कश्मीरी पंडितों को उनके घर छोड़कर जाने और अपने ही देश में शरणार्थियों की तरह रहने के लिए मजबूर करने के मामले का कई बार राजनीतिकरण किया गया। आज करीब छह करोड़ प्रवासी श्रमिक उन्हीं की तरह रहने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा, एडोल्फ हिटलर की निर्दयता और यहूदियों के प्रति उसके व्यवहार पर नाराज होने वाले लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने इन प्रवासी श्रमिकों के लिए क्या किया। यदि सत्तारूढ़ सरकार सभी राज्यों में इन प्रवासी श्रमिकों के दु:ख से विचलित नहीं हुई है, तो इस कोरोना वायरस ने मानवता को समाप्त कर दिया है।

खेलो इंडिया के 2749 खिलाड़ियों में से प्रत्येक को 30 हजार दिए : साइ

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने रविवार को कहा कि उसने खेलो इंडिया से जुड़े 2749 खिलाड़ियों में से प्रत्एक खाते में 30,000 रुपए जमा किए है और इस तरह से इसमें कुल 8.25 करोड़ रुपए खर्च किए है। साइ की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, खिलाड़ियों के बैंक खातो में 22 मई 2020 को धनराशि भेज दी गई थी। कुल 2893 खिलाड़ियों को यह धनराशि दी जाएगी।

पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज तौफीक उमर कोरोना पॉजिटिव

कराची। पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज तौफीक उमर ने बताया कि उन्हें कोरोना वायरस संक्रमण की जांच में पॉजिटिव पाया गया है लेकिन उनके लक्षण बिल्कुल भी गंभीर नही है। उमर (38) इस खतरनाक वायरस के चपेट में आने वाले चौथे क्रिकेटर है। इससे पहले माजिद हक (स्कॉटलैंड), जफर सरफराज (पाकिस्तान) और सोलो एन्क्वेनी (दक्षिण अफ्रीका) कोरेना वायरस के चपेट में आ चुके है।

बोर्नेमाउथ का खिलाड़ी कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) की टीम बोर्नेमाउथ के एक खिलाड़ी को कोविड-19 के परीक्षण मे पॉजिटिव पाया गया है। प्रीमियर लीग क्लब ने रविवार को यह घोषणा की। इंग्लैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग मे यह कोरोना वायरस संक्रमण का आठवां मामला है। बोर्नेमाउथ ने कहा कि चिकित्सा गोपनीयता संबंधित नियमो के कारण खिलाड़ी की पहचान का खुलासा नही किया गया है और वह अब 14 दिन तक पृथक रहेगा।

पिता ने कहा, ज्योति ट्रायल के लिए तैयार लेकिन पढ़ाई पहली प्राथमिकता

कोलकाता। साइकिल पर अपने पिता को बैठाकर गुरुग्राम से बिहार के दरभंगा तक की 1200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली 15 साल की ज्योति कुमार पासवान ने भारतीय साइकिल महासंघ से मिले ट्रायल के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता 10वीं की पढाई को पूरा करना है। ज्योति के पिता मोहन पासवान ने दरभंगा के सिरहुल्ली से बताया, लॉकडाउन खत्म होने के बाद हम निश्चित तौर पर उसे ट्रायल के लिए भेजेंगे।

मुक्केबाज घर पर ट्रेनिंग से संतुष्ट नहीं : कुटप्पा

नई दिल्ली। भारत के मुख्य पुरुष मुक्केबाजी कोच सी ए कुटप्पा ने कहा कि वह कोविड-19 महामारी के कारण हुई बाधा के बाद 10 जून से शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए बेताब है क्योंकि वह ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके मुक्केबाजों के घर पर फिटनेस ट्रेनिंग से संतुष्ट नही है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की योजना है कि तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पुरुष और महिला मुक्केबाजों को कोविड-19 से बचने के कड़े दिशानिर्देशो के अंतर्गत एकसाथ पटियाला मे अभ्यास कराया जाए।

स्थिति सामान्य होने पर लागू नहीं होगा लार का नियम : कुंबले

अभी अंतरिम कदम उठाए गए

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की क्रिकेट समिति के अध्यक्ष अनिल कुंबले ने कहा है कि गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध अंतरिम कदम है और कोविड-19 महामारी से जुड़ी स्थिति नियंत्रित होने पर चीजें दोबारा सामान्य हो जाएंगी। संक्रमण के खतरे को न्यूनतम करने के लिए कुंबले की अगुआई वाली समिति ने लार के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने की सिफारिश की है। आईसीसी ने शुक्रवार को क्रिकेट दोबारा शुरू करने के अपने दिशानिर्देशों में भी इसे प्रतिबंधित करने का सुझाव दिया। कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड से कहा, यह सिर्फ अंतरिम उपाय है और उम्मीद करते हैं कि कुछ महीनों या एक साल में चीजें नियंत्रित होंगी और मुझे लगता है कि चीजें पहले की तरह सामान्य होंगी। अगर चीजें तीन-चार महीने में सामान्य हो जाती है और हम जिस तरह से फरवरी- मार्च में मैचों को आयोजित कर रहे थे उसी तरह से उनका आयोजन शुरू कर देते हैं तो फिर ए नियम लागू नहीं होंगे। कुंबले ने कहा, जब तक चिकित्सा परामर्श नहीं बदलते, नियम बना रहेगा। अपने जमाने के इस दिग्गज स्पिनर ने हालांकि गेंदबाजों की लार पर निर्भरता को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर हम सभी जानते हैं कि लार इतने वर्षों तक क्रिकेट का अहम हिस्सा रहा है। गेंदबाज के तौर पर हम गेंद पर लार लगाते रहे हैं। कई बार ग्रिप बनाने के लिए भी हम लार लगाते थे। लेकिन यह बीमारी स्पर्श से फैलती है और इसलिए हमने इस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। लार पर प्रतिबंध को लेकर गेंदबाजों ने मिश्रित प्रतिक्रिया दी है जिनका कहना है कि इससे निश्चित तौर पर स्विंग हासिल करने पर असर पड़ेगा लेकिन अधिकांश ने इससे इस्तेमाल से होने वाले संभावित स्वास्थ्य जोखिम को स्वीकार किया है। इस तरह की भी चर्चा है कि आईसीसी को गेंद को चमकाने के लिए वैक्स जैसे तत्वों के इस्तेमाल की स्वीकृति देनी चाहिए या नहीं।

लार पर प्रतिबंध के बाद गेंदबाजों के अनुकूल पिचें बनवाए आईसीसी : पठान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान को लगता है कि गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध गेंदबाजो के लिए करारा झटका होगा और अधिकारियो को बल्लेबाजो के पूर्ण दबदबे को रोकने के लिए गेंदबाजो के अनुकूल टेस्ट विकेट तैयार कराना चाहिए। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले की अगुआई वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की क्रिकेट समिति ने कोरोना वायरस के खतरे से बचने के लिए अंतरिम कदम के तहत लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। पठान को लगता है कि यह प्रतिबंध दो साल तक चल सकता है और इससे बल्लेबाजो को अनुचित लाभ मिल जाएगा। आपको सुनिश्चित करना होगा कि पिचें बल्लेबाजो के बजाय गेंदबाजो के ज्यादा अनुकूल हो ताकि लार का इस्तेमाल नही करने से मिलने वाले फायदे को खत्म किया जा सके। अगर आप ठीक तरह से गेंद को चमका नही सकोगे तो आप वैज्ञानिक कारणो से हवा को चीर नही सकोगे। और अगर आप इसे स्विंग नही कर पाओगे तो बल्लेबाजो के लिए चीजे आसान होंगी क्योंकि कोई भी सिर्फ तेज रफ्तार से नही डरता, उनको रफ्तार और स्विंग का संयोजन भयभीत करता है। भारतीय क्रिकेट मे स्विंग गेंदबाजी के महारथियो मे से एक पठान ने कहा, इसका (प्रतिबंध) असर टेस्ट मैचो मे गेंदबाजो को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा। यह सफेद गेंद के क्रिकेट के लिए कोई मुद्दा नही होगा क्योंकि गेंदबाज पहले कुछ ओवरो के बाद वैसे भी गेंद को नही चमकाते, वे इसे नरम बनाना चाहते है (ताकि बल्लेबाजो के लिए स्ट्रोक्स खेलना मुश्किल हो जाए)। लेकिन लाल गेंद के क्रिकेट मे आपको गेंद चमकाने की जरूरत होती है, भले ही आप तेज गेंदबाज हो या फिर स्पिनर। स्पिनर गेंद को ड्रिफ्ट करने के लिए चमक पर निर्भर होते है। बल्लेबाजो के लिए बहुत बड़ा फायदा होगा। खेल फिर बल्लेबाजो के ज्यादा अनुकूल हो जाएगा। वह घसियाली पिच के बजाय पिच के नीचे नमी को तरजीह देगे। अगर आप इंग्लैड और आस्ट्रेलिया को देखो तो वहां ज्यादा घास नही है लेकिन वहां नमी है और इससे गेंदबाजो को मदद मिलती है। आपको सुनिश्चित करना होगा कि गेंदबाजो के लिए भी कुछ हो। अगर गेंद के जरिए नही तो फिर परिस्थितियो के हिसाब से ही। अगर गेंदबाजो के लिए हालात मददगार होगे तो वे रिवर्स स्विंग की तलाश मे नही रहेंगे, वे पारंपरिक स्विंग पर ध्यान देगे।

प्रतिबंध से गेंदबाजों के कौशल में सुधार हो सकता है: रूट

लंदन। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट का मानना है कि कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के इरादे से गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर लगी रोक से गेंदबाजो के कौशल मे सुधार हो सकता है जिन्हे पिच से मदद हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले की अगुआई वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की क्रिकेट समिति ने खेल दोबारा शुरू होने पर गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने का सुझाव दिया है। आईसीसी ने क्रिकेट को दोबारा शुरू करने के लिए अपने दिशानिर्देशो मे भी गेंद पर लार के इस्तेमाल को प्रतिबंधित किया है। रूट ने हालांकि कहा कि यह गेंदबाजो के पक्ष मे काम कर सकता है और उनके कौशल मे इजाफा हो सकता है।

रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे है आईपीएल के अधिकतर फाइनल

नई दिल्ली। कोविड-19 के कारण अगर दुनिया भर की खेल गतिविधियों की तरह क्रिकेट भी ठप्प नहीं पड़ता तो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए आज सुपर संडे होता और हो सकता था कि क्रिकेट प्रेमियों को पूर्व के फाइनल की तरफ एक रोमांचक खिताबी मुकाबला देखने को मिलता। आईपीएल को कोरोना वायरस महामारी के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इसकी शुरुआत 29 मार्च को होनी थी और फाइनल 24 मई को खेला जाना था। अगर आईपीएल के अब तक के फाइनल की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम ने अब तक जिन दस टूर्नामेंट (स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण के कारण 2016 और 2017 से बाहर रही थी) में हिस्सा लिया है उनमें से आठ बार वह फाइनल में पहुंची और तीन बार उसने खिताब जीता। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली मुंबई इंडियन्स सर्वाधिक चार बार चैंपियन बनी जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने गौतम गंभीर की अगुवाई में दो खिताब जीते। हैदराबाद की टीमों (सनराइजर्स हैदराबाद, पहले डेक्कन चार्जर्स) ने भी दो खिताब जीते हैं जबकि टूर्नामेंट की पहली चैंपियन राजस्थान रायल्स थी। रायल्स को 2008 में किसी ने खिताब का दावेदार नहीं माना था लेकिन शेन वार्न की अगुवाई में उसके युवा खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई और मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में एक जून को खेले गए रोमांचक फाइनल में चेन्नई पर तीन विकेट से जीत दर्ज की थी। रायल्स को जीत के लिए आखिरी गेंद पर एक रन चाहिए था। लक्ष्मीपति बालाजी की गेंद पर पाकिस्तान के सोहेल तनवीर ने यह महत्वपूर्ण रन लिया था।

बीसीसीआई बनाम आईसीसी कर मसला : सरकारी नियमों में छूट मिलने की संभावना नहीं

नई दिल्ली। भारत में होने वाले भविष्य के वैश्विक टूर्नामेंट के लिए करों में छूट भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) के बीच फिर से विवाद का विषय बन गया है। भारत को 2021 में टी20 विश्व कप और 2023 में 50 ओवरों के विश्व कप की मेजबानी करनी है। आईसीसी और बीसीसीआई के बीच भारत में 2016 में खेले गए विश्व टी20 से लेकर ही करों में छूट को लेकर मतभेद चल रहे हैं। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण समाधान पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। प्रवक्ता ने पीटीआई से कहा, आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए करों में छूटे के मामले पर समाधान के लिए आईसीसी और बीसीसीआई मिलकर काम कर रहे हैं। करों में छूट मेजबानी से संबंधित समझौते के अनुरूप है जिस पर 2015 में सभी पक्षों ने हस्ताक्षर किए थे। इन समझौतों में समय सीमा भी तय हैं ताकि हम एक विश्वस्तरीय सफल प्रतियोगिता का आयोजन सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें। इसके अलावा आईसीसी बोर्ड ने कर मुद्दों के समाधान के लिए स्पष्ट समयसीमा पर सहमति व्यक्त की थी जिनका हम अनुसरण करते हैं। आईसीसी के निवर्तमान अध्यक्ष शशांक मनोहर और मुख्य कार्यकारी मनु साहनी बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के साथ नियमित संपर्क में थे लेकिन बीसीसीआई के अधिकारियों को विश्व क्रिकेट की शीर्ष संस्था के कानूनी प्रमुख जोनाथन हॉल के मेल की भाषा अच्छी नहीं लगी।

टी20 विश्व कप के होने की संभावना नहीं, आईसीसी इस हफ्ते करे फैसला : टेलर

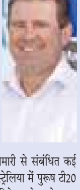

मेलबर्न। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर को नहीं लगता कि अक्टूबर-नवंबर में टी20 विश्व कप का आयोजन हो पाएगा और वह चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस हफ्ते अपनी बोर्ड बैठक में इस पर फैसला करे। टेलर को यह भी लगता है कि अगर टी20 विश्व कप की विंडो के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आयोजन होता है तो आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भारत में होने वाली इस लुभावनी लीग में हिस्सा लेने के लिए उनके बोर्ड से मंजूरी मिल जाएगी। आईसीसी 28 मई को कोविड-19 महामारी से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक करेगा जिसमें संशोधित कार्यक्रम और आस्ट्रेलिया में पुरुष टी20 विश्व के भाग्य पर भी चर्चा होगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के पूर्व निदेशक टेलर ने नाइन नेटवर्क से कहा, मुझे लगता है कि विश्व टी20 अक्टूबर में योजना के अनुसार आयोजित नहीं हो पाएगा। अक्टूबर या नवंबर में विश्व टूर्नामेंट को कराना उचित होगा? इसका जवाब शायद होगा, नहीं। उन्होंने कहा कि अगर इस पर फैसला इस हफ्ते हो जाएगा तो यह शायद अच्छा होगा। क्योंकि तब हर कोई योजना बनाना शुरू कर सकता है और हम यहां बैठे हुए यह कहना बंद कर सकते हैं कि, अगर ऐसा होता है, लेकिन या शायद। सीए के मुख्य कार्यकारी केविन राबर्ट्स कह चुके हैं कि शायद टी20 विश्व कप के भाग्य पर फैसला अगस्त तक नहीं आएगा।

ट्रैक और फील्ड एथलीट आज से शुरू करेंगे आउटडोर अभ्यास

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन के कारण पिछले दो महीने से अपने कमरों में कैद ट्रैक एवं फील्ड एथलीट सोमवार से आउटडोर अभ्यास शुरू करेंगे, जहां उनका पूरा ध्यान चोट से बचने के लिए फिटनेस हासिल करने पर होगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने पीटीआई को बताया कि एनआईएस (राष्ट्रीय खेल संस्थान)-पटियाला, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के ऊटी और बेंगलुरु केन्द्र के खिलाड़ी सोमवार से आउटडोर फिटनेस अभ्यास शुरू करेंगे। इससे पहले 17 मई को सरकार ने खेल परिसर और स्टेडियमों को खिलाड़ियों के लिए खोलने की अनुमति दे दी थी। हां, पटियाला, बेंगलुरु और ऊटी में एथलीट सोमवार से आउटडोर फिटनेस प्रशिक्षण शुरू करेंगे। यह ट्रैक पर फिटनेस (प्रशिक्षण) होगा। अभी खिलाड़ी अपने खेल के मुताबिक प्रशिक्षण लेने की जगह सिर्फ फिटनेस से जुड़ा अभ्यास करेंगे क्योंकि वे पिछले आठ सप्ताह से अपने कमरों के अंदर है। जब उनसे पूछा गया कि एथलीट विशिष्ट अभ्यास कब शुरू करेंगे, जैसे ट्रैक पर दौड़ना या थ्रोइंग (भाला और चक्का फेंक जैसे खेल) तो उन्होंने कहा, निश्चित रूप से वे ऐसा करेंगे लेकिन यह तब शुरू होगा जब वे फिटनेस एक स्तर पर हासिल कर लेंगे। तोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करने वाले भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आउटडोर अभ्यास को लेकर खुश हैं। एनआईएस पटियाल में 18 मार्च से अपने कमरे में बंद चोपड़ा ने कहा, मैं खुश हूँ। कम से कम कुछ शुरू हो रहा है, भले ही यह धीमी शुरुआत होगी। फर्राटा धाविका हिमा दास सहित दूसरे धावक और थ्रोवर एनआईएस-पटियाला में है जबकि पैदल चाल से जुड़े एथलीट बेंगलुरु के साइ केन्द्र में है। लंबी दूरी के धावक तमिलनाडु में ऊटी स्थित उच्च ऊंचाई वाले केंद्र में स्थित हैं। ओडिशा सरकार द्वारा लॉकडाउन के दिशानिर्देशों में छूट मिलने के बाद शीर्ष धाविका दुती चंद ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में आउटडोर अभ्यास शुरू कर दिया है।

अभ्यास शुरू करने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा : रोहित

न्यूजीलैंड दौरे के दौरान लगी पिंडली की चोट से उबरे

भाषा। मुंबई

भारत के सीमित ओवरों के उप कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान लगी पिंडली की चोट से वह पूरी तरह से उबर गए हैं लेकिन कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए हुए लॉकडाउन के कारण उनके फिटनेस्ट टेस्ट में लगातार विलंब हो रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के दौरान रोहित दो फरवरी को चोटिल हो गए थे और दौरे के बीच से ही उन्हें स्वदेश वापस लौटना पड़ा। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का हिस्सा नहीं थे जिसे बाद में कोरोना वायरस महामारी के कारण रद्द करना पड़ा। उस समय रोहित रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे। रोहित ने शनिवार रात ला लीगा के फेसबुक लाइव सत्र के दौरान कहा, लॉकडाउन से पहले मैं वापसी के लिए लगभग पूरी तरह से तैयार था। पूरा सप्ताह मेरा फिटनेस टेस्ट होना था लेकिन फिर लॉकडाउन हो गया और अब फिर नए सिरे से वापसी करनी होगी। उन्होंने कहा कि सब कुछ खुलने के बाद मुझे एनसीए जाकर फिटनेस टेस्ट देना होगा। उसे पास करके ही मैं टीम के साथ जुड़ सकूंगा। तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर कोरोना वायरस के कारण दो महीने के ब्रेक के बाद शनिवार को आउटडोर ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने वाले पहले भारतीय क्रिकेट बने थे। महाराष्ट्र सरकार ने ग्रीन और आरेंज जोन में स्थित स्टेडियमों में दर्शकों के बिना व्यक्तिगत अभ्यास की अनुमति दे दी है। रोहित ने कहा कि उन्हें टीम के साथियों के साथ समय नहीं बिता पाना खल रहा है और चीजों के सामान्य होने पर वह उनके साथ दोबारा ट्रेनिंग करने को लेकर उत्सुक हैं। हां, मुझे टीम के अपने साथियों की कमी खल रही है, उनके साथ समय बिताना और उनके साथ हंसी-मजाक करना। हालांकि हम वीडियो कॉल के जरिए एक दूसरे के संपर्क में रहने का प्रयास कर रहे हैं। मुंबई इस संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित शहरों में शामिल है और रोहित ने कहा कि उन्हें ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने में अधिक समय लग सकता है। उन्होंने कहा, मैं मानकर चल रहा हूं कि अन्य स्थानों पर मुंबई से काफी पहले ट्रेनिंग शुरू हो सकती है क्योंकि यह सबसे अधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों में है। मुझे लगता है कि अन्य साथी एक दूसरे के साथ ट्रेनिंग के वीडियो मेरी तुलना में काफी पहले देने लगेंगे। मुंबई के रहने वाले रोहित ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने अपने खानपान पर ध्यान दिया और दौड़ भी लगा रहे हैं।

वेतन देने को सस्ता कर्ज मिलता तो कई क्षेत्रों में सुरक्षित रह सकती थीं नौकरियां: सीआईआई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी और लॉकडाउन के चलते बड़े पैमाने पर लोगों को नौकरी से निकाले जाने की रपटो के बीच देश के प्रमुख उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) का कहना है कि कंपनियों को वेतन भुगतान के लिए सस्ते कर्ज की सुविधा दिला कर कई क्षेत्रों मे नौकरियां बचाई जा सकती थी। सीआईआई के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को कहा कि उद्योगमंडल ने सरकार को कंपनियो के लिए वेतन भुगतान बिल के बराबर 3 से 6 महीने के लिए सस्ती दर पर कर्ज सुलभ करने का सुझाव दिया था ताकि कंपनियां वे अपने कामगारों को समय पर पारिश्रमिक का भुगतान कर सकें। पर ऐसा हुआ नही। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने भाषा के एक सवाल पर कहा कि वर्तमान संकट मे देश के कृषि क्षेत्र मे चीजे बेहतर नजर आई और इसने एक भरोसा दिया है।

बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए ग्रीन, अंबर जोन में श्रमबल बढ़ाने की अनुमति दी जाए : पारले

नई दिल्ली। बिस्कुट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पारले प्रोडक्ट्स का मानना है कि ग्रीन और अंबर क्षेत्रो मे विशेष रूप से खाने-पीने का सामान बनाने वाली कंपनियो के कारखानों मे श्रमिको की सीमा पर अंकुश को हटाए जाने की जरूरत है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस वजह से मांग को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे मे आगे उत्पादो की कमी की स्थिति बन सकती है। पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते बड़ी संख्या मे श्रमिको का पलायन हो गया है। ऐसे मे श्रमबल की उपलब्धता चुनौती है। सरकार को खाद्य क्षेत्र की कंपनियो को ऐसे कारखानो मे 100 प्रतिशत श्रमबल के इस्तेमाल की अनुमति देनी चाहिए जो नियंत्रण वाले और रेड जोन मे नही आते है।

अमेरिका में पिछले पांच साल में की 20 हजार से अधिक नियुक्तियां: टीसीएस

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने पिछले पांच वर्षों मे अमेरिका मे 20,000 से अधिक कर्मचारियो को काम पर रखा है। कंपनी ने 2019-20 की सालाना रिपोर्ट मे यह कहा है। कंपनी ने कहा कि इससे कार्य वीजा पर उसकी निर्भरता कम हुई है और कारोबार का जोखिम भी कम हुआ है। टीसीएस के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं वैश्विक प्रमुख (मानव संसाधन) मिलिंद लक्कड़ ने कहा, हमारा वितरण मॉडल पिछले कुछ वर्षों मे विकसित हुआ है। हमने अमेरिका मे पिछले पांच वर्षों मे 20,000 से अधिक कर्मचारियो को काम पर रखा है। हर साल हम सैकड़ो नए इंजीनियरिंग स्नातको को नियुक्त करते है और उन्हे नई तकनीको पर प्रशिक्षित करते है। लक्कड़ ने कहा कि इन सभी कदमो ने टीसीएस की कार्य वीजा पर निर्भरता पिछले पाचं साल मे कम की है।

शीर्ष 10 में चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.12 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली। शीर्ष 10 मे चार कंपनियो का कुल बाजार पूंजीकरण (एमकैप) शुक्रवार को समाप्त सप्ताह मे।,12,121.1 करोड़ रुपए बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ मे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) रही।इसके अलावा भारती एयरटेल, इंफोसिस और आईटीसी को लाभ हुआ। वही रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैक, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 98,890 करोड़ रुपए घट गया। टीसीएस का एमकैप 47,148 करोड़ रुपए बढ़कर 7,57,587.71 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 26,735.60 करोड़ रुपए बढ़कर 2,29,065.73 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का 21,222,12 करोड़ रुपए बढ़कर 3,23,514.55 करोड़ रुपए और इंफोसिस का 17,014.67 करोड़ रुपए बढ़कर 2,94,828.76 करोड़ रुपए रहा।

उपायों का लाभ उठाएं उद्योग : ठाकुर

आत्म-निर्भर भारत के लिए निवेश बढ़ाएं

भाषा। नई दिल्ली

वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने भारतीय उद्योग जगत से देश को आत्म-निर्भर बनाने के लिए निवेश बढ़ाने का आह्वान किया है। ठाकुर ने कंपनियों से कहा कि वे सरकार की हालिया पहलों का लाभ उठाएं और निवेश बढ़ाने का प्रयास करें। वित्त राज्यमंत्री ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि इस मुश्किल समय में स्थानीय उद्योग को ध्वजवाहक बनकर यह दिखाना चाहिए कि भारत निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य है।

ठाकुर ने कहा कि 20.97 लाख करोड़ रुपए के आत्म-निर्भर भारत पैकेज के तहत सरकार ने उद्योग के लिए लंबे समय से लंबित संरचनात्मक सुधारों की घोषणा की हैं। इनमें भूमि, श्रम सुधार शामिल हैं। इसके पीछे मकसद निवेश के माहौल को सुधारना और कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर करना है। मंत्री ने कहा कि इनके अलावा कई और साहसी सुधार भी किए गए हैं। इनमें रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा में बढ़ोतरी, छह और हवाईअड्डों का निजीकरण, वाणिज्यिक कोयला खनन में निजी क्षेत्र को अनुमति जैसे सुधार शामिल है। उन्होंने कहा कि नकदी की जरूरत को पूरा करने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। इससे उद्योगों को नकदी उपलब्ध होगी और वे अपना कामकाज फिर शुरू कर सकेंगे। व्यक्तिगत रूप से मेरा मानना है कि हमें स्थानीय उद्योगों से अधिक निवेश की जरूरत है। भारतीय उद्योगों को दूसरों को दिखाना चाहिए कि भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य है। हमें घरेलू उद्योग के साथ दूसरे देशों से भी निवेश की जरूरत है। निवेश के नए क्षेत्रों का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा, कृषि, कृषि निर्यात, रक्षा उपकरणों के देश में ही विनिर्माण में ऐसा किया जा सकता है और इसे निर्यात का हब बनाया जा सकता है। इसके अलावा निजी क्षेत्र कोयला खनन और अन्य खनिज क्षेत्रों में अधिक निवेश आकर्षित कर सकता है। उद्योग नवोन्मेषी तरीके अपना सकता है। मसलन वह कुछ सस्ता सामान आयात कर उसमें मूल्यवर्धन कर उसे ऊंचे दामों पर निर्यात कर सकता है। ठाकुर ने कहा कि आर्थिक सुधार सतत प्रक्रिया है। उन्होंने 2020 को सुधारों के साल के रूप में याद किया जाएगा।

सरकार ने वाहनों के प्रमाण-पत्रों की वैधता 31 जुलाई तक बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को कहा मोटर वाहन अधिनियमों के तहत विभिन्न दस्तावेजों और प्रमाण पत्रों की वैधता की तिथि 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। इस निर्णय के तहत एक फरवरी से नवीनीकरण में विलम्ब के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क या विलम्ब शुल्क नहीं लिया जाएगा। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार कोविड-19 के दौरान लोगों की सुविधा के उद्देश्य से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक वैधानिक आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि इन दस्तावेजों के नवीकरण सहित किसी गतिविधि के लिए एक फरवरी या उसके बाद यदि शुल्क जमा भी कर दिया गया है और कोविड-19 महामारी की रोकथाम से उभरी स्थितियों की वजह से वह गतिविधि पूरी नहीं हो सकी है तो जमा शुल्क को अब भी वैध माना जाएगा।

महामारी के बाद की स्थिति में औद्योगिक वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार है ओडिशा: प्रधान

भुवनेश्वर। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि चक्रवात अम्फान से सफलतापूर्वक निपटने के बाद ओडिशा अब कोविड-19 महामारी के बाद औद्योगिक वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री ने कहा कि ओडिशा ने राज्य को निवेश का आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए उल्लेखनीय काम किया है। उन्होंने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि चक्रवात के सफल प्रबंधन ने निवेश के नए रास्ते खोल दिए हैं। राज्य अब कोविड-19 के बाद के परिदृश्य में औद्योगिक वृद्धि के अगले उच्च स्तर के लिए तैयार है। प्रधान ने सुझाव दिया कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए।

अल्पावधि की शोध-विकास परियोजनाओं पर ध्यान दे सकता है नीति आयोग

बेंगलुरू। नीति आयोग तात्कालिक चुनौतियों का सामना करने और त्वरित परिणाम देने के लिए देश में शोध व विकास (आरएंडडी) में बदलाव लाने को लेकर छोटी अवधि की परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की सिफारिशें पेश करने की तैयारी कर रहा है। आयोग के सदस्य वी के सारस्वत ने रविवार को यह कहा। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व प्रमुख सारस्वत ने कहा कि इस संबंध में वैज्ञानिकों और वैज्ञानिक संस्थानों के साथ परामर्श जारी है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, हम मूल रूप से अब देख रहे हैं कि चुनौतियों को पूरा करने के लिए आरएंडडी को कैसे बदलना है। हम कुछ सुझाव लेकर आ रहे हैं। उदाहरण के लिए, समय आ गया है कि हमें मिशन मोड पर छोटी अवधि की परियोजनाओं पर ध्यान देना है और जितने कम समय में संभव हो, परिणाम देना है।

सुधारों का मतलब श्रम कानूनों को पूरी तरह समाप्त करना नहीं : राजीव

संवाददता। नई दिल्ली

विभिन्न राज्यों द्वारा श्रम कानूनों में बदलाव को लेकर विभिन्न हलकों से चिंता जताई जा रही है। नीति आयोग ने इस बारे में चीजों को स्पष्ट करने का प्रयास करते हुए कहा है कि सरकार श्रमिकों के हितों का संरक्षण करने को प्रतिबद्ध है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि सुधारों का मतबल श्रम कानूनों को पूरी तरह समाप्त करना नहीं है। हाल के सप्ताहों में उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित विभिन्न राज्य सरकारों ने मौजूदा श्रम कानूनों में या तो संशोधन किया है या संशोधन का प्रस्ताव किया है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू प्रतिबंधों की वजह से उद्योग जगत बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उद्योग और कंपनियों को राहत के लिए राज्य सरकारों द्वारा यह कदम उठाया गया है। कुमार ने कहा, मेरा संज्ञान में अभी आया है कि केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने अपने रुख को सख्त करते हुए राज्यों को स्पष्ट किया है कि वे श्रम कानूनों को समाप्त नहीं कर सकते हैं, क्योंकि भारत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) में हस्ताक्षर करने वाले देशों में है।

ई-निविदा प्रेस सूचना

[illegible]

http://govtprocurement.delhi.gov.in

DIP/Shabdarth/0047/20-21

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में मुकदमा शुरू

भाषा। यरुशलम

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को देश की न्याय प्रणाली पर निशाना साधते हुए खुद पर लगे आरोपों को बेतुका करार देते हुए खारिज कर दिया, वहीं रविवार को भ्रष्टाचार के मामले में बहुप्रतीक्षित सुनवाई शुरू हो गई है। वह देश के पहले सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री होंगे जो भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना करेंगे। देश में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेतन्याहू यरुशलम की अदालत में मुकदमे की शुरुआती सुनवाई के दौरान मौजूद रहे। उन पर घूस, भ्रष्टाचार और विश्वासभंग के आरोप हैं। कई महीने के राजनीतिक गतिरोध के बाद उन्होंने हाल ही में सत्ता में वापसी की है। इस 70 वर्षीय इज़राइली नेता पर धोखाधड़ी, विश्वास भंग और घूस लेने के तीन अलग-अलग मामले हैं जिन्हें मामला 1000 (जालसाली और विश्वास तोड़ने), मामला 2000 (धोखाधड़ी और विश्वासभंग करना) और मामला 4000 (घूस, जालसाजी और विश्वास तोड़ना) करार दिया गया है।

हरीट्ज.कॉम की खबर के मुताबिक यरुशलम की जिला अदालत में प्रवेश से पहले मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने संवाददाताओं से कहा कि उनके खिलाफ जांच पहले दिन से ही संदेह के दायरे में थी और उन्होंने अपने खिलाफ लगे तीनों आरोपों को बेतुका करार दिया। नेतन्याहू ने न्यायाधीशों के बताया कि उन्होंने अपने खिलाफ लगे तीनों अभियोगों को पढ़ व समझ लिया है। नेतन्याहू के वकील मिचा फेट्टमेन ने अदालत में प्रधानमंत्री के खिलाफ साक्ष्यों के अपूर्ण होने और देर से पेश किए जाने की बात कही। समाचार पोर्टल की खबर में कहा गया कि फेट्टमेन ने कहा कि बचाव पक्ष को कोई भी शुरुआती अनुरोध करने में कम से कम दो से तीन महीने का वक्त लगेगा क्योंकि वह लगाए गए आरोपों के पूर्ण विवरण से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं। प्रधानमंत्री के वकीलों ने अदालत से आरोपों के पूरी तरह अध्ययन के लिए सुनवाई को छह महीने टाले जाने का अनुरोध किया। नेतन्याहू ने कुछ भी गलत करने से इनकार करते हुए खुद को जरूरत से ज्यादा सक्रिय पुलिस, पक्षपाती वकीलों और विरोधी मीडिया द्वारा तख्तापलट के प्रयास का पीड़ित बताया। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने बुधवार को पेशी से छूट के उनके अनुरोध को खारिज करते हुए उन्हें निर्देश दिया था कि आरोप-पत्र पढ़े जाने के दौरान व्यक्तिगत रूप से अदालत में मौजूद रहें।

येरुशलम में जिला अदालत के बाहर प्रदर्शन करते इजरायल के दक्षिणपंथी कार्यकर्ता

फ्रांस ने सीमा पर प्रतिबंधों में ढील की प्रक्रिया शुरू की

पेरिस। कोरोना वायरस संक्रमण में धीरे-धीरे कमी के मद्देनजर फ्रांस ने सीमा प्रतिबंधों में ढील की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत यूरोप के अन्य देशों से आने वाले प्रवासी श्रमिकों और परिजनों से मिलने आने वाले लोगों को इजाजत दी जाएगी, लेकिन ब्रिटेन और स्पेन से आने वाले लोगों के लिए पृथक-वास जरूरी होगा। एक सरकारी बयान के अनुसार, फ्रांस मार्च में सीमा पर लगाई गई रोक को सोमवार से हटा रहा है। फ्रांस प्रवासी श्रमिकों और पारिवारिक कारणों से आने वाले लोगों को शामिल करने के लिए यूरोप के सीमा-मुक्त यात्रा क्षेत्र में अन्य देशों से अनुमति प्राप्त लोगों की श्रेणियों को भी व्यापक बना रहा है। हालांकि, ब्रिटेन और स्पेन से आने वालों को पृथक-वास में रहना होगा। यह 14 दिनों का स्वैच्छिक पृथक-वास होगा। फ्रांस के नागरिकों को छोड़कर यूरोप के बाहर के यात्रियों के आने पर अभी भी 15 जून तक प्रतिबंधित लगा हुआ है।

पीआईए विमान हादसा

प्रारंभिक रिपोर्ट में उठाए गए नए सवाल

भाषा। कराची

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) विमान हादसे पर एक प्रारंभिक रिपोर्ट में पायलट के विमान संचालन के बारे में गंभीर सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्या कॉकपिट में चालक दल के सदस्यों को संकट के बारे में हवाई यातायात नियंत्रकों को सूचित करने से रोका गया था। जियो न्यूज की खबर के अनुसार पाकिस्तानी जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या उड़ान संख्या पीके -8303 की दुर्घटना पायलट की गलती से हुई या एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुई है।

देश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, एयरबस ए -320 के इंजनों ने पायलट द्वारा विमान उतारने के पहले प्रयास में तीन बार रनवे को स्पर्श किया था जिससे विशेषज्ञों ने घर्षण दर्ज किया। द न्यूज इंटरनेशनल ने सीएए के सूत्रों के हवाले से बताया कि इसके बाद पायलट ने फिर से उड़ान भरी जिससे अधिकारियों को यह काफी अजीब लगा कि कॉकपिट में चालक दल के सदस्यों ने जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को लैंडिंग गियर के संबंध में किसी समस्या के बारे में सूचित नहीं किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब विमान ने लैंडिंग के पहले असफल प्रयास में जमीन को स्पर्श किया, तो संभव है कि इंजन का तेल टैंक और ईंधन पंप क्षतिग्रस्त हो गए जिससे पायलट विमान को सुरक्षित नहीं कर पाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई सवाल बहुत गंभीर हैं कि कॉकपिट में अलार्म सिस्टम पायलटों को आसन्न आपात स्थिति के बारे में जानकारी देने में क्यों और कैसे विफल रहे।

चीन ने दिया हांगकांग को धोखा: क्रिस पैटन

हांगकांग। हांगकांग के अंतिम ब्रितानी गवर्नर ने कहा है कि चीन ने अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र पर अपना नियंत्रण कड़ा करके उसे धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि चीन ने वादा किया था कि हांगकांग में वह स्वतंत्रता रहेगी, जो चीनी मुख्यभूमि को नहीं दी गई है। हांगकांग के अंतिम ब्रितानी गवर्नर क्रिस पैटन ने द टाइम्स ऑफ लंदन समाचार पत्र को दिए एक साक्षात्कार में कहा, हम नई चीनी तानाशाही देख रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हांगकांग के लोगों को चीन ने धोखा दिया है जिससे एक बार फिर यह साबित होता है कि आप उस पर और भरोसा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि ब्रितानी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि हम जो देख रहे हैं, वह संयुक्त घोषणा पत्र को पूर्णतय: नष्ट किए जाने के समान है। यह घोषणा पत्र एक वैध दस्तावेज है जिसके तहत पूर्व ब्रितानी उपनिवेश को चीन को 1997 में एक देश, दो प्रणालियां ढांचे के तहत लौटाया गया था। यह हांगकांग को 2047 तक पश्चिमी शैली की आजादी और अपनी कानूनी प्रणाली प्रदान करता है। लेकिन प्राधिकारियों द्वारा शहर में लोकतंत्र के समर्थन में प्रदर्शनों को व्यापक स्तर पर दबाए जाने के बाद कई लोगों को इस बात की आशंका है कि चीन हांगकांग की स्वतंत्रता छीन रहा है।

हांगकांग पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे, पानी की बौछार की

भाषा। हांगकांग

हांगकांग पुलिस ने चीन द्वारा शहर के लिए प्रस्तावित सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के खिलाफ रविवार को सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोगों पर आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की। हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों ने चीन के पिछले हफ्ते के इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। चीन की राष्ट्रीय संसद के शुक्रवार को शुरू हुए सत्र के पहले दिन सौंपे गए इस प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य अलगाववादियों और विध्वंसक गतिविधियों को रोकने के साथ ही अर्धस्वायत्त क्षेत्र में विदेशी हस्तक्षेप पर रोक लगाना है। आलोचकों ने इसे एक देश, दो व्यवस्थाओं की रूपरेखा के खिलाफ बताया है जो शहर को वो आजादी देता है जो चीनी भूभाग में लोगों को हासिल नहीं है।

रविवार दोपहर को काले कपड़े पहने हुए प्रदर्शनकारी मशहूर शॉपिंग डिस्ट्रिक्ट कॉजवे बे में एकत्रित हुए और प्रस्तावित कानून के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने हांगकांग के साथ खड़े हों, हांगकांग को आजाद करो और हमारे दौर की क्रांति जैसे नारे लगाए। यह प्रदर्शन हांगकांग में पिछले साल महीनों तक चले लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का हिस्सा है जिसने कई बार पुलिस एवं प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प का रूप भी ले लिया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की चेतावनी देने के लिए नीले झंडे दिखाए और बाद में आंसू गैस के कई गोले दागे। बाद में उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार भी की। पुलिस ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि कम से कम 120 लोगों को गिरफ्तार किया गया और ज्यादातर पर गैरकानूनी ढंग से एकत्र होने का आरोप लगाया गया है। एक अन्य पोस्ट में पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर ईंटें और अज्ञात द्रव फेंका जिससे पुलिस की मीडिया संपर्क टीम के चार सदस्य घायल हो गए। उन्होंने आगाह किया कि ऐसा व्यवहार कानून के खिलाफ है और पुलिस मामले की जांच करेगी। इससे पहले पुलिस ने अवैध रूप से जमा होने के आरोप में प्रदर्शन के दौरान प्रतिष्ठित कार्यकर्ता टैम टैक-ची को गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार इस विधेयक को शुक्रवार को चीन की राष्ट्रीय संसद में पेश किया गया और इसके 28 मई को पारित होने की उम्मीद है। यह हांगकांग के कानून को खत्म कर देगा और शहर की सरकार को शहर में भूभाग की एजेंसियों को स्थापित करने की अनुमति देगा तथा चीनी एजेंटों को मनमाने ढंग से उन लोगों को गिरफ्तारी करने का अधिकार देगा जो लोकतंत्र समर्थक हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने इस कदम को उस उच्चस्तरीय स्वायत्ता के लिए मौत की घंटी बताया है जिसके लिए बीजिंग ने 1997 में वादा किया था।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के कुल 54,601 मामले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण से 36 लोगों की मौत हो गई, जिससे देश में संक्रमण से मरने वालों की कुल संख्या 1,133 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। इसके अलावा देश में संक्रमण के कुल मामलों का आंकड़ा 54,601 पहुंच गया है। अब तक सिंध में 21,645 मामले, पंजाब में 19,557, खैबर-पख्तूनख्वा में 7,685, बलूचिस्तान में 3,306, इस्लामाबाद में 1,592, गिलगित-बाल्तिस्तान में 619 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 197 मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कुल 17,198 मरीज अब तक स्वस्थ हो चुके हैं और अब तक कुल 4,73,607 लोगों की जांच की गई हैं। सरकार ने ईद की नमाज अदा करते समय सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करने के लिए सख्त निर्देश भी दिए हैं और लोगों से रिश्तेदारों के यहां और समारोहों में जाने से बचने के लिए कहा।

सिंगापुर में कोविड-19 के 548 नए मामले सामने आये

सिंगापुर। सिंगापुर में रविवार को कोरोना वायरस के 548 नए मामले सामने आए, जिनमें ज्यादातर डॉर्मिटरी में रहने वाले विदेशी श्रमिक हैं। इन नए मामलों के साथ देश में संक्रमण की कुल संख्या 31,616 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। नए 548 मामलों में से केवल तीन सिंगापुर के नागरिक हैं या स्थाई निवासी हैं। मंत्रालय ने कहा कि बाकी 545 मरीज डॉर्मिटरी में रहने वाले सभी विदेशी हैं। मंत्रालय ने कहा कि बीमारी की वजह से मरने वालों की संख्या 23 हो गई है। अब तक 13,882 मरीज ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि शनिवार तक 711 मरीज अस्पताल में भर्ती थे। उनमें से आठ गहन चिकित्सा इकाई में थे। उसने बताया कि हल्के लक्षण वाले 16,452 मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पृथकवास में रखा गया है और उनकी देखभाल की जा रही है।

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के 25 नए मामले

सियोल। दक्षिण कोरिया में 24 घंटे में कोरोना वायरस के 25 नए मामले सामने आए हैं। कोरियाई रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने कहा कि रविवार को जारी नए आंकड़ों के साथ देश में रोगियों की कुल संख्या 11,190 हो गई है जिनमें 266 की मृत्यु हो चुकी है। एजेंसी ने कहा कि इनमें से 10,213 लोग सही हो चुके हैं और उन्हें पृथक-वास केंद्रों से छुट्टी दे दी गई है। उसने कहा कि नए 25 मामलों में से 17 लोग स्थानीय रूप से संक्रमित हुए और बाकी आठ मामले दूसरे देशों से आए लोगों के संक्रमण के हैं।

अमेरिका की पास्ता कंपनी में फैला कोरोना वायरस

स्पोकेन (अमेरिका)। अमेरिका में पास्ता बनाने वाली एक कंपनी ने स्पोकेन शहर में स्थित अपनी फैक्टरी में कोरोना वायरस फैलने की घोषणा की है। यह खबर ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिकी सरकार अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने की तैयारी कर रही है। अखबार द स्पोक्समैन-रिव्यू की खबर के मुताबिक फिलाडेल्फिया मैक्रोनी कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि उसके 72 कर्मचारियों की कोविड-19 के लिए जांच की गई और 24 कर्मी संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि स्पोकेन काउंटी में बृहस्पतिवार और शुक्रवार के बीच 31 नए मामले आने के साथ ही संक्रमण के मामलों की वृद्धि हुई है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि फैक्टरी के सभी कर्मचारियों की जांच की गई है और फैक्टरी को संक्रमण मुक्त किया गया है।

उत्तर टेक्सास में तूफान ने मचाई तबाही

डलास (अमेरिका)। उत्तर टेक्सास के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को तूफान, ओले और बवंडर ने भारी तबाही मचाई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने शनिवार को बताया कि फोर्ट वर्थ के उत्तरपश्चिम में स्थित बोवी शहर में शुक्रवार रात नौ बजे बड़ा तूफान और बवंडर आया जिसमें 153 कमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। मेयर गेलिन बरिस ने बोवी न्यूज को बताया कि इससे कम से कम 50 दुकानों और इतनी ही संख्या में घरों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने बताया कि इन घटनाओं में किसी की मौत नहीं हुई है और कोई गंभीर रूप से घायल भी नहीं हुआ।

तालिबान, गनी ने ईद के मद्देनजर तीन दिन के संघर्ष विराम की घोषणा की

भाषा। काबुल

> तालिबान ने अपने आदेश में लड़ाकों को न केवल लड़ाई न करने बल्कि अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा बलों के साथ मित्रतापूर्वक व्यवहार करने का भी आदेश दिया

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति और तालिबान ने रमजान के पवित्र माह की समाप्ति पर रविवार को शुरू हो रही ईद की छुट्टियों के मद्देनजर शनिवार देर रात को तीन दिन के संघर्ष विराम की घोषणा की। तालिबान के ऐलान के तुरंत बाद अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने ट्विटर के जरिए घोषणा की कि सरकार शांति की पेशकश करती है। यह कदम तब उठाया गया है जब कुछ दिन पहले अमेरिका के शांति दूत जलमी खलीलजाद ने काबुल और दोहा की यात्रा की थी।

खलीलजाद ने अपनी यात्रा के दौरान तालिबान और अफगान सरकार दोनों से हिंसा को कम करने तथा अंतर-अफगान वार्ता की ओर बढ़ने का अनुरोध किया था जो फरवरी में तालिबान के साथ हुए अमेरिका के शांति समझौते का अहम स्तंभ है। तालिबान ने संघर्ष विराम की घोषणा करते हुए अपने नेता की ओर से ईद-उल-फितर का एक संदेश दिया जिसमें कहा गया है कि आतंकवादी समूह शांति समझौते के लिए प्रतिबद्ध है और वह इस्लामिक व्यवस्था के तहत महिलाओं और पुरुषों के अधिकारों की गारंटी का वादा करता है। तालिबान ने अपने आदेश में लड़ाकों को न केवल लड़ाई न करने बल्कि अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा बलों के साथ मित्रतापूर्वक व्यवहार करने का भी आदेश दिया है।

शनिवार को जारी दिशा निर्देशों में तालिबान लड़ाकों को किसी भी स्थान पर दुश्मन पर हमला न करने लेकिन अगर कहीं भी दुश्मन की ओर से हमला होता है तो मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कहा गया है। आदेश में तालिबान के लड़ाकों को दुश्मन क्षेत्र में घुसने के खिलाफ भी आगाह किया गया है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने इस घोषणा का स्वागत किया और सभी पक्षों से इस अवसर का लाभ उठाने और अफगानिस्तान के नेतृत्व में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने यह जानकारी दी। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए 23 मार्च को पूरी दुनिया से संघर्ष विराम का आह्वान करने वाले गुतारेस ने कहा, केवल शांति समझौते से अफगानिस्तान में संघर्ष खत्म हो सकता है।

किम ने परमाणु ताकत बढ़ाने पर चर्चा के लिए की बैठक

भाषा। सियोल

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक अहम बैठक बुलाई, जिसमें देश के परमाणु शस्त्रागार को और मजबूत करने तथा सामरिक सशस्त्र बलों को सतर्क करने पर चर्चा की गई। वह करीब 20 दिन में पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए हैं।

इससे पहले, किम मई की शुरुआत में प्योंगयांग के पास एक उर्वरक कारखाने का उद्घाटन करते हुए सार्वजनिक रूप से नजर आए थे, जिससे उन अटकलों पर विराम लग गया था कि वह गंभीर रूप से बीमार हैं। वह 11 अप्रैल के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए थे। उनके स्वास्थ्य को लेकर तब से ही अटकलें लगाई जा रही थीं, जब वह अपने दिवंगत दादा किम इल सुंग की जयंती पर आयोजित समारोह में शामिल नहीं हुए थे। उवर्क कारखाने के उद्घाटन के पश्चात किम करीब 20 दिन बाद सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सार्वजनिक तौर पर नजर आए। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बैठक का समय बताए बिना कहा, बैठक में देश की परमाणु युद्ध अवरोधक क्षमता और बढ़ाए जाने की नीतियों तथा सामरिक सशस्त्र बलों को हाई अलर्ट पर रखने को लेकर चर्चा की गई। उसने बताया कि बैठक में डराने वाली विदेशी ताकतों को रोकने की क्षमता बढ़ाए जाने पर भी चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ वार्ता में लंबे समय से जारी गतिरोध के बीच यह बैठक की गई है। किम और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच फरवरी 2019 में बातचीत बेनतीजा रही थी। इस बात से खफा किम ने बाद में कहा था कि वह एक नए सामरिक हथियार का अनावरण करेंगे। उन्होंने अभी तक ऐसा कुछ नहीं किया है, लेकिन कम दूरी की मिसाइलों के कुछ परीक्षण किए गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव: हवाई में हुए प्राइमरी चुनाव में जीते जो बाइडेन

होनोलूलू (अमेरिका)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से प्रबल दावेदार जो बाइडेन ने हवाई में पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण हवाई में पार्टी के प्राइमरी चुनाव करीब एक महीना देरी से हुए हैं।

बाइडेन ने शनिवार को हुए चुनाव में सीनेटर बर्नी सैंडर्स को करारी शिकस्त दी। बाइडेन को 63 प्रतिशत और सैंडर्स को 37 प्रतिशत मत मिले। इस चुनाव के बाद बाइडेन ने हवाई के 16 डेलीगेट जीते, जबकि सैंडर्स को आठ डेलीगेट मिले। एसोसिएटिड प्रेस की गणना के अनुसार बाइडेन के पास अब कुल 1,566 डेलीगेट हैं और उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनाव में पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 1,991 डेलीगेट की आवश्यकता है। हवाई में हुए प्राइमरी चुनाव में कुल 35,044 मतदाताओं ने वोट डाले। सभी मत मेल के जरिए डाले गए। हवाई में पहले चार अप्रैल को पार्टी के प्राइमरी चुनाव होने थे। सैंडर्स पहले ही अपनी दावेदारी छोड़ चुके हैं।

कोरोना वायरस का संकट

दुनियाभर में मुसलमानों ने पाबंदियों के बीच मनाई ईद

भाषा। जकार्ता

दुनियाभर में लाखों मुसलमानों ने कोरोना वायरस के मद्देनजर घरों में सिमटे रहने के सख्त आदेशों और इसकी चपेट में आने के डर के बीच रमजान के पवित्र माह की समाप्ति पर ईद-उल-फितर का जश्न मनाया। ईद के मद्देनजर तीन दिन की छुट्टियां अक्सर घूमने, रिश्तेदारों से मिलने और खरीददारी करने का समय होता है लेकिन इस साल कई लोगों ने कोरोना वायरस संकट के चलते परिवार के करीबी सदस्यों के साथ इसे घर में ही मनाया।

इंडोनेशिया में लाखों मुस्लिमों के लिए ईद-उल-फितर की छुट्टियां इस बार उदासी से भरी हुई हैं। रोजे रखने के पाक महीने रमजान के अंत में आमतौर पर तीन दिन तक बड़े उत्साह से जश्न मनाया जाता है लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद यह उत्साह इस बार ठंडा पड़ गया है। विश्व के सबसे बड़े मुस्लिम बहुल देश में संक्रमण के करीब 22,000 मामले सामने आए हैं और 1,350 लोगों की मौत हुई है जो दक्षिणपूर्व एशिया में सबसे अधिक है। इसे देखते हुए मस्जिदों या खुले मैदानों में इस बार एकजुट होकर न नमाज पढ़ी जा सकी, न परिवारों का मिलना-जुलना हुआ और न रिश्तेदार इस बार बच्चों को ईदी (तोहफे) दे पाए।

रोम में रमज़ान के अंत में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ नमाज अदा करते मुस्लिम धर्म के लोग

तुर्की, इराक और जॉर्डन समेत कुछ देशों ने कर्फ्यू लगा रखा है लेकिन जहां कई पाबंदिया हटा भी दी गई वहां इसका जश्न फीका ही रहा क्योंकि लोगों के बीच इस संक्रामक रोग के फैलने का भय अब भी व्याप्त है। आचेह इंडोनेशिया का एकमात्र प्रांत है, जहां इस्लामी शरिया कानून लागू है। इस बेहद रूढ़िवादी प्रांत में मस्जिदों और मैदानों में सार्वजनिक रूप से ईद की नमाज पढ़ी जा सकेगी, लेकिन ऐसा किसी से हाथ मिलाए बिना और सीमित धर्मोपदेश के साथ किया जाएगा। अल्लाह के नाम का आह्वान कर लाउडस्पीकरों के साथ सजे वाहनों की सार्वजनिक परेड इस साल प्रतिबंधित है। आचेह में पिछले कुछ हफ्तों में कोरोना वायरस का एक भी मामला सामने नहीं आया है और यहां अब तक संक्रमण के 19 मामले सामने आए हैं जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हुई है। आचेह के विपरीत, जकार्ता की मस्जिदें और मैदान, जो ईद के दिन आमतौर पर भरे रहते थे, इस बार खाली दिखेंगे। जकार्ता में अधिकारियों ने लॉकडाउन को चार जून तक बढ़ा दिया है, सांप्रदायिक सभाओं पर रोक लगा दी है और निजी कारों के राजधानी से बाहर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। पड़ोसी मुस्लिम बहुल देश मलेशिया में कई हफ्तों के लॉकडाउन के बाद कारोबार खुले लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर अब भी पाबंदी है और लोगों को छुट्टियों के लिए अपने गृह नगर जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

अमेरिकी प्रतिबंधों को ताक पर रखते हुए वेनेजुएला पहुंचा पहला ईरानी पोत

भाषा। कराकस

ईरान से गैसोलीन लेकर आ रहे पांच टैंकरों में से पहला टैंकर शनिवार देर रात वेनेजुएला पहुंच गया जिसका मकसद दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र को ईंधन की कमी से अस्थाई रूप से राहत देना है। हालांकि ऐसा करते हुए उसने ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिका के दोनों दुश्मन राष्ट्रों पर लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया।

तेल टैंकर फॉर्च्यून आसानी से कैरिबियाई जलक्षेत्र के माध्यम से वेनेजुएलियाई तट पर पहुंच गया और वेनेजुएला के अधिकारियों ने आगमन का जश्न मनाया। इस दौरान पोत को अमेरिका की ओर से तत्काल किसी हस्तक्षेप का सामना नहीं करना पड़ा। वेनेजुएला के विदेश मंत्री जॉर्ज अरियजा ने ट्वीट किया, ईरान और वेनेजुएला ने बुरे वक्त में हमेशा एक-दूसरे का साथ दिया है।

उन्होंने कहा, आज, गैसोलीन के साथ पहला पोत हमारे लोगों के लिए पहुंच गया। टैंकर और उसके पीछे चल रहे चार और पोत ईरान और वेनेजुएला के बीच फलीभूत हो रहे संबंधों के बीच खुले सागर का सफर समाप्त करने की ओर हैं। वाशिंगटन का कहना है कि दोनों देशों का शासन दमनकारी है। मियामी स्थित निवेश कंपनी कराकस कैपिटल मार्केट्स के प्रमुख रस डालेन ने पोत का पता लगाने की प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर फॉर्च्यून की लोकेशन की पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि पांच में से सबसे अंतिम पोत, अगुआ टैंकर से करीब साढ़े तीन दिन पीछे चल रहा है। वेनेजुएला के पास विश्व का सबसे बड़ा तेल भंडार है लेकिन उसे गैसोलीन के आयात की जरूरत पड़ती है क्योंकि पिछले दो दशक में इसका उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

कोविड-19: रूस में एक दिन में संक्रमण से सर्वाधिक मौत

मास्को। रूस में एक दिन में कोरोना वायरस से सबसे अधिक लोगों की मौत हुई लेकिन तीन सप्ताह में संक्रमण के नए मामले सबसे कम सामने आए है। राष्ट्रीय कोरोना वायरस कार्यबल ने रविवार को बताया कि वायरस से 153 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 3,541 पर पहुंच गई है। देश में इससे पहले एक दिन में सबसे अधिक 150 लोगों की मौत हुई थी। संक्रमण के 8,599 नए मामले सामने आए हैं। मई में कई दिनों तक प्रतिदिन संक्रमण के मामलों की संख्या 11,000 से अधिक रही। रूस में कुल मिलाकर संक्रमण के 3,44,481 मामले सामने आए है। रूस में कम मृत्यु दर को लेकर पश्चिमी देश अपनी आशंका जता चुके हैं, कुछ का कहना है कि संभव है कि सरकार वायरस से हो रही मौतों की खबरों को दबा रही है और आंकड़ों में हेरफेर कर रही है। रूसी अधिकारियों ने इन आरोपों से इंकार किया है।

नीट की तैयारी

नीट परीक्षा अब 26 जुलाई को होना सुनिश्चित है। प्रस्तुत हैं तैयारी के कुछ तरीके, जिनका अभ्यर्थी अपने अधिकांश अतिरिक्त समय में पालन कर सकते हैं

कोविड-19 स्थिति ने न केवल देश को संकट में डाल दिया है, बल्कि इसने उन असंख्य महत्वाकांक्षियों के सपनों पर लगाम भी लगा दी है जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। हर साल राष्ट्रीय अर्हता कम प्रवेश परीक्षा (नीट) में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या निरंतर बढ़ने से, इस परीक्षा को देश में होनी वाली शीर्ष प्रवेश परीक्षाओं में से एक होने का दर्जा दिया गया है। अप्रत्याशित स्थिति के कारण, परीक्षाओं की तिथि घबराहट पैदा करते हुए अपेक्षाओं से कहीं आगे टल गयी है, छात्रों पर अपना लक्ष्य हासिल करने का दबाव पहले से अधिक बढ़ गया है।

ऐसे समय, इस दबाव के कारण, छात्र परीक्षा के दौरान अपनी बेचैनी को शांत नहीं कर पाते हैं और लापरवाह गलतियां कर बैठते हैं। छात्रों को इस समय का, खुद को शांत रखने तथा अपनी खामियों की पहचान करने और उनसे निपटने के तरीके समझने व दूसरों पर श्रेष्ठता हासिल करने में उपयोग करना चाहिए। यहां कुछ सशक्त तरीके हैं जो छात्रों की तैयारी बेहतर बनाने में उनकी सहायता कर सकते हैं:

गलतियों का पैटर्न पहचानें: कोई भी गलती असल में मूर्खता नहीं है क्योंकि यह ग्रेडिंग सिस्टम को प्रभावित करती है। व्यक्ति को इस गलतियों में पैटर्न तलाशने के लिए इसे सावधानीपूर्वक देखना व जांचना चाहिए। हालांकि पूर्व वर्षों या कृत्रिम परीक्षाओं का अभ्यास करते हुए, छात्रों को सावधानीपूर्वक उन गलतियों का मूल्यांकन करना चाहिए, जो उन्होंने की हुई हैं। इससे उन्हें उन गलतियों की किस्म पहचानने में सहायता मिलेगी, जो वे अक्सर कर जाते हैं ताकि अंतिम परीक्षा में उनसे बचा जा सके। चूंकि अधिकांश छात्र आनलाइन पद्धति में परीक्षा में लिख रहे हैं इसलिए उन्हें उन गलतियों का पैटर्न पहचानना कठिन नहीं होगा जो वे टेस्ट पेपर्स में कर जा रहे हैं।

प्रश्नों को सावधानी से पढ़ें: सही कहा गया है कि इंसानी बुद्धि में वो देखने की प्रवृत्ति होती है जो वह देखना चाहता है। समय पर पेपर पूरा करने की बेचैनी के कारण, छात्र बहुत तेजी के साथ प्रश्नों को निगाह डालते हैं, और अत्यावश्यक जानकारी को अनदेखा कर देते हैं। परिणाम यह होता है, वे उसमें वर्णित मूल जानकारी को पकड़ नहीं पाते हैं। जबकि उन्हें बहुत ध्यान से प्रश्नों को पढ़ना चाहिए और जटिल वाक्यों व नहीं, उचित व अनुचित जैसे शब्दों पर ध्यान देना चाहिए। प्रश्नों को गहन व एकाग्र अध्ययन छात्रों को मूर्खतापूर्ण गलतियां करने से बचाने तथा सही ढंग से उत्तर देने में सहायता कर सकता है।

सुव्यवस्थापन योग्यताएं: रफ शीट्स संभालना न केवल बहुत जरूरी, बल्कि परीक्षा के दौरान डराने वाला काम भी है। हालांकि, जो ज्यादा कठिन है, वो यह कि पता लगाना और तलाशना कि कौन सा समाधान किस विशेष प्रश्न से संबंधित है। अंत में समय की कमी से, छात्र बेचैन होकर सारे पन्ने देखने लगते हैं जिससे समय की बर्बादी होती है। बेतरतीब रफ शीट्स इससे लापरवाही की ओर ले जा सकती है जो फिर मूल्यांकन प्रक्रिया को प्रभावित करती है। इसीलिए छात्रों को अपनी शीट्स पर उचित निशान लगाकर संभालना चाहिए। इसके अलावा, वे शीट को रेखाओं से विभाजित कर सकते हैं। इससे अराजकता में कमी होगी और वे आवश्यकतानुसार बिना समय गंवाए आवश्यक उत्तर का संदर्भ पाने में सक्षम होंगे।

ओएमआर शीट पर विशेष ध्यान दें: एक सबसे आम गलती जो परीक्षा के दौरान छात्र करते हैं, वो यह कि वे ओएमआर शीट पर ध्यान नहीं देते हैं और उत्तरों की मार्किंग को अंत के लिए छोड़ देते हैं। बाद में, उनके पास समय नहीं बचता है तो गलत ढंग से विकल्पों पर मार्किंग लगा बैठते हैं। उन्हें उचित ढंग से घेरों को गहरा कर देने की सला है। उन्हें हमेशा प्रश्न हल करने के साथ ओएमआर शीट साथ ही साथ भरना व उचित उत्तर को चिन्हित करना चाहिए।

गोल घेरों को सही उत्तर से चिन्हित करने का काम अंत के लिए छोड़ देना नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि छात्र गोल घेरों को भर पाएं उससे पहले समय समाप्त हो सकता है। इसके अलावा, छात्रों को ध्यान देना चाहिए कि आंशिक रूप से भरे या एक ही प्रश्न के लिए अनेक गोल घेरे चिन्हित करने से हर कीमत पर बचना चाहिए। इन गलतियों को सुधारने के लिए, छात्रों को सलाह है कि वे आफलाइन पद्धति में अपनी उत्तर पुस्तिका को हल करने के साथ हर बार ओएमआर शीट पर अपने उत्तरों को भी चिन्हित कर दें।

अभ्यास व्यक्ति को उत्तम बनाता है: कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए छात्रों को जितना अधिक बार संभव हो उतनी बार कृत्रिम परीक्षाएं व पूर्वप्रश्नपत्रों को हल करने का अभ्यास करना चाहिए। उन्हें घर पर अभ्यास करने के दौरान परीक्षा वातावरण बनाने का प्रयास करना चाहिए मसलन अपनी गति पर नजर रखने के लिए टाइमर सेट करना चाहिए। यह आंकलन करने में उनकी सहायता करेगा कि वे कितना समय प्रश्न हल करने में लेते हैं और फिर उसे बेहतर करने का तरीका निकालते हैं। प्रतियोगी परीक्षाएं अधिक से अधिक अभ्यास करना, सटीकता व स्पीड से संबंधित हैं जो गलतियों की संभावना घटाने में छात्रों की सहायता करेंगी।

व्यवस्थित परीक्षा रणनीति बनाएं: योजनाबद्धता व रणनीतिकार्य वे प्रमुख तत्व हैं जिन्हें छात्र आम तौर पर परीक्षा के दौरान ध्यान में रखना भूल जाते हैं। उन्हें पेपर के विभिन्न हिस्सों के लिए पर्याप्त समय आवंटित करने तथा कठिन लगने वाले हिस्से को अंत के लिए छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें समय के साथ चलना चाहिए ताकि वे समय पर पेपर पूरा करने में सक्षम हों। छात्रों को एक ही प्रश्न पर बहुत ज्यादा समय लगाने से बचना भी चाहिए और एक सुव्यवस्थित एवं व्यापक रणनीति क्रियान्वित करते हुए समझदारीपूर्वक तनावमुक्त ढंग से पेपर पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

तनाव पर काबू पाएं: प्रश्न पत्रों के कठिनाई तसर तथा उसकी अप्रत्याशितता पर विचार करते हुए, बेचैनी होना छात्रों में आम प्रवृत्ति है। प्रदर्शन का दबाव तथा अपनी योग्यता के प्रति आत्मविश्वास की कमी छात्रों को परेशान करती नजर आती है। इस तरह, उन्हें तनाव प्रबंधन सीखना चाहिए और अपनी बेचैनी से लड़ने के लिए अपनी खूबियों व खामियों को जानना चाहिए। थोड़ा पानी पीना और गहरी सांसें लेना परीक्षा के दौरान बेचैनी पर काबू पाने में सहायता कर सकता है।

- आकाश चौधरी से प्राप्त जानकारी के आधार पर

स्कॉलरशिप

डरहम युनिवर्सिटी अकादमिक वर्ष 2020/21 के लिए 20 आईएएस फेलोशिप प्रस्तावित कर रही है। समस्त नागरिकताओं के आवेदक इन फेलोशिप के लिए आवेदन योग्य हैं।

योग्यता: किसी भी विषय वर्ग के आवेदन इस फेलोशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। वे शोधकर्ता या गैरअकादमिक होने चाहिए जिनकी चिर स्थापित या प्रबल उभरती अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा हो, उन्होंने अपने क्षेत्र में प्रमुख योगदान किया हो और वे शोध नेतृत्व तथा/ या सार्वजनिक प्रभाव का प्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन प्रावधानों के निर्देशानुसार पूर्णतया भरा आवेदन जमा करें। अपूर्ण या विलंब में भेजा गया आवेदन स्वीकार या विचार नहीं किया जाएगा। आईएएस फेलोशिप की शर्तों के प्रति सहमति हो।

आवश्यक दस्तावेज: आवेदन पत्र, बायोडाटा, दो संदर्भ पत्र, फेलोशिप प्रस्ताव

अंग्रेजी भाषा शर्तें: युनिवर्सिटी आईईएलटीएस, टीओईएफएल आईबीटी, केम्ब्रिज प्रोफिशिएंसी (सीपीई), कैम्ब्रिज एडवांस्ड(सीएई) एवं पीयर्सन टेस्ट आफ इंगलिश (पीटीई) एकेडमिक को चयनित अंग्रेजी भाषा दक्षता परीक्षाओं के रूप में स्वीकार करती है।

आवेदन कैसे करें: आवेदन आईएएस एडमिनिस्ट्रेटर, लिंडा क्रोव को इमेल द्वारा भेजने होंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि: 13 जुलाई 2020।

युनिवर्सिटी आफ केंटरबरी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सहायता के लिए स्कालरशिप हेतु आवेदन आमंत्रित करती है। इस स्कालरशिप में छात्र के प्रथम वर्ष कोर्स की पढ़ाई का आंशिक खर्च वहन करने का प्रस्ताव है।

स्कालरशिप: युनिवर्सिटी 15 हजार डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह ग्रांट कोर्स में पंजीकरण के समय आवेदक के युनिवर्सिटी ट्यूशन फीस खाते को देय है।

योग्यता: केरीकुलम बायोडाटा, पासपोर्ट की प्रतिलिपि व अकादमिक दस्तावेज जमा करने होंगे। आवेदकों से इस कोर्स के लिए आवेदन करने से पहले अपनी 12 साल की अकादमिक शिक्षा पूर्ण करना अपेक्षित है।

वे युनिवर्सिटी द्वारा प्रस्तावित किसी भी विषय में अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक पूर्ण फीस का भुगतान करने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र हों।

भाषा शर्तें: यदि आवेदक की स्थानीय भाषा अंग्रेजी नहीं है तो उन्हें आईईएलटीएस या टीओईएफएल परीक्षा देना अनिवार्य है।

आवेदन कैसे करें: आवेदकों को अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स में प्रवेश लेना होगा और ग्रांट के लिए आनलाइन आवेदन भरना होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि: 31 अक्टूबर, 2020।

योग्यताओं को निखारने का समय

डॉ. प्रदीप कुमार सिन्हा का कहना है कि स्कूलों व कालेजों के बंद होने से यह अनिश्चितता का दौर है। हालांकि छात्रों व शिक्षकों दोनों नया ज्ञान हासिल करने तथा भविष्य की तैयारी करने में इस समय का उपयोग कर सकते हैं

अप्रत्याशित ढंग से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषित किया कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए उनकी सरकार 21 दिन की देशव्यापी तालाबंदी लागू करने जा रही है। उन्हें जनता को आश्वस्त किया कि केन्द्र व राज्य सरकारें दोनों अत्यावश्यक वस्तुओं व सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी ताकि लोग आसानी से तीन सप्ताह के लाकडाउन के दौरान अपने घरों में बने रहें।

इसके बावजूद, स्कूलों, आफिसों व सार्वजनिक परिवहन के बंद होने ने छात्रों समेत आम लोगों के जीवन को उल्लेखनीय ढंग से बाधित किया। विभिन्न स्तरों की पढ़ाई पूरी करने में लगे छात्रों को अपने कोर्स के साथ तालमेल बनाकर चलना कठिन हो रहा है हालांकि शिक्षक विभिन्न प्रकार के डिजीटल अकादमिक सहयोग समेत आनलाइन कक्षाएं प्रदान कर रहे हैं।

परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं व साक्षात्कारों के अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित होने से, छात्रों के भीतर अनिश्चितता बहुत ज्यादा बढ़ी हुई है। हालांकि, यह जरूरी है कि छात्रों व शिक्षकों दोनों इस समय को अपनी योग्यताएं निखारने , ज्ञान के नए क्षेत्र तलाशने तथा खुद को एक अलग भविष्य के लिए तैयार करने में उपयोग कर सकते हैं।

शोध संभावित कालेज या पाठ्यक्रम: जबकि आप घर पर हैं, आप उन कालेजों व पाठ्यक्रमों पर गहन अध्ययन कर सकते हैं जिनके बारे में आप सोच रहे हैं। प्रत्येक युनिवर्सिटी वेबसाइट पर जाएं और उसकी शर्तों को समझें ताकि आप सटीक ढंग से जान सकें कि दाखिला पाने के लिए आपको क्या करने की जरूरत है।

मानक परीक्षाओं की करें तैयारी: जैसा कि आपके पास घर पर काफी समय है, आपको प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करनी चाहिए। परीक्षा के साथ खुद को ढालने के लिए कृत्रिम परीक्षाओं, या क्विज नमूनों की सहायता से तैयारी करें। परीक्षा पैटर्न का गहराई से अध्ययन करें, क्योंकि ये परीक्षाएं वैसी नहीं हैं जिनका कि आपने अपने स्कूल या कालेज शिक्षा में सामना किया है।

भरोसेमंद बायोडाटा बनाएं: सुस्पष्ट प्रस्तुति वाला, सहज, व संक्षिप्त बायोडाटा तैयार करने के लिए समय निकालें। अपना बायोडाटा लिखते समय, संबंधित असंगतियों को न नकारें। विशिष्ट व ईमानदार हों।

पढ़ें: पढ़ना समझने का एक अच्छा तरीका है। अपनी पसंद को विधा या लेखक तक सीमित न रखें। आप अपने दिमाग को नयी किताबों में खोलते हैं, आपका अनुभव उतना ही समृद्ध होता जाएगा। प्रतिष्ठित लेखकों की नजरों से दुनिया को देखेंगे तो आप उनसे मूल्यवान सबक हासिल करेंगे। किताबों के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए डिजीटल लाइब्रेरी का हिस्सा बनें या आनलाइन बुक क्लबों में समय बिताएं।

- लेखक आईआईआईटी नया रायपुर, के वाइस चांसलर एवं डायरेक्टर हैं।

फैकल्टी सदस्यों के लिए सुझाव

- फैकल्टी सदस्यों व छात्रों को इस सेमेस्टर को कवर करने के लिए आनलाइन अध्ययन-अध्यापन का उत्तम उपयोग करना चाहिए।
- कुछ विषयों की अपनी तकनीकी समझ बेहतर बनाने की इच्छा रखने वाले सदस्य उक्त विषय पर शास्त्रीय पाठ्यपुस्तकों का चयन कर सकते हैं और उन्हें पूरी तरह पढ़ सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप कंप्यूटर नेटवर्क, सिगनल्स एवं सिस्टम्स, कम्युनिकेशन सिस्टम्स, कम्प्यूटर आर्किटेक्चर, रोबोटिक्स, इंटरनेट सामग्री, कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, कोग्निटिव सिस्टम्स, साइबर सिक्युरिटी एवं आपरेटिंग सिस्टम्स पर किताबे चुन सकते हैं।
- ऐसे काम करने का प्रयास करें जो संस्थान को बेहतर बनाने तथा आपके संस्थान की छवि सुधारने में सहायता करेंगे।

माइंड इट

देश लॉकडाउन के बाद ऑफिस खोलने के लिए तैयार

कोरोना वायरस द्वारा काम की प्रकृति तथा फार योर इंफार्मेशन (एफवाईआई), एक स्वास्थ्य-तकनीक समुदाय उत्पाद, की मन:स्थिति को निर्णायक ढंग से बदल देने के संदर्भ में माइंड मेप एडवांस रीसर्च ने अपने किस्म का एक अलग सर्वे कराया है। जैसा कि देश लाकडाउन के बाद आफिस खोलने के लिए तैयार है, सर्वे कर्मचारियों के बेचैनी स्तर का पता लगाता है और संभावित दिनचर्या में उच्च स्तरीय जागरूकता परिवर्तनों के साथ, नए स्वास्थ्य निगरानी नियमों की पूर्ति हेतु उनके सहकर्मियों द्वारा जो सही है वो करने की प्रबल इच्छा को दर्ज करता है।

सर्वे बताता है कि नियोक्ता अपने कर्मचारियों से, उनके लिए स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए, दायित्व संभालने की अपेक्षा करते हैं। सर्वे का जानकारियों ने आज घोषित किया कि 93 फीसदी से अधिक कर्मचारी आफिस लौटने के लिए उत्सुक हैं। उन्हें बस भय है कि उनके स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता न हो जाए।

महामारी उपरांत दुनिया के नए वातावरण ने उन अपेक्षाओं को बढ़ाया है जो कर्मचारियों की अपने नियोक्ता से कर्मचारियों के स्वास्थ्य से ताल्लुक रखती हैं। सर्वे में लगभग 99 फीसदी कर्मचारियों ने कहा कि वे नियोक्ताओं के लिए कार्पोरेट हेल्थ रिसपांसबिलिटी (सीएचआर) की व्यवस्था को लागू किया जाना अनिवार्य देखना चाहते हैं, बिलकुल उसी प्रकार, जैसे कि कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) की व्यवस्था लागू है। लगभग 85 कर्मचारी अपने नियोक्ताओं से अपेक्षा करते हैं कि जब वे आफिस में हों तो आफिस स्थल को सेनिटाइज कराया जाए, सुरक्षा दिशानिर्देश व सावधानियों को लागू किया जाए व उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा के नए व नवोन्मेषी तरीके तलाशे जाएं।

ये अपेक्षाएं कर्मचारियों में मान्यता से संतुलित हैं कि उन्हें उन प्रयासों मे भागीदार बनाया जाएगा जो नियोक्ता उनके स्वास्थ्य की प्राथमिकता के मद्देनजर करने की पहल करते हैं। 82 फीसदी ने कहा नेर्ि कि वे उन प्रयासों में भागीदारी करने के लिए सहमत होंगे जिसमें निगरानी हेतु उनकी आवश्यकता होगी, हालांकि 18 फीसदी ने कहा कि उन्हें स्वीकार्य होगा यदि उनकी जानकारी की निजता का भरोसा दिया गया । कर्मचारियों में अपने सहयोगी कर्मचारियों द्वारा सही काम करने तथा उच्च स्तरीय एकजुटता की प्रबल भावना सामने आई, जिसने 96 फीसदी ने पुष्टि की कि वे असुविधा के बावजूद स्वास्थ्य सर्तकता पहलकदमियों का पालन करेंगे व उन्हें मानेंगे। कर्मचारी बदलाव लाने के लिए नए वातावरण की अपेक्षा करते हैं और वे जानते हैं कि इनसे क्या हो सकता है। 81 फीसदी ने कहा कि कर्मचारी केवल बैचेस में काम बढ़ाएंगे, हालांकि 73 फीसदी नियोक्ताओं से अपेक्षा करते हैं कि मौजूदा प्रक्रिया की तरह ही घर से काम कराया जाए।

बहुसंख्य उत्तरदाताओं ने कहा कि महामारी उपरांत की दुनिया नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों का दिल जीतने तथा अपनी कार्यशक्ति के समग्र स्वास्थ्य के प्रबल समाधान लागू करने का एक अवसर प्रदान करती है। हालांकि 81 फीसदी कर्मचारियों का प्रबल मानना है कि यह बुरा होगा, मगी 16 फीसदी ने कहा कि हालिया घटनाओं के बावजूद, यह हमेशा एक अपेक्षा बना है। कोविड -19 ने पेशेवरों को कई मामलों में चिंतित किया है। हालांकि बहुसंख्या, 59 फीसदी अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, 25 फीसदी ने कहा कि वे अपनी वित्तीय स्थिति को लेकर चिंतित हैं जबकि 15 फीसदी को डर है कि संकट अभी बना रहेगा और यह अनिश्चितता बेचैनी को और बढ़ाएगी। यह कहना अनुपयुक्त नहीं होगा कि कोविड -19 महामारी ने हमारे काम करने और जीने का तरीका बदल डाला है। इस घटना ने बहुत तेजी के साथ, जीवन और काम दोनों मामलों में, लोगों के नजरियों व सोच में अप्रत्याशित बदलाव लाने के संकेतक, का काम किया है। स्वास्थ व अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के मामले में उन्हें नयी प्राथमिकताओं ने जूझने की जरूरत होगी। इंडिया इंक कर्मचारी अपने स्वास्थ्य को लेकर स्पष्टतया तनाव में है और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर इस चिंता का निराकरण करने की जरूरत है। एफवाईआई, सहसंस्थापक, यीशान गोयल ने कहा, "साक्ष्य इस सच्चाई की पैरवी करते हैं कि अधिक खुश व सुरक्षित कर्मचारी तनाव में काम करने वाले कर्मचारियों के मुकाबले ज्यादा उत्पादक होते हैं और अपना काम बेहतर ढंग से करते हैं।" यह सर्वे दिल्ली एनसीआर, मुंबई, व बैंगलुरू में छोटे, मध्यम, व बड़े संस्थान के 560 कर्मचारियों के बीच किया गया। इन कर्मचारियों में 85 फीसदी पुरूष व 15 फीसदी महिलाएं थे।